संसद में परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित

- 12

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5 प्रतिशत की वृद्धि

- 12

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा भड़का चीन

- 13

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी निगाह

- 14

आज का मौसम

21.0⁰ अधिकतम तापमान

10.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.20

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या, विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 119, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

कर्नाटक में हेटस्पीच पर सात साल की होगी जेल

बेलगावी, एजेंसी

- सरकार ने सख्त नया कानून किया पारित

कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को हंगामे के बीच नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक से संबंधित एक विधेयक पारित कर दिया। घृणा भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक देश का पहला ऐसा कानून है, जिसमें सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। इसे भाजपा के विधायकों के हंगामे के बीच पारित कर दिया गया।

मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को चार दिसंबर को मंजूरी दी थी और 10 दिसंबर को गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इसे सदन में पेश किया था। मंत्री ने कहा कि बार-बार अपराध करने की स्थिति में 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान घटाकर सात साल कर दिया गया है। विधेयक के अनुसार, ऐसी कोई भी अभिव्यक्ति, जो किसी भी पूर्वाग्रहपूर्ण हित को पूरा करने के लिए जीवित या मृत व्यक्ति, वर्ग या व्यक्तियों या समुदाय के समूह के खिलाफ चोट, शत्रुता या घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने के इरादे से सार्वजनिक रूप से बोले गए या लिखित शब्दों में या संकेतों द्वारा प्रकाशित या प्रसारित की जाती है, वह घृणास्पद भाषण है।

भारत-ओमान व्यापार समझौता दोनों देशों को देगा ऊर्जा : मोदी

मस्कट, एजेंसी

- प्रधानमंत्री बोले- निवेश में नया विश्वास पैदा करने के साथ अवसरों के नए द्वार खोलेगा यह समझौता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा और दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन में यह बात कही।

उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा गया है। सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत के लोगों से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) हमारी साझेदारी को 21वीं सदी में नया विश्वास एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा, निवेश में नया विश्वास उत्पन्न करेगा और हर क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खोलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों, नीतिगत स्थिरता, सुशासन एवं निवेशकों के उच्च विश्वास के दम पर देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। कहा, भारत ने पिछले 11 वर्ष में न केवल नीतियों में बदलाव किया है, बल्कि अपने आर्थिक स्वरूप को भी बदल दिया है।

ओमान के सुलतान हैसम बिन के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान से नवाजा गया

मस्कट। ओमान के सुलतान हैसम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान के लिए गुरुवार को उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौरे के दौरान मोदी जॉर्डन और इंडोनेशिया की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मान समेत दूसरे देशों में 28 से अधिक उच्चतम नागरिक सम्मान से नवाजा जा चुका है। हाल ही में उन्हें इथियोपिया में 'ग्रेट ऑनर निशां ऑफ इथियोपिया' और कुवैत में 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल-कबीर' से सम्मानित किया गया था। भारत और ओमान के बीच कूटनीतिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर मोदी ओमान की यात्रा पर हैं।

ब्रीफ न्यूज

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादी मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगल और पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को माओवादी विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है और इस मुठभेड़ में अभी तक एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादियों के मारे जाने की सूचना है।

आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी सील

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी गुरुवार को सील कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर धरमपुरी गांव में आवासीय परिसर में संचालित फैक्टरी पर छापा मारा गया, जहां 30 से अधिक प्रकार के आयुर्वेदिक सिरप बनाए जा रहे थे। सुरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति के निर्देशन में संचालित फैक्टरी में इन सिरप की गुणवत्ता जांचने के लिए कोई प्रयोगशाला नहीं थी और संचालक द्वारा सिरप के निर्माण में इस्तेमाल घटकों से जुड़े जरूरी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके। सिरप की पैकेजिंग पर अलग-अलग कंपनियों के नाम पाए गए।

लोस में 'जी राम जी विधेयक' पारित

विपक्ष ने हंगामा कर जताया विरोध, शिवराज ने कांग्रेस पर बापू के आदर्श खत्म करने का लगाया आरोप

- आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज उछाले
- विधेयक को ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला कदम बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने गुरुवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने बापू के आदर्शों को मार दिया, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए चौहान ने कहा कि 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।

इससे पहले बुधवार को सदन में उक्त विधेयक पर देर रात तक चर्चा हुई और विपक्ष के अधिकतर सदस्यों ने इसे विभाग संबंधी संसदीय स्थायी समिति को विचार-विमर्श के लिए भेजने की मांग की। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को मंत्री के जवाब से पहले यह मांग फिर से उठाई जिसे आसन की ओर से अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच चौहान ने अपना जवाब पूरा किया और उनके उत्तर के बाद सदन ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस दौरान आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज भी उछाले। चौहान ने कहा कि देश में 1960-61 में ग्रामीण जनशक्ति कार्यक्रम बनने से लेकर मनरेगा तक समय-समय पर विभिन्न योजनाएं बनती रही हैं। उन्होंने कहा कि इनसे उद्देश्य पूरा नहीं होता या थोड़ा ही लक्ष्य पूरा होता है तो नई योजनाएं लाई जाती हैं। मनरेगा के नाम में पहले महात्मा गांधी का नाम नहीं था और इसका नाम नरेगा था, लेकिन 2009 के लोकसभा चुनाव से पहले वोटों के कारण कांग्रेस को बापू याद आ गए और उनका नाम जोड़ा गया। चौहान ने आरोप लगाया, कांग्रेस नीत सरकार ने मनरेगा को भी ताकत के साथ लागू नहीं किया और पीएम ने इसे सही से क्रियान्वित किया। उन्होंने संप्रग और राजग सरकार के समय इस योजना के क्रियान्वयन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए थे, वहीं मोदी सरकार में 3210 करोड़ श्रम दिवस का सृजन किया गया।

मनरेगा की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मनरेगा का सिर्फ नाम नहीं बदला जा रहा है, बल्कि इस योजना की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही है तथा विदेशी धरती पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाया जाना सिर्फ दिखावा है। खरगे ने संसद परिसर में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बाद यह भी कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के सरकार के कदम का कांग्रेस सड़क से संसद तक पुरजोर विरोध करेगी। संसद परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, खरगे, और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने 'गरीबों का अधिकार वापस दो' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए।

कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया : शिवराज

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सदन में कहा कि यह सरकार सनक में नाम बदल रही है। चौहान ने कहा, हम सनक में नाम नहीं बदल रहे, अपने परिवार के लोगों पर नाम रखने की सनक तो कांग्रेस की है। चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों के समय सैकड़ों योजनाओं, इमारतों, उत्सवों, संस्थानों आदि के नाम गांधी परिवार के सदस्यों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर रखे गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी का नाम लेकर ढोंग कर रही है और उसने तो देश के बंटवारे के दिन, कश्मीर को विशेष दर्जा दिये जाने के साथ, इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने के दिन ही बापू के आदर्शों की हत्या कर दी थी।

रिटायरमेंट से पहले जजों का ताबड़तोड़ फैसले सुनाना दुर्भाग्यपूर्ण : शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऐसा लगता है कि न्यायाधीश लास्ट ओवर में छक्के मार रहे हैं
- सेवानिवृत्ति से पहले कई आदेश पारित करने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

शीर्ष कोर्ट ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 'बहुत सारे आदेश' पारित करने की न्यायाधीशों की 'बढ़ती प्रवृत्ति' पर आपत्ति जताई और इसकी तुलना मैच के अंतिम ओवरों में बल्लेबाज द्वारा 'छक्के मारे जाने' से की। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ मध्य प्रदेश के एक प्रधान और जिला न्यायाधीश की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कुछ संदिग्ध न्यायिक आदेशों के संबंध में उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति से ठीक 10 दिन पहले उन्हें निलंबित करने के उच्च न्यायालय के सामूहिक फैसले को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी इस पीठ में शामिल थे। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले छक्के लगाने शुरू कर दिए। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है। मैं इस पर विस्तार से चर्चा नहीं करना चाहता। सीजेआई ने कहा, सेवानिवृत्ति से ठीक पहले न्यायाधीशों की बहुत सारे आदेश पारित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। मप्रदे के न्यायिक अधिकारी 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे और उन्हें कथित तौर पर उनके द्वारा पारित दो न्यायिक आदेशों के कारण 19 नवंबर को निलंबित कर दिया गया।

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट किया

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, उन्हें इसके लिए निलंबित नहीं किया जा सकता। लेकिन अगर आदेश स्पष्ट रूप से बेईमानी भरे हों तो क्या होगा? यह भी उल्लेख किया कि 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष करने का निर्देश दिया था।

इंडिगो के सीईओ बोले- बुरा वक्त बीत गया

मुंबई, एजेंसी

- कहा- नेटवर्क की 2200 फ्लाइट्स बहाल 10 दिन में 5 हजार फ्लाइट कैंसिल हुई थीं

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कर्मचारियों से कहा कि विमानन कंपनी ने परिचालन को सुचारू कर लिया है और सबसे बुरा दौर बीत चुका है।

उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। कर्मचारियों को भेजे गए एक वीडियो संदेश में एल्बर्स ने कहा कि व्यवधानों के बाद इंडिगो ने अपनी अधिकतर उड़ान सेवाओं को बहाल कर दिया है। घरेलू विमानन कंपनी में परिचालन संबंधी व्यवधान के कारण इस महीने की शुरुआत में उसकी 5000 उड़ानें रद्द हुईं जिससे हवाई अड्डे पर लाखों यात्रियों को असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा था जब दिन में इसकी 1600 उड़ाने रद्द की जा रही थीं। इंडिगो ने तब से धीरे-धीरे सेवाएं बहाल कर दी हैं। गुरुवार को 2,200 उड़ानें संचालित की गईं। विमानन कंपनी व्यवधान के कारणों की समीक्षा कर रही है। साथ ही प्रभावित ग्राहकों को मुआवजा देते हुए अपने परिचालन को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एल्बर्स ने कहा, तूफान से निकलकर हम फिर से उड़ान भरने की राह पर हैं। सबसे बुरा दौर बीत चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह 'बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं।

शीर्ष कॉलेजियम की पांच हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की सिफारिशें

नई दिल्ली/नैनीताल । सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने केंद्र सरकार से पांच अलग-अलग हाईकोर्ट में पांच न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की गुरुवार को सिफारिशें की हैं। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने बैठक में यह निर्णय लिया। इलाहाबाद हाई कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति के बाद

- जस्टिस मनोज गुप्ता के उत्तराखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की अनुशंसा

उत्तराखंड हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। मुंबई हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति रेवती पी मोहिते डेरे को मेघालय जबकि इसी अदालत के न्यायमूर्ति एमएस सोनाक को झारखंड हाईकोर्ट में पदोन्नत करने की अनुशंसा की गई है।

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के मूर्तिकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नोएडा/मुंबई। केवड़िया स्थित विशालकाय 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और संसद परिसर में स्थापित गांधी की प्रतिष्ठित प्रतिमा सहित कई ऐतिहासिक प्रतिमाओं के निर्माता प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।

सुतार के पुत्र अनिल सुतार ने बताया कि उनकी आयु 100 वर्ष थी और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की कई प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया और कहा कि उनकी रचनाएं 'भारत के इतिहास और संस्कृति की प्रभावशाली अभिव्यक्ति है'। महाराष्ट्र के धुले जिले में 19 फरवरी, 1925 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुतार ने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्हें 1999 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

लालकिला विस्फोट मामले में नौवां आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनआईए ने की कार्रवाई, आरोपी को 26 तक हिरासत में भेजा गया

एनआईए ने लालकिला क्षेत्र विस्फोट के सिलसिले में जम्मू कश्मीर के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो आत्मघाती उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी है। यह इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है।

अधिकारियों ने बताया कि यासिर अहमद डार ने 10 नवंबर को हुए उस धमाके की साजिश में सक्रिय भूमिका निभायी थी, जिसमें 15 लोगों की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। एनआईए ने बताया कि साजिश में सक्रिय रूप से शामिल डार ने आत्मघाती अभियानों को अंजाम देने की शपथ ली थी। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, ''इस मामले में गिरफ्तार किया गया नौवां व्यक्ति यासिर अहमद डार श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) के शोपियां का रहने वाला है। उसे एनआईए ने नई दिल्ली से पकड़ा और गिरफ्तार कर लिया। डार इस मामले में अन्य आरोपियों के साथ नजदीकी संपर्क में था, जिनमें उमर-उन-नबी और मुफ्ती इरफान शामिल है।

शीतकालीन सत्र आज से | सर्वदलीय बैठक में सीएम ने दिया आश्वासन, बोले- सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी सरकार

सरकार सभी चर्चाओं में लेगी भाग, विपक्ष के हर प्रश्न का देंगे सकारात्मक जवाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानसभा अध्यक्ष ने सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग का अनुरोध किया

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले गुरुवार को विधान भवन में हुई सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विपक्षी दलों को आश्वस्त किया कि सरकार सभी चर्चाओं में न केवल भाग लेगी, बल्कि विपक्ष के हर प्रश्न का सकारात्मक जवाब भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शीतकालीन सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। इस दौरान सदन की कार्यवाही के निर्बाध संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग का आश्वासन मिला।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी के सहयोग से ही सदन चलता है। विधानसभा के विगत सत्र में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दा पर सकारात्मक चर्चा परिचर्चा हुई। सभी दलों के सहयोग से जनोपयोगी मुद्दों पर तार्किक, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण चर्चा के माध्यम से जनसमस्याओं का सार्थक समाधान किया जा सकता है। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन जनाकांक्षाओं को रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान सत्र में हमें महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ ही, विधेयकों पर सार्थक चर्चा करने का अवसर प्राप्त होगा। विधेयकों पर चर्चा करते समय उनके वास्तविक कॉन्सेप्ट व स्वरूप को सदन में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। विस के पिछले सत्र में विकसित उप्र विजन डॉक्यूमेन्ट/2047 पर लगातार 27 घंटे सार्थक चर्चा पर आईआईटी कानपुर के साथ मिलकर यूपी विजन डॉक्यूमेन्ट बनाया जाएगा। इस चर्चा को पुस्तक का स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है।

सर्वदलीय बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

कई मुद्दों पर गरमा सकता है विधानमंडल

लखनऊ। राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र कई मुद्दों पर गरमा सकता है। उप्र. विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 24 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुपूरक बजट समेत कई महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों पर चर्चा बाद मंजूरी दी जाएगी। सदन में प्रदूषण और कोडीनयुक्त कफ सिरप के मुद्दे पर विपक्ष सरकार को कटघरे में भी खड़ा कर सकता है। एसआईआर पर भी हंगामा संभव है। कार्यवाही के पहले दिन घोसी से सपा विधायक रहे सुधाकर सिंह के निधन पर शोकसभा प्रस्ताव के बाद स्थगित कर दी जाएगी। शनिवार और रविवार को अवकाश के चलते सदन की कार्यवाही नहीं होगी। सोमवार 22 दिसंबर को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुपूरक बजट को मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। उसी दिन वंदे मातरम् पर चर्चा भी संभव है। इसके बाद 23 दिसंबर को विधायी कार्य संपन्न होंगे। 24 दिसंबर को अनुपूरक बजट पर विस्तृत चर्चा होगी।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

खाद माफिया पर कसेगा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उर्वरक कालाबाजारी को सामान्य अपराध नहीं मानने का फैसला
- एनएसए तक कार्रवाई की बन रही कार्ययोजना

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट और सख्त निर्देशों के बाद अब खाद एवं कृषि विभाग ने उर्वरक कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई की ठोस कार्ययोजना तैयार करना शुरू कर दिया है। शासन स्तर पर यह तय किया गया है कि खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और ओवररेटिंग को अब सामान्य या रूटीन अपराध की तरह नहीं देखा जाएगा। इसे सीधे खाद्य सुरक्षा, किसान हित और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर अपराध मानते हुए सख्त कानूनी कदम उठाए जाने की कार्ययोजना तैयार हो रही है।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद विभागों को निर्देश मिले हैं कि कालाबाजारी में लिप्त तत्वों के खिलाफ एफआईआर से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) तक की कार्रवाई का स्पष्ट खाका तैयार किया जाए। खाद एवं रसद, कृषि और जिला प्रशासन मिलकर यह तय कर रहे हैं कि किन परिस्थितियों में साधारण धाराएं लगेंगी और किन मामलों में एनएसए जैसी कठोर कार्रवाई आवश्यक होगी। प्रदेश के सभी जिलों में डेली स्टॉक रिपोर्टिंग सिस्टम को सख्ती से लागू कराने की योजना है। हर खाद दुकान और गोदाम से रोजाना स्टॉक और बिक्री का विवरण ऑनलाइन लेने के बाद उसकी क्रॉस चेकिंग की जाएगी, ताकि किसी भी जिले या ब्लॉक में संभावित कमी का समय रहते आकलन हो सके। योजना के तहत औचक निरीक्षण को और प्रभावी बनाया जाएगा। निगरानी में चूक करने वाले अफसरों की भी भूमिका तय की जा रही है।

सभी एक्सप्रेस-वे पर 20 से 40 किमी तक घटी गति सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीडा का फैसला, 19 दिसंबर से 15 फरवरी तेज रफ्तार पड़ेगी भारी, नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई के संकेत

अमृत विचार: घने कोहरे और धुंध के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती आशंका को देखते हुए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने सभी एक्सप्रेस-वे पर कार, जीप और हल्के वाहन वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किमी में 20 से 40 किमी कटौती कर दी है। इसी तरह बस और मल्टी-एक्सल यात्री वाहन और मालवाहक पर भी गति सीमा घटाई गई है। यह नई व्यवस्था 19 दिसंबर से 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगी।

यूपीडा के अनुसार, सर्दियों में दृश्यता कई बार 50 मीटर से भी कम रह जाती है। ऐसे में तेज़ रफ्तार न केवल वाहन चालक के लिए, बल्कि अन्य यात्रियों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले सभी श्रेणी के वाहनों के लिए समयवार और वाहन-प्रकार आधारित गति सीमा तय की गई है। यूपीडा ने साफ किया है कि यह गति सीमा अस्थायी लेकिन अनिवार्य है और कोहरे की स्थिति समाप्त होने तक लागू रहेगी। यूपीडा ने एक्सप्रेस-वे पर सरप्राइज पेट्रोलिंग, डेली मॉनिटरिंग और 24x7 एम्बुलेंस तैनाती के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे पर फॉग लाइट्स, रिफ्लेक्टिव बोर्ड, डेलिनेटर और रोड स्टड्स की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि कम दृश्यता में भी रास्ता स्पष्ट दिखे। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का पालन न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि यह केवल यातायात नियम नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

अब इस तरह होगी रफ्तार

- कार, जीप और हल्के वाहन (एम-1 श्रेणी) - सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक : 80 किमी/घंटा, रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक : 60 किमी/घंटा
- बस और मल्टी-एक्सल यात्री वाहन (एम-2 व एम-3) - दिन में : 60 किमी/घंटा, रात में : 50 किमी/घंटा
- मालवाहक वाहन - दिन में : 50 किमी/घंटा-रात में : 40 किमी/घंटा

चालकों से अपील बरतें सावधानी

- कोहरे में हाई बीम का प्रयोग न करें।
- वाहन के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- अचानक ब्रेक लगाने से बचें।
- फॉग लाइट का उपयोग करें।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छता अभियान से अटल को श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी के निर्देशानुसार 25 दिसंबर को पूरे प्रदेश में विशेष और व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से अटल के स्वच्छ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। 18 से 22 दिसंबर के बीच जनपद स्तर पर निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला और कविता पाठ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं 25 दिसंबर को लखनऊ स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। संस्कृति विभाग के तत्वावधान में 25 दिसंबर की शाम उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें काव्य पाठ प्रतियोगिता के विजेता कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से अटल के कवि व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

ओसैट यूनिट से यूपी बनेगा सेमीकंडक्टर हब

अमृत विचार, लखनऊ : देश के सेमीकंडक्टर मिशन को प्रदेश में नई गति मिलने जा रही है। एचसीएल और फॉक्सकॉन की संयुक्त ओसैट यूनिट लगने जा रही है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रति माह 20,000 सिलिकॉन वेफर्स प्रोसेसिंग क्षमता है, जो प्रदेश को सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में मजबूत स्थान दिलाने के साथ ही भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। अधिकारियों के अनुसार, जनवरी के मध्य ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी के बाद परियोजना पर तेजी से काम शुरू हो जाएगा। यह यूनिट यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास स्थापित की जाएगी। करीब 3706 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह इकाई प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा होगी।

रेपर्टवा फेस्टिवल का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि रेपर्टवा जैसे महोत्सव उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मक प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते हैं। पर्यटन मंत्री, गुरुवार को राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में 'रेपर्टवा फेस्टिवल 2025' के 13वें सीजन का दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। चार दिवसीय रेपर्टवा फेस्टिवल 18 से 21 दिसंबर तक जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित किया जा रहा है। इसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ देशभर की कला प्रतिभाएं अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

संस्कृति में ही निहित राष्ट्र की आत्मा : योगी

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव में मुख्यमंत्री बोले- संस्कृति से कटते ही राष्ट्र हो जाता है निस्तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में डाक विभाग के विशेष आवरण का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी, कुलपति प्रो .मांडवी सिंह व अन्य।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है। यदि राष्ट्र से उसकी संस्कृति को अलग कर दिया जाए तो वह निस्तेज हो जाता है और अपनी पहचान खो देता है। उन्होंने कहा कि कलाकार भी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। सरकार से पूरी मदद आश्वासन देते हुए योगी ने कहा कि कला एक ईश्वरीय गुण है, जिसकी अवमानना नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में शताब्दी महोत्सव के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे आत्मा के बिना शरीर निष्प्राण हो जाता है, उसी प्रकार संस्कृति से विहीन राष्ट्र खंडहर में बदल जाता है। योगी ने यह शताब्दी समारोह केवल एक संस्थान का उत्सव नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और परंपरा की निरंतरता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत की कला, संगीत और लय ने विषम परिस्थितियों में भी अपनी पहचान बनाए रखी, यही कारण है कि सनातन संस्कृति आज भी विश्व को दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कलाकार की कला को ईश्वरीय गुण बताते हुए कहा कि इसका सम्मान होना चाहिए और किसी भी विधा से जुड़े कलाकार को प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय ने बीते 100 वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को संरक्षित ही नहीं किया, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठा भी दिलाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में उतना ही योगदान देता है, जितना कोई अन्य क्षेत्र का नागरिक। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के संस्थापक पं. विष्णु नारायण भातखण्डे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1940 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखे गए उस पत्र का उल्लेख किया। उन्होंने कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह द्वारा तैयार किए गए विश्वविद्यालय के कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत्' की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओंकार सृष्टि का पहला स्वर है और नाद योग इसकी वैज्ञानिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुष्टि करता है। योगी ने कुम्भ 2019 और महाकुम्भ 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मिथक टूट गया है कि युवा अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं।

कलाकारों को सशक्त मंच दे रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कलाकारों को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय इस दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने विश्वविद्यालय के नए प्रस्तावित परिसर, आधुनिक ऑडिटोरियम, ओपन थिएटर और पुराने परिसर को संग्रहालय के रूप में विकसित करने की योजना की भी जानकारी दी। इस अवसर पर 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'ए लिगेसी ऑफ एक्सिलेंस', डाक विभाग के विशेष आवरण और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया।

भातखंडे विवि की पूर्व छात्रा पद्मश्री मालिनी अवस्थी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ये पूर्व छात्र-छात्रा किए गए सम्मानित

डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय (कथक), पद्मश्री मालिनी अवस्थी (लोक गायिका), दिलराज कौर (शास्त्रीय गायन), केवल कुमार (संगीत संयोजक)

40.19 लाख नए वोटर मतदाता सूची में जुड़े

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पंचायत चुनाव

- नई सूची में जुड़े करीब 15 लाख पहली बार वोट डालने वाले युवा
- कुल मतदाता बढ़कर हुए 12.69 करोड़
- वृहद पुनरीक्षण के बाद 1.41 करोड़ नाम हटे, 23 दिसंबर को प्रारंभिक प्रकाशन : राज्य निर्वाचन आयुक्त

अमृत विचार: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत कराए गए मतदाता सूची वृहद पुनरीक्षण-2025 के बाद उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची में 40.19 लाख नए वोटर जुड़े हैं, जिससे प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई है। वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव में यह संख्या 12.29 करोड़ थी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नए मतदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें लगभग 15 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर पहली बार मतदाता सूची में जगह बनाई है। उन्होंने बताया कि 18 से 23 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या अब 1.05 करोड़ हो चुकी है, जो पंचायत चुनावों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का संकेत है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण के दौरान 1.41 करोड़ नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इनमें ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिनका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज था, जिनका निधन हो चुका है या जो स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से की गई है।

उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण शुरू करने से पहले वर्ष 2021 की मतदाता सूची में शामिल सभी 12.29 करोड़ मतदाताओं को स्टेट वोटर नंबर (एसवीएन) आवंटित किया गया। इसके बाद ई-बीएलओ एप और गणना प्रपत्रों के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया गया। जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक बार पाए गए, उन्हें सूची से विलोपित किया गया।

राज प्रताप सिंह ने कहा कि एसवीएन किसी भी मतदाता को जीवन में केवल एक बार ही दिया जाएगा। यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है, तो उसका एसवीएन नंबर फ्रीज कर दिया जाएगा और भविष्य में किसी अन्य को आवंटित नहीं होगा। इससे फर्जी और दोहरे मतदाताओं पर पूरी तरह रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जाएगा। इस अवधि में मतदाता दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। सभी आपत्तियों के निस्तारण के बाद 6 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

रोजगार सृजन कर रही खादी: खन्ना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग की 10 दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत

खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद चरखे पर हाथ आजमाते मंत्री सुरेश खन्ना।

अमृत विचार : वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि खादी भारत की स्वतंत्रता, स्वदेश और स्वावलंबन का प्रतीक है। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा रहा है।

संसदीय कार्यमंत्री गुरुवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

स्वदेशी, स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में उप्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में 18 से 27 दिसंबर तक आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी-2025 की प्रशंसा की।

प्रधानाचार्य समेत तीन पर एफआईआर दर्ज

मदरसा नियुक्ति फर्जीवाड़ा : मृतक आश्रित कोटे में दो बार लॉकडाउन में की गई नियुक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल

मामले में यह भी आरोप है कि एक ही व्यक्ति को दो बार मृतक आश्रित कोटे में नियुक्त किया गया। यह गंभीर अनियमितता तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन कुमार सिंह और तत्कालीन रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड आरपी सिंह की भूमिका पर सवाल खड़े करती है। हालांकि शासन के पत्रों में विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

अमृत विचार: प्रदेश के बलरामपुर जिले में मदरसा जामिया अनवारूल उलूम, तुलसीपुर में कनिष्ठ सहायक की नियुक्ति को लेकर सामने आया फर्जीवाड़ा अब गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है। लॉकडाउन जैसी आपात अवधि में की गई इस नियुक्ति ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। 25 मई 2020 को मो. हसन रजा को मदरसा जामिया अनवारूल उलूम में सहायक शिक्षक आलिया के पद पर नियुक्त किया गया। नियुक्ति के दौरान प्रस्तुत शपथ पत्रों की प्रामाणिकता पर संदेह हुआ, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू हुई।

बलरामपुर के तुलसीपुर थाने में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी यशवंत मौर्या ने तहरीर दी। जिसमें बताया कि मो. हसन रजा की नियुक्ति 25 मई 2020 को मदरसा जामिया अनअवारूल उलूम में सहायक शिक्षक आलिया के पद पर हुई। उनके द्वारा जमा किये गये दस्तावेज पूरी तरह से संदेहास्पद दिखे। जिसकी जांच कराई गई। मो. हसन रजा ने दो शपथ पत्र दिये। जिसमें एक को खुद ही फर्जी बताया। जांच में सामने आया कि पहले शपथ पत्र में हसन रजा के पास आवश्यक योग्यता न होने की बात कही गई थी, जबकि बाद में दिए गए दूसरे शपथ पत्र में पहले को फर्जी बताया गया। इस विरोधाभास ने मामले को और संदिग्ध बना दिया। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक) से कराई गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि विवादित शपथ पत्र पर किए गए हस्ताक्षर मो. हसन रज़ा के वास्तविक हस्ताक्षरों से मेल नहीं खाते। रिपोर्ट के अनुसार, यह फर्जी शपथ पत्र मदरसे के लिपिक अजीज अहमद अंसारी द्वारा अपने हाथ से लिखा गया था। खुलासे के बाद मदरसा प्रधानाचार्य मेराज अहमद, लिपिक अजीज अहमद अंसारी सहित अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

उपलब्धि | मुख्यमंत्री योगी को उच्चाधिकारियों ने सौंपा विभागवार खाली पदों का ब्योरा

नए वर्ष में युवाओं के लिए 1.5 लाख सरकारी नौकरियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पुलिस-शिक्षा में सर्वाधिक भर्ती रिकार्ड भर्ती करने वाला देश का पहला राज्य बना यूपी

अमृत विचार: प्रदेश के युवाओं के लिए वर्ष 2026 रोजगार के लिहाज से ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार अगले वर्ष डेढ़ लाख से अधिक सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही योगी सरकार के नाम 10 वर्षों में 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का रिकॉर्ड दर्ज होने जा रहा है, जो प्रदेश के इतिहास में पहली बार होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सभी विभागों से रिक्त पदों का अद्यतन और विभागवार ब्यौरा तलब किया है। इसके आधार पर वर्ष 2026 के लिए मेगा भर्ती कैलेंडर तैयार किया जा रहा है। सरकार का फोकस उन विभागों पर है, जहां लंबे समय से पद रिक्त हैं और जिनका सीधा असर कानून-व्यवस्था, शिक्षा और जनसेवाओं पर पड़ता है।

सरकारी तैयारियों के अनुसार, वर्ष 2026 में सबसे अधिक भर्ती पुलिस और शिक्षा विभाग में होगी। दोनों विभागों में करीब 50-50 हजार पदों पर नियुक्तियां प्रस्तावित हैं। पुलिस विभाग में 30 हजार आरक्षी, 5 हजार उप निरीक्षक (एसआई) और 15 हजार अन्य पदों पर भर्ती की जाएगी। वहीं शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक, प्रवक्ता (लेक्चरर) और प्रधानाचार्य जैसे पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां होंगी।

इसके अलावा राजस्व विभाग में करीब 20 हजार पद, जिनमें अधिकांश लेखपाल के होंगे। करीब 8 हजार पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। स्वास्थ्य, आवास विकास, कारागार और बाल विकास पुष्टाहार विभाग में मिलाकर 30 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की जाएंगी। 2026 की इस मेगा भर्ती योजना के साथ उत्तर प्रदेश न सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा, बल्कि देश का पहला राज्य बनेगा, जिसने एक दशक में 10 लाख युवाओं को सरकारी सेवा में अवसर दिया हो।

प्रदेश का युवा हमारी प्राथमिकता है। हर रिक्त पद को भरना सरकार की जिम्मेदारी है। भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो, समय पर हो और योग्य युवाओं को अवसर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती से बढ़ा युवाओं का भरोसा

पिछले साढ़े आठ वर्षों में योगी सरकार ने साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, तकनीक आधारित चयन और सख्त निगरानी के चलते पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा है। यही कारण है कि युवाओं का भरोसा भर्ती बोर्डों और सरकार पर लगातार मजबूत हुआ है।

सपा समर्थकों के वोट काटने के दिए जा रहे निर्देश : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पत्रकारों से संवाद करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह व अन्य।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए सपा के समर्थकों के वोट कटवाने के लिए अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं। मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, वहां अधिकारियों को कमियां निकालकर सपा समर्थकों के वोट काटने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

सपा प्रमुख गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में विधानमंडल दल की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से अभी कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं हुआ है, फिर भी चार करोड़ वोट कटने की बात कही जा रही है। सवाल उठाया कि जब आंकड़े ही नहीं आए तो मुख्यमंत्री को यह जानकारी कैसे हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता और विधायक निजी कंपनियों के साथ मिलकर हेराफेरी कर रहे हैं।

सत्र में उठाएंगे जनसमस्याएं

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा के विधायक विधानसभा में महंगाई, बेरोजगारी, किसान, खाद संकट और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने बिहार में महिला डॉक्टर का हिजाब खींचने की घटना को निंदनीय बताया और कहा कि ऐसा व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू विवाद में महिला के साथ की मारपीट

हमीरपुर । राठ कस्बे के पठानपुरा इलाके में घरेलू विवाद के चलते एक दबंग युवक ने अपने परिवार की महिला के साथ मारपीट की। राठ कोतवाली में तहरीर दी गई। कस्बे के पठानपुरा निवासी प्रीति पत्नी अतुल की ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि घरेलू विवाद के चलते उसके परिवार के ही एक युवक ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उसके साथ मारपीट की।

पुलिस ने मूर्ति बरामद कर मंदिर में रखवाई

हमीरपुर । बिवांर न्यूरिया गांव में मंदबुद्धि व्यक्ति के द्वारा गायब की गई मूर्ति उसकी पत्नी की सूचना पर बरामद कर ली गई है। ग्रामीणों ने मूर्ति को मंदिर में रखवा दिया है। दो माह बाद पुन: स्थापित की जाएगी। थानाक्षेत्र के न्यूरिया गांव के बाहर तालाब के किनारे हनुमानजी का मंदिर स्थापित है। मंगलवार की रात गांव के मंदबुद्धि राम बहादुर पुत्र स्वामीदीन ने मंदिर से मूर्ति को गायब कर दिया। सुबह पुजारी बिल्लू मंदिर की सफाई के लिए गया, जब जानकारी दी गई। ग्राम प्रधान कन्हैया दीक्षित, थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति व सीओ राजकुमार पाण्डेय मौके पर पहुंच कर जानकारी की। मामले में गांव के एक मंदबुद्धि युवक से पूछताछ करने पर वह पुलिस को दो घंटे तक बरगलाता रहा। गुरुवार को थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने उसके घर जाकर उसकी पत्नी की निशानदेही पर मूर्ति को उसके घर से बरामद कर ग्रामीणों की मदद से मंदिर में रख दिया है। प्रधान ने बताया कि दो माह बाद ग्रामवासियों के सहयोग से मूर्ति की पुनर्स्थापना करवाई जाएगी।

चार लोगों पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज

हमीरपुर । बिवांर क्षेत्र के भरखरी गांव के युवक पर गांव के चार लोगों पर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली गलौज कर मारपीट करने आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाक्षेत्र के भरखरी गांव निवासी रमाकांत पुत्र रामकिशन वर्मा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि एक पुराने मुकदमा को लेकर गांव के शिशुपाल, रॉबिन पुत्रगण राकेश सिंह, राकेश पुत्र टिरिया यादव व आसाराम पुत्र सुखदेव ने जातिसूचक शब्दों को प्रयोग कर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। चारों युवक जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। युवक की तहरीर पर पुलिस ने एससी एसटी एक्ट सहित मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अदालत के आदेश पर प्रधान व भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

हमीरपुर । बिवांर थानाक्षेत्र के कल्ला गांव में महिला के साथ मारपीट करने के मामले में अदालत के आदेश पर पुलिस ने प्रधान व उसके भाई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कल्ला गांव निवासी सावित्री पत्नी राजबहादुर के साथ गांव के प्रधान पप्पू पुत्र कांशीराम ने अपने भाई बबलू सिंह के मुकदमा को लेकर अश्लील हरकत कर अभद्रता की थी। विरोध करने पर दोनों भाइयों ने महिला की थप्पड़ लात घूंसों से जमकर मारपीट की थी। महिला ने थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर महिला ने अदालत की शरण ली। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने प्रधान व उसके भाई के खिलाफ मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि भाइयों के खिलाफ अदालत के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

भागवत के अंतिम दिन सुनाई गई भक्त प्रहलाद की कथा

पौथिया (हमीरपुर) । पौथिया गांव स्थित झाड़ू बाबा मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन गुरुकुल हरिद्वार से आईं कथा वाचक नीतम ज्योति शास्त्री ने ध्रुव चरित्र व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाई। कहा कि जिस प्रकार भक्त ध्रुव आज भी आकाश में अटल है। उसी प्रकार हमें भी अपने आदर्शों पर अटल रहना चाहिए। आज भी भौतिकता की प्रधानता के कारण हम अपने विचारों पर स्थिर नहीं रह पाते, जिस कारण बुराइयों को दूर करने के लिए हमारे ग्रंथों की शिक्षाओं का अपनाना पड़ेगा। अपने पिता के विरुद्ध जाकर भगवान विष्णु की भक्ति की।

अब बढ़ेगी बच्चों की वैज्ञानिक सोच

बिधनू में जिलाधिकारी और सीडीओ ने किया नक्षत्रशाला का उद्घाटन

संवाददाता, बिधनू

अमृत विचार । बिधनू विकास खंड की नगवां ग्राम पंचायत के कंपोजिट परिषदीय विद्यालय में गुरुवार को जनपद की पहली नक्षत्रशाला का मुख्य अतिथि जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह व सीडीओ दीक्षा जैन ने संयुक्त रूप से उदघाटन किया। अंतरिक्ष यात्री कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम से बनी नक्षत्रशाला में जिलाधिकारी व सीडीओ ने ड्रोन, टेलीस्कोप, स्पेसक्राफ्ट , ग्लाइडर, एस्ट्रोनोमिकल आदि यंत्रों के बारे में जानकारी लेकर ब्रहमाण्ड की गतिविधियों को देखने के लिए विद्यार्थियों को समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान एक गोदभराई, एक अन्नप्रासन व एक जन्मदिन की रस्म अदा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि नक्षत्रशाला बनने से बच्चों में वैज्ञानिक सोच बढ़ेगी।

नक्षत्रशाला के उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान आशीष बाजपेई की सक्रियता और उनकी सकारात्मक सोच की सराहना की। उन्होंने कहा जीवन में शिक्षा सफलता का मुख्य आधार है। आज का युग वैज्ञानिक युग है। इसमें बिना ग्रह व नक्षत्र के कोई कार्य नहीं होता। ग्रह कितने है, सौर मण्डल में तारे कितने है, सूर्य चन्द्रमा व पृथ्वी के बीच कितनी दूरी है, सौर मंडल में हर रोज क्या गतिविधि होती है, कौन सा ग्रह कितनी चाल से चलता है। इस प्रकार का ज्ञान अब इस नक्षत्रशाला के जरिये विद्यार्थियों को मिल सकेगा। इस बीच सीडीओ ने भी सफलता के पीछे शिक्षा को विशेष दर्जा दिया। उन्होंने शिक्षा के महत्व को अपने निजी जीवन से जोड़कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उद्घाटन बाद जिलाधिकारी व सीडीओ की मौजूदगी में सीडीपीओ रत्ना श्रीवास्तव गर्भवती सोनम की गोदभराई व बच्ची लवी का अन्नप्रासन रस्म अदा की। इस दौरान तीन वर्षीय बच्ची इशिता का जन्मदिन भी मनाया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने पांच बुजुर्गों को कंबल भेंट किए। इस दौरान जिलाधिकारी ने ठंड को देखते हुए कक्षा एक से आठवीं तक के बच्चों के लिए दो की छुट्टी भी घोषित की। इस मौके पर इसरो व्योमिका फाउंडेशन निदेशक गोविन्द यादव, उप निदेशक अरविंद यादव, लैब प्रभारी सुरज यादव, एडीओ पंचायत सुरेश निगम, वर्षा शुक्ला, पवन मिश्रा, अनुराग बाजपेई, श्रवण कुशवाह, राघवेंद्र, उपेंद्र, लाल सिंह मौजूद रहे।

नक्षत्रशाला का फीता काटकर उद्घाटन करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और सीडीओ दीक्षा जैन। अमृत विचार

नन्हें वैज्ञानिकों ने दिखाई बड़ी प्रतिभा

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार । उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 'राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2025-26' के तहत शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से एक भव्य विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता ब्लॉक संसाधन केंद्र बिल्हौर में आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के परिषदीय उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों से कक्षा 6, 7 और 8 के कुल 166 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया और प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता को दो चरणों में विभाजित किया गया था ताकि सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं का निष्पक्ष चयन किया जा सके। सबसे पहले सभी 166 छात्रों की प्रारंभिक परीक्षा हुई। लिखित परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर शीर्ष 26 छात्रों को चुना गया, जिनका पैनल द्वारा साक्षात्कार और मौखिक परीक्षण लिया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह द्वारा परिणामों की आधिकारिक घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद कुल 10 मेधावी छात्रों का चयन किया गया है।

प्रथम स्थान पर कंपोजिट विद्यालय गहिलियापुर के छात्र नितेश रहे, मोहम्मद हसन और अनिकेत संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे वहीं आयुष ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जबकि अन्य मेधावियों में राज बाबू, शिवांगी, साक्षी, सजर, अंकिता और सोहवना से सिमरन ने भी शीर्ष 10 में जगह बनाई। इस अवसर पर ब्लॉक के शैक्षणिक जगत से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से आदित्य द्विवेदी, श्रीकांत, धर्मेन्द्र कटियार, पुष्पेन्द्र यादव, शशांक द्विवेदी, रत्नाकर बाजपेई, ओंकार यादव, समीर और विकास बाबू आदि शामिल थे।

ट्राफी और प्रमाणपत्र के साथ मौजूद विजेता बच्चे। अमृत विचार

तुलसीतीर्थ में गरजा बुलडोजर, ढहाए कब्जे

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

अमृत विचार । तुलसीतीर्थ में गुरुवार को उप जिलाधिकारी फूलचंद्र यादव की देखरेख में अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया गया। एसडीएम ने कहाकि अतिक्रमणकारियों को 15 दिन पहले नोटिस दी गई थी पर इन्होंने कब्जे नहीं हटाए।

इस दौरान प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह भी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। एसडीएम की अगुवाई में मानस मंदिर रोड तथा यमुना रोड में अवैध कब्जे ढहाए गए। उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकारियों को 15 दिन पहले नोटिस दी गई थी। इसके बाद भी इन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया तो तुलसी चौक, तुलसी इंटर कालेज रोड, यमुना रोड, तुलसी स्मारक रोड पर बुलडोजर से अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया गया। बताया कि जब तक अतिक्रमण पूरी तरह से नहीं हटेगा, तब तक यह अभियान चलता रहेगा। अभियान से मानस मंदिर रोड, यमुना रोड के सब्जी विक्रेताओं तथा ठेले लगाने वाले लोगों में अफरातफरी मच गई।

एसडीएम ने बताया कि तुलसीतीर्थ में दर्शनार्थियों का आवागमन बना रहता है लेकिन अतिक्रमण से इनको परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने नगरवासियों व व्यापारियों से अतिक्रमण हटाओ अभियान में सहयोग करने की अपील की है। इस अभियान में किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत के विस्तारित क्षेत्र में भी अतिक्रमणरोधी अभियान चलाया जाएगा।

सर्द हवाओं ने कंपाया, लोगों ने लिया अलाव का सहारा

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार । क्षेत्र में ठंड का प्रकोप दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को भी सुबह से आसमान में छाए बादल व दिन भर चली सर्द हवाओं ने लोगों को कंपा दिया। ठंड से बचाव के लिए जगह-जगह लोग आग तापते नजर आए। लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलवाये जाने की मांग प्रशासन से की है।

क्षेत्र में ठंड का प्रकोप दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को सुबह आसमान में छाए बादल शाम तक न छंटने से सारा दिन धूप के दर्शन नहीं हो सके। इस दौरान चली सर्द हवाओं व तेजी से बढ़ी गलन ने ज्यादातर लोगों को घरों में ही रहने के लिए विवश कर दिया।

ठंड से बचने को अलाव तापते लोग। अमृत विचार

- भीषण ठंड के चलते जरूरी काम वाले ही घरों से निकले
- दिन भर आग तापते रहे लोग सड़कें रहीं सुनसान

मजबूरीवश घरों से बाहर निकले लोग सिर से पांव तक गर्म कपड़ों से ढके नजर आए। वहीं सर्दी से बचने के लिए बाजार में जगह-जगह दुकानदार व राह गुजरते लोग आग का सहारा लेते दिखे। लगातार बढ़ रही सर्दी को देखते हुए लोगों ने रेलवे स्टेशन रोड, टैम्पो स्टैंड ,बिठूर रोड तिराहा ,पुरानी व नई सब्जी मंडी व बेला मार्ग क्रॉसिंग आदि के आसपास अलाव जलवाए जाने की मांग प्रशासन से की है।

गोवंशों को बचाने को गौशाला के टीनशेड तिरपाल से ढकें

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

- बीडीओ ने निरीक्षण कर परखीं आधा दर्जन गौशालाओं की व्यवस्थाएं, दिए निर्देश

अमृत विचार । खंड विकास अधिकारी ने आधा दर्जन गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। जिसमें पशुओं को ठंड से बचाव की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने की निर्देश दिए।

मंगलवार को खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार ने क्षेत्र की बिलगांव, पुरैनी, बंगरा, कटेहरी, ममना व चंडौत गांवों की गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया। बीडीओ ने बताया इन गौशालाओं में भूसे का पर्याप्त भंडारण मिला है। मौके पर चरवाहे व चौकीदारों की व्यवस्था भी चुस्त मिली है। संबंधितों को पशुओं को हरा चारा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बताया कि पशुओं को ठंड से बचाव के लिए शेड के चारों तरफ पॉलीथिन या तिरपाल लगाने तथा गौशाला में अलाव की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं। पशुओं के बीमार होने पर तुरंत पशु चिकित्सा विभाग को सूचना देने के निर्देश दिये हैं।

उधर पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों को भी सूचना मिलने पर तुरंत मौके पर जाकर इलाज मुहैया कराने को कहा गया है। बीडीओ ने कहा कि गौशाला के संचालन में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस मौके पर एडीओ (पंचायत) राजवीर सिंह, ग्राम प्रधान व संबंधित सचिव मौजूद रहे।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

गौसेवा आयोग के अध्यक्ष ने गौशाला का निरीक्षण कर गाय को खिलाया गुड़

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार । गुरुवार को गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता घाटमपुर के कान्हा गौशाला पहुंचे। उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं के बारे में तमाम बिंदुओं पर चर्चा की।

गौशाला पहुंचे गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता का कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्ळोंने वहां पर गौसेवा कर रहे गौसेवकों को माला पहनाकर सम्मान किया। साथ ही बजरंग दल के शुभम शौर्य अग्निहोत्री से एक एक बिन्दु पत्र के माध्यम से समस्याओं को अवगत कराने को कहा और जल्द ही पुनः गौशाला आकर निरीक्षण करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर बजरंग दल के सह विभाग संयोजक शुभम शौर्य अग्निहोत्री, विभाग संगठन मंत्री गोपाल जी, अधिवक्ता परिषद के जिला संयोजक जीतू अवस्थी , जिला कार्यालय प्रमुख आरएसएस गौरव पांडेय , जिला व्यवस्था प्रमुख आरएसएस रोहित , गणेश द्विवेदी, रमन अवस्थी , अखिलेश दीक्षित जी, गौसेवक सोनू पटेल , संघ के नगर प्रचारक अनुज जी सहित बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गाय को गुड़ खिलाते गौसेवा आयोग उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता।

- कार्यकर्ताओं ने माला पहना कर किया स्वागत
- पुन: निरीक्षण करने आने का दिया आश्वासन

कल से 12 कोच की चलेगी कानपुर खजुराहो मेमू पैसेंजर

हमीरपुर । आगामी 20 दिसंबर से कानपुर से खजुराहो के मध्य चलने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन में 8 के बजाय 12 कोच चलेंगे। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

उत्तर मध्य रेलवे झांसी के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जनप्रतिनिधियों एवं आम जनमानस की मांग पर रेलवे ने कानपुर एवं खजुराहो तथा खजुराहो कानपुर के मध्य सुबह शाम चलने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन में कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। आगामी 20 दिसंबर को कानपुर से शाम 4:20 बजे चलने वाली मेमू में 8 के स्थान पर 12 कोच चलाए जाएंगे। इसी तरह 21 दिसंबर को तड़के खजुराहो से चलकर कानपुर जाने वाली पैसेंजर में 12 कोच होंगे और यह अब यह कोच नियमित रूप से चलाए जाएंगे।

दंगल : हरियाणा की कोमल को दिल्ली की अंजू ने हराया

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार । चंडौत गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्द हवाओं के बीच भव्य दंगल का आयोजन किया गया। जिसमें पहले दिन अतिथि राम सहोदर नेता, कामता राजपूत, देवेंद्र राजपूत, ज्ञान सिंह ने पहलवानों का हाथ मिलवा कर कुश्ती का शुभारंभ कराया।

गांव में दो दिवसीय दंगल के पहले दिन दो दर्जन से अधिक कुश्तियां हुईं। दंगल में मसगांव के लेखराज ने कानपुर के भीमकांत को कड़ी मशक्कत के बाद चित किया। शोभित गोरखपुर ने कैलाश रायबरेली को आखाड़े की धूल चटाई, लींगा के प्रीतम ने इंचौली के राकेश को हराया। मथुरा के वीरबहादुर और आगरा के बिच्छू बीच मुकाबला हुआ। जिसमें बिच्छू ने विजय हासिल किया। कानपुर के राहुल ने मैनपुरी के जय को मात दी, चंडौत के सुनील ने राणा के दिलीप को चित किया वही महिला पहलवान अंजू दिल्ली ने कोमल हरियाणा को कड़े संघर्ष में हराया। बिनय बलरामपुर और अमर सिंह धौहल एवं मंगल सिंह रहटिया और उदल धौहल के बीच कुश्ती बराबरी पर रही। दंगल को देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक पहुंचे। दर्शकों ने अपने-अपने पहलवानों का तालियां बजाकर हौसला बढ़ाया। दंगल में रेफरी की भूमिका महिपाल, गुलाब ने निभाई व संचालन शीलू महाराज परासन ने किया। वही निर्णायक मंडली में शिव सिंह, अर्जुन, राधाचरण निगम, धर्मेश राजपूत रहे। इस अवसर पर राजकुमार, कुलदीप पाठक, अरविंद, राघवेंद्र, नौतम, रोहित, जनक अन्य कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

बिजली समस्या से जूझ रहे किसान व व्यापारी

घाटमपुर । घाटमपुर के श्रीनगर, नवेड़ी क्षेत्र में दिन में मात्र 30 मिनट से लेकर एक घंटे तक ही बिजली उपलब्ध हो पा रही है। बिजली की अघोषित कटौती से व्यापारी और किसान के साथ साथ आम जनमानस भी परेशान हो रहा है। बिजली की अघोषित कटौती से लोगों के सामान्य दिनचर्या के काम नहीं हो पा रहे हैं। वहीं मात्र एक घंटे बिजली मिलने से लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

(बदस्त आवास फरोक्त के लिए)
समन बजरत इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5, कायदा 1 व 5 मसमूआ जाब्दा दाव नी सन 1907 ई0)
नम्बर मुकदमा– 4646/2025
अन्तर्गत धारा 116 उ0प्र0 राजस्व अधिनियम बाबत् आराजी मौजा दहेली परगमा व तहसील घाटमपुर जनपद कानपुर नगर
बअदालत उपजिलाधिकारी कानपुर नगर
मुकाम जिला कानपुर नगर मुददई
बनाम साकिन मुद्दाअले
चन्द्रशेखर पुत्र रघुनाथ प्रसाद, निवासी– ग्राम दहेली परगना व तहसील घाटमपुर जनपद कानपुर नगर। –प्रार्थी/वादी
बनाम
1. रामदत्त पुत्र रघुनाथ प्रसाद, 2. शिवदत्त पुत्र रघुनाथ प्रसाद, 3. अजय नाबालिग पुत्र रामबाबू द्वारा संरक्षिका माता शिवबती पत्नी रामबाबू, 4. पिन्टू पुत्र रामबाबू, 6. मुकेश कुमार पुत्र शिवलाल, 6. शनि पुत्र शिवलाल, 7. शीलू पुत्र रामबाबू , 8. श्रीबाबू पुत्र घसीटा
9. श्रीमती मुन्नी पत्नी स्व0 शिवलाल, 10. श्रीमती शिवबती पत्नी स्व0 रामबाबू, 11. सर्वेश कुमार पुत्र शिवलाल, 12. सुनील नाबालिग पुत्र रामबाबू द्वारा संरक्षिका माता शिववती पत्नी रामबाबू, निवासीगण ग्राम दहेली परगना व तहसील घाटमपुर जनपद कानपुर नगर।, 13. मुक्ता प्रसाद पुत्र सांवले प्रसाद निवासी सुन्दरपुर मजरा जरसेन तहसील भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात, 14. गाँवसभा दहेली तहसील घाटमपुर जनपद कानपुर नगर द्वारा ग्राम प्रधान वहेली तहसील घाटमपुर जनपव कानपुर नगर
–प्रतिवादीगण
बाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है, लिहाजा आपको हक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 12 ई0 सन् 2025 ई0 बवक्त बमुकाम असलिता या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वार्किफ किया गया हो और कुल उमर अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सकें या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जवाब ऐस सवालात का दे सके हाजिर हो ओर जवाब देरी दावाको कीजिए और आपको लाजिम है कि उस रोज अपने जमला गवाही की जिनकी शहादत पर नीव जुमला दस्तावेजात जिस पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलात कराना चाहते हो उसी रोज पेश किरए।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज कजकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मसमूआ फैसला होगा।
बसक्श्न मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 18 माह 12 सन 2025 ई0 जारी किया गया ।
आज्ञा से
उप जिलाधिकारी
घाटमपुर जनपद कानपुर नगर

प्रदर्शन — उप-निबंधन कार्यालय को परिसर से अन्य जगह बनाये जाने का मामला

बिल्हौर में अधिवक्ताओं का धरना सातवें दिन भी जारी

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार । बिल्हौर तहसील परिसर में संचालित उप-निबंधन कार्यालय (रजिस्ट्रार कार्यालय) के नए भवन को तहसील परिसर से बाहर अन्य स्थान पर बनाए जाने के प्रस्ताव को लेकर अधिवक्ताओं एवं आम जनता में भारी असंतोष व्याप्त है। तहसील परिसर में ही नए भवन के निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ता पिछले एक सप्ताह से शांतिपूर्ण धरने पर बैठे हुए हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है।

गुरुवार को आंदोलनरत वकीलों के समर्थन में अधिवक्ता अनुराग पांडेय, राम प्रकाश गुप्ता, आलोक यादव एवं मुकुध्वज सिंह बिल्हौर पहुंचे और उनके समर्थन में प्रदर्शन किया। इस मौके पर अनुराग पांडेय ने कहा कि उनकी जिलाधिकारी से वार्ता हुई है। जिलाधिकारी द्वारा इस गंभीर जनहित के मुद्दे पर 20 दिसंबर तक समाधान निकालने के लिये समय मांगा गया है। उन्होंने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि प्रशासन जल्द ही इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेगा। वहीं वहां पर मौजूद वकीलों ने

जानकारी दी कि उप-निबंधन कार्यालय के नए भवन के लिए सुभानपुर मुरादनगर क्षेत्र में 0.0610 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है, जिसका अधिवक्ता संगठनों द्वारा विरोध किया जा रहा है। इस अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष बृजेश कटियार, महामंत्री सौरभ कटियार, लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष प्रवीण कटियार एवं महामंत्री राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि तहसील परिसर में पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है। कार्यालय को दूर स्थान पर बनाए जाने से अधिवक्ताओं के साथ-साथ किसानों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामीण जनता को भी अनावश्यक परेशानी, समय और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा।

वहीं इस संबंध में अधिवक्ताओं ने बताया कि उप-जिलाधिकारी संजीव दीक्षित से लेकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तक ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, किंतु अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। प्रशासनिक आश्वासन के बावजूद अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया है कि अंतिम एवं स्पष्ट निर्णय आने तक धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इस दौरान सैकड़ों अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी करते रहे।

धरना देते अधिवक्ता। अमृत विचार

गाली देने से मना करने पर मारपीट की, रिपोर्ट दर्ज

कन्नौज । गालीगलौज करने से रोकने पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना क्षेत्र के गांव गोरखपुर निवासी रामकुमार पुत्र मान सिंह ने थाने में तहरीर देते हुए बताया, 15 दिसंबर की शाम करीब 8:30 बजे वह अपने दरवाजे पर था। तभी गांव के अंशुल पुत्र हरिश्चंद्र शराब के नशे में गालीगलौज करने लगे। पुत्र अर्पित ने गाली देने से मना किया तो लाठी डंडों से उसे मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस पूरे मामले में गांव के सुधीर पुत्र सोनेलाल ने भी गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला पंजीकृत करते हुए जांच प्रारंभ कर दी।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

कानपुर देहात

न्यूज ब्रीफ

विद्युत लाइन खींचते विद्युत कर्मी।

ट्रक की टक्कर से टूटा खंभा, 19 घंटे बाद बहाल हुई आपूर्ति

रसूलाबाद। कस्बे के रसूलाबाद कानपुर रोड पर बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के सामने सड़क पर लगे बिजली के खंभे में ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे कस्बे के लगभग आधा दर्जन मोहल्लों की बिजली आपूर्ति लगभग 19 घंटे बाधित रही। इसके चलते लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा। पानी के लिए हैंड पाइपों का सहारा लेना पड़ा। रसूलाबाद कानपुर रोड पर बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के सामने लगभग मध्य सड़क पर स्थित यह खंभा काफी अरसे पूर्व विभाग के द्वारा हटाया जाना था। किंतु विभाग की उदासीनता के चलते यह खंभा हट नहीं पाया। इस खंभे में ट्रक की टक्कर लग गई। खंभा टूटने से लोहिया नगर, विकास नगर, केशव नगर, शास्त्री नगर, आजाद नगर सहित लगभग आधा दर्जन मोहल्ले के दो हजार उपभोक्ताओं को बिजली न मिलने से परेशानी उठानी पड़ी। बुधवार रात 8 बजे से गई विद्युत आपूर्ति गुरुवार शाम 3 बजे बहाल हो सकी। एसडीओ विद्युत शहादत सलीम ने बताया की रात में किसी ट्रक की टक्कर से विद्युत खंभा टूट कर गिर गया था।

कार की टक्कर से शिक्षक घायल

रसूलाबाद। रसूलाबाद बिसधन रोड पर नैला गांव के समीप कोचिंग पढ़ाकर लौट रहे। बाइक सवार एक शिक्षक को कार सवार ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गए। सीएचसी इलाज के लिए भेजा गया है। जगम्मनपुर धीर निवासी सनी कुमार सन शाइन पब्लिक स्कूल में शिक्षक है। उन्होंने बताया कि वह कोचिंग पढ़ाकर बाइक से घर लौट रहे थे। तभी एक अज्ञात कार सवार ने उसके जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गए तब उन्हें सीएचसी उपचार के लिए ले जाया गया।

मेले में 300 युवाओं को मिला रोजगार

मंगलपुर। बहावलपुर स्थित शकुंतला कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में गुरुवार को जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, लखनऊ, गुरुग्राम सहित विभिन्न राज्यों से करीब 17 नामी कंपनियों ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेले में क्षेत्र के लगभग 750 युवाओं ने पहुंचकर साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। इसमें विभिन्न कंपनियों के द्वारा तीन सौ से अधिक बेरोजगार युवकों का चयन किया गया। कार्यक्रम में सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। निदेशक विवेक कुशवाहा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के रोजगार मेले युवाओं को कॅरियर निर्माण के लिए बेहतर अवसर प्रदान करते है। जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी ने बताया कि रोजगार मेले में आईटीआई, नॉन-आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक एवं गैर-स्नातक अभ्यर्थियों ने भाग लिया। मौसम के कारण प्रतिभागियों की संख्या अपेक्षाकृत कुछ कम रही।

सर्दी बढ़ी, कक्षा 8 तक के स्कूलों में दो दिन का अवकाश

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। कड़ाके की ठंड व कोहरे को देखते हुए जिलाधिकारी कपिल सिंह ने परिषदीय, मान्यता प्राप्त स्कूलों के कक्षा 8 तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित करने के आदेश दिए हैं। इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी ने आदेश जारी किया है। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त सभी बोर्ड के नर्सरी से लेकर 8 तक के विद्यालयों में 19 व 20 दिसंबर को अवकाश रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राजपुर संवाददाता के अनुसार सर्दी अब अपना असर दिखाने लगी है। गुरुवार को पूरे दिन धूप न निकलने से ठंड बढ़ गई है। नगर पंचायत के द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर अलाव न जलने से लोग ठंड में ठिठुरते दिखे। वहीं दुकानदार सड़क किनारे महंगे दामों में लकड़ी खरीदकर अलाव जलाते दिखे। उन्होंने कहा कि दिसम्बर माह में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। इसके बावजूद नगर पंचायत ने अलाव की व्यवस्था नहीं की है। कस्बे के रवि शर्मा, रामू कटियार, गोविंद सिंह, रमाकांत पोरवाल, बाबू जी विश्नोई, रामजी गुप्ता आदि दुकानदारों ने बताया कि सर्दी बढ़ने के बावजूद नगर पंचायत ने अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे मुसाफिरों को भटकना पड़ रहा है।

दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान के बाहर ही ऊंचे दामों में लकड़ी खरीदकर अलाव जलाए और सर्दी से बचाव किया। वहीं रैन बसेरे की व्यवस्थाएं भी दुरुस्त नहीं की गई है। ईओ नीति त्रिपाठी ने बताया कि कस्बे मे अलाव जलाने के 12 स्थान चिह्नित है। इसके अलावा 40 स्थान और भी हैं। जो लिखित नहीं है। सर्दी अचानक बढ़ गई है जिसे देखते हुए चिह्नित स्थानों पर लकड़ी पहुंचाने के लिए निर्देशित किया गया है।

सर्दी से बचने के लिए अलाव तापते लोग। अमृत विचार

मैथा तहसील में सात स्थानों पर जलेंगे अलाव

- **शिवली।** कड़ाके की ठंड को देखते हुए मैथा तहसील में अधिकारियों ने चिह्नित स्थानों पर अलाव जलाने के लिए 50 हजार रुपये का बजट जारी कर दिया है। साथ ही लेखपालों की निगरानी के लिए ड्यूटी भी लगाई गई है। तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि बैरी तिराहा, गहरा चौराहा, शिवली बस अड्डे, मैथा बाजार, बाघपुर, भाऊपुर, मैथा रेलवे स्टेशन के करीब अलाव जलाने के लिए लेखपालों को आदेशित किया गया। दूसरी तरफ एसडीएम राजकुमार पांडेय व तहसीलदार सुनील कुमार ने शिवली नगर पंचायत में खुले रैन बसेरे का गुरुवार की देर शाम निरीक्षण किया। एसडीएम ने यहां पर जिम्मेदार कर्मचारियों को समय से ड्यूटी के निर्देश दिए।

प्रशासन ने अभी तक नहीं जलवाया अलाव

रसूलाबाद। शीत लहरी और कड़ाके की ठंड के चलते गुरुवार को जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। प्रशासन द्वारा अभी तक अलाव जलवाने की कोई व्यवस्था न किए जाने के कारण लोग स्वयं लकड़ी जलाकर ताप रहे हैं। जाड़े के कारण अन्ना गोवंश भी इन अलावों का सहारा ले रहे हैं। शीतलहर के कारण पारा बहुत गिर गया है। कड़ाके की ठंड के चलते बाजारों में शुरू शाम से ही सन्नाटा पसर रहा है। अभी तक प्रशासन द्वारा अलाव जलवाने की व्यवस्था न किए जाने के कारण दुकानदार स्वयं लकड़ी लेकर अलाव जला रहे हैं। मौसम की मार से परेशान अन्ना गोवंश भी इस अलावों का सहारा ले रहे हैं।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, कानपुर नगर।

पत्रांक: C-264/जि0का0अ0/25–26 दिनांक: 18/12/2025

सूचना/विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद के शहरी क्षेत्र में बाल विकास परियोजना शहर प्रथम के कार्यालय हेतु किराये के भवन की आवश्यकता है, जिसका कारपेट ऐरिया 1190 वर्ग फिट होना आवश्यक है, जिसमें 2 कमरे, पोषाहार रखने हेतु 1 गोदाम, बिजली, स्वच्छ पेयजल, बाथरूम की व्यवस्था हो। भवन का कवर्ड ऐरिया का किराया सरकारी दर के अनुसार किया जायेगा। प्रस्ताव जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक 28.12.2025 होगी। विस्तृत जानकारी बाल विकास परियोजना कार्यालय शहर प्रथम 127/620/15 तुलसी विहार केशव नगर कानपुर नगर से प्राप्त कर वही पर आवेदन पत्र जमा किये जा सकते है।

(प्रीति सिन्हा)
जिला कार्यक्रम अधिकारी,
कानपुर नगर।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो लोगों की मौत, एक घायल

पोस्टमार्टम के लिए शवों को भेजने में पुलिस ने की जल्दबाजी, ग्रामीणों ने मुगल रोड किया जाम

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। मूसानगर थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रहे बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। इससे दोनों छिटक कर दूर जा गिरे। बेतहाशा दौड़ता ट्रक दोनों को रौंदते हुए आगे निकल गया। हादसे में दोनों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की जल्दबाजी की तो लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। मुगल रोड पर जाम लगा दिया। करीब आधे घंटे तक वाहनों का आवागमन बाधित रहा। पुलिस ने समझा बुझा कर स्थिति संभाली।

मूसानगर थाना क्षेत्र के फत्तेपुर वार्ड नंबर सात निवासी कमल पुत्र विजय वाल्मीकि अपने पड़ोसी डमरू उर्फ सनी पुत्र मुन्ना एवं डमरू के चचेरे साले घाटमपुर थाना क्षेत्र के घुघुवा गांव निवासी संपत उर्फ राकेश पुत्र भज्जी के साथ बाइक से जुनेदापुर मोड़ से मूसानगर की ओर आ रहे थे। मूसानगर थाना क्षेत्र के विद्युत उपकेंद्र के सामने मुगल रोड पर पीछे से तेज रफ्तार आ रहे सरिया लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर जा गिरे। ट्रक उन्हें रौंदता हुआ चला गया। ट्रक का पहिया चढ़ने से कानपुर नगर जनपद के घाटमपुर थाना क्षेत्र के घुघुवा गांव निवासी संपत उर्फ राकेश (32) एवं फत्तेपुर वार्ड नंबर सात निवासी डमरू उर्फ सनी पुत्र मुन्ना (24) की मौके पर मौत हो गई। हादसे में फत्तेपुर वार्ड नंबर सात निवासी कमल पुत्र विजय वाल्मीकि बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर ग्रामीणों व परिजनों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों ने मुगल रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस द्वारा घायल को उपचार हेतु न भेजने पर लोग खासे आक्रोशित थे। सूचना मिलने पर पहुंचे मूसानगर एसओ कालीचरण कुशवाहा ने मृतकों के शव किनारे कराए। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश की तो हंगामे के आसार खड़े हो गए। इलाके के लोगों के मुताबिक पुलिस ने शवों को जबरन लोडर में डालना चाहा। इससे आक्रोश पनप गया। लोगों के गुस्से के बाद भी पुलिस ने दोनों शवों को लोडर पर लदवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इससे खफा लोग मूसानगर थाने पहुंच गए। ग्रामीणों के साथ परिजनों ने थाने के सामने जाम लगा दिया। पुलिस ने दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने का भरोसा दिया। तब लोग शांत हुए। इस बीच आधे घंटे मुगल रोड जाम रहा। मौके पर पहुंचीं डमरू की बहनें ज्योति, सोनी, मोनी व मां इंद्रा का रो रोकर बुरा हाल था। इसी तरह, राकेश के भाई रमेश की मौत से वह सदमे में था। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम को भेजा।

सड़क पर जाम लगाए लोगों को समझाती पुलिस। अमृत विचार

क्विज स्पर्धा के प्रतिभागियों को किया सम्मानित

रसूलाबाद। ब्लॉक संसाधन केंद्र रसूलाबाद में राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत क्विज प्रतियोगिता गुरुवार को आयोजित की गई। इसमें 110 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार शिव दर्शन सिंह ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीईओ अजब सिंह ने की। कहा इसका लक्ष्य बच्चों में विज्ञान और गणित के प्रति रुचि और रचनात्मकता जगाना है, ताकि वे स्कूल के ज्ञान को वास्तविक जीवन की समस्याओं से जोड़ सकें। सफल छात्र छात्राओं में मित्रसेनपुर कहिंजरी के मयंक, अंता की अनुष्का, मित्रसेनपुर के रिशु सिंह, तिस्ती की लक्ष्मी शुक्ला, तिस्ती के प्रगति, ताजपुर की विद्या, मकरंदपुर के हर्षित, निभू के शिवांश बाबू व सिंहुआभीरा की श्रेया, कुर्सी के रजोल को पुरस्कृत किया। इस मौके पर जसवीर, पारुल निरंजन, सोनू सिंह, नागेंद्र वर्मा, अक्षय, सत्यवीर, शैलेश रामचन्द्र, पूनम चन्देल रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपना नाम LALA MOHAMMAD से बदलकर LAL MOHAMMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-PIR MOHAMMAD ADD-RANI KATRA, VTC:RANIKATRA, PO: RANIKATRA, DIST-BARABANKI-225415 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD HAMEED से बदलकर MO HAMEED रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RASOOL BAKS R-0-AZAD NAGAR, MOHAN DIST-UNNAO-229881(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम NASREEN FATMA से बदलकर NASREEN BEGUM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SHAKEEL AHMAD ADD-A-340/4, KARELI, POST-GBT NAGAR DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211016 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम SOAIB AHMED ANSARI से बदलकर SHAKEEL AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-JAMEEL AHMAD ADD-A-340/4, KARELI, POST-GTB NAGAR DIST-ALLAHABAD PRAYAGRAJ-211016 (U.P.)

सूचना

मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम विधा राम गलत अंकित हो गया है। जबकि सही नाम विद्याराम है। विद्याराम नाम से ही अंकित किया जाए। **विद्याराम पुत्र नत्था ग्राम सिंगरी, पोस्ट हमीरपुर उमर्दा कन्नौज।**

सूचना

आधार कार्ड और सरकारी गैर सरकारी अभिलेखों में मेरा नाम धर्मराज दर्ज है, त्रुटिवश बैंक खाते में मेरा उपनाम धर्मदास दर्ज हो गया है। धर्मराज और धर्मदास यह दोनों मेरा ही नाम है। भविष्य में मुझे धर्मराज के नाम से जाना पहचाना जाय। **धर्मराज पुत्र बच्चाराम ग्राम मधईपुर कुर्मी, खेमा पुरवा, ब्लाक व थाना–परसपुर, तहसील करनैलगंज, जिला गोण्डा।**

सूचना

मैने अपने (माइनर) पुत्री का नाम ARHAMA से बदलकर ARHAMA KHAN रख लिया है। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। D/0-ADIL ADD-152/77 RASSI BATAN MOLVI GANJ, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना

मैने अपने (माइनर) पुत्र ARHAM का नाम बदलकर MOHAMMAD ARHAM KHAN रख लिया है। अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ADIL ADD-152/77 RASSI BATAN MOLVI GANJ, DIST-LUCKNOW (U.P.)

सूचना

पहले मेरा नाम HABEEBA KHANAM था अब मैंने बदलकर अपना नाम HABIBA BEGUM रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O: IQBAL HASAN R/O: 8B/3C/1C, Karamat Ki Chauki, Kareli, PRAYAGRAJ - 211016 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम TUFAIL AHAMAD से बदलकर TUFEL AHAMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MO AFJAL ADD-VILL AND POST-ACHHAICHHA DIST-BARABANKI-225208 (U.P.)

नजदीकी केंद्र पर जाकर कराएं आधार अपडेट

कानपुर देहात। डीएम कपिल सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट में हुई। बैठक में आधार नामांकन, अद्यतन कार्यों की स्थिति, आधार प्रमाणीकरण और डीबीटी योजनाओं के आच्छादन की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की अधिकांश योजनाओं में आधार कार्ड जरूरी है। ऐसे में इसकी अद्यतनता तथा सुलभता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में नए आधार नामांकन, अपडेशन की गति बढ़ाई जाए तथा आधार से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

संचालित योजनाओं की नियमित करें समीक्षा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में गुरुवार को की। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागों की संचालित योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिये। उन्होंने कहा कि संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत प्रगति लाई जाए। जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्यों की समीक्षा की गयी। उन्होंने कार्यदाई संस्थाओं को परियोजनाओं को समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यदाई संस्थाएं निर्धारित समयावधि में मानक व गुणवत्ता का पालन करते हुए कार्यों को पूर्ण कराएं। साथ ही विभाग निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करें। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदाई संस्थाओं व संबंधित विभागों को निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति से संबंधित त्रुटि रहित आकड़ें पोर्टल पर समयान्तर्गत फीड कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जायेगी। बैठक में सीएमओ डा एके सिंह, उपायुक्त मनरेगा गंगाराम, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, उपायुक्त उद्योग मो सउद, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उप निदेशक कृषि हरीशंकर भार्गव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रतिभा सिंह उपस्थित रहे।

निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा करते डीएम कपिल सिंह। अमृत विचार

- **समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने मातहतों को दिए निर्देश**

आस्था

शोभन मंदिर के वार्षिकोत्सव के तहत हुआ आयोजन

रामलीला देखने उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार। क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल शोभन मंदिर के वार्षिकोत्सव में गुरुवार को रामलीला के विख्यात कलाकारों द्वारा धनुषभंग लीला का मंचन किया गया।

राजा जनक के प्रण के अनुरूप सिया स्वयंवर में राजाओं ने प्रतिभाग किया। सभी ने अपने अपने बल को अजमाया लेकिन शिव धनुष किसी से उठना तो बहुत दूर हिला तक नहीं। यह देख जनक ने दरबार में आए महिपालों से कहा कि क्या ये पृथ्वी वीरों से खाली है। इसी बीच गुरु विश्वामित्र का आदेश पाकर श्रीराम धनुष के पास पहुंचे। धनुष को उठाते ही दो भागों में विभाजित हो गया। इधर धनुष के टूटते ही भगवान परशुराम का ध्यान भंग हो गया। वह सीधे जनकपुरी पहुंचे और शिव धनुष के खंड जमीन पर पड़े हुए देख क्रोधित होकर बोले जिसने यह कृत्य किया है वह इस सभा से बाहर हो जाए। अन्यथा सभी लोग दंड के पात्र होंगे। इतना सुन लक्ष्मण ने कहा कि इस धनुष से इतना तुम्हें लगाव क्यों है ऐसे धनुष तो बचपन में मैंने अनगिनत तोड़े हैं। तार्किक संवाद से दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। राम लीला देखने के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी भी पहुंचे। यहां पर कुल्लू बाबा, विनोद मिश्रा, बउवा द्विवेदी, ओमप्रकाश शुक्ला, राजू सविता, प्रदीप तिवारी, रामजी तिवारी, शिवप्रसाद, सोनू पहलवान मौजूद रहे।

रामलीला के मंचन को देखने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

धर्म की स्थापना के लिए अवतरित होते भगवान

संवाददाता,रसूलाबाद

अमृत विचार। अधर्म के बढ़ने और धर्म के क्षीण होने पर भगवान धर्म की स्थापना के लिए पृथ्वी पर अवतरित होते है। यह बात शास्त्री नगर पुरानी गौशाला परिसर में परिसर में हो रही श्रीमद्भागवत कथा में व्यास श्रीकृष्ण पांडेय ने भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं उनकी बाल लीलाओं व पूतना वध प्रसंग को सुनाते हुए कही। उन्होंने बताया कि नंदबाबा तथा यशोदा के चौथे पन में बालक होने का समाचार पाकर समस्त बृजवासी उनके यहां जन्मोत्सव मनाने गए।

राम किशोर स्मारक
जदुवंशपुर MV अजीतमल औरैया उ0प्र0

आवश्यकता है

रामकिशोर स्मारक जदुवंशपुर अजीतमल औरैया AU 60 में पठन पाठन वर्ष हेतु सहायक आचार्य पद हेतु इतिहास, भूगोल, हिन्दी, समाज शास्त्र, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, अंग्रेजी साहित्य व रसायनिक विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, विषयों में यूजीसी (मानकनुसार) में इच्छुक अभ्यर्थी 20.12.2025 तक कालेज कार्यालय में आकर आवेदन कर सकते हैं।

प्रबंधक - गौरव सिंह परिहार
राम किशोर स्मारक
जदुवंशपुर MV अजीतमल औरैया उ0प्र0
मो0: 6068190812,7017530766

कार्यालय नगर पंचायत, कमालगंज जनपद–फर्रुखाबाद।

संख्या: 414/न0पं0क0/2025–26/अ0सं0ह0/कमालगंज दि0 17.12.2025

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकों ने कर निर्धारण पंजिका में नामान्तरण के सम्बन्ध में आवेदन किया है। नगर पालिका अधिनियम–1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत सभी सम्बन्धित को नोटिस निर्गत किये जा चुके है। नामान्तरण पर किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने के 30 दिन के अन्दर प्रमाणित साक्ष्यों सहित अपनी आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में उक्त नामान्तरण कार्यवाही पूर्ण कर दी जायेगी। वाद मियाद किसी को भी आपत्ति दर्ज कराने का हक न होगा।

क्र0 सं0	भ0दु0प्लाट संख्या/ मोहल्ले का नाम	वर्तमान में अंकित नाम/ विक्रेता का नाम	नाम दर्ज होने वाले आवेदक का नाम	प्रस्तुत साक्ष्य
1	प्लाट–नवीन/मो0 शास्त्री नगर–द्वितीय, कमालगंज।	श्रीमती तनवीर पत्नी श्री इजहार अहमद	श्रीमती सलमा पत्नी श्री मुफीद अहमद	रजिस्टर्ड बैनामा
2	गृह सं0–150/मो0 किदवई नगर, कमालगंज।	श्री पन्नालाल पुत्र श्री भजनलाल	श्री संदीप पुत्र श्री वीरेन्द्र	वसीयतनामा
3	दुकान सं0–137, म0सं0 138/1/3 मो0 अशोक नगर कमालगंज।	श्रीमती रामबेटी पत्नी स्व0 रामकृष्ण व रोहिताश कुमार वर्मा व स्वराजवीर व उदयराजवीर पुत्रगण स्व0 रामकृष्ण	श्रीमती नीलम पत्नी मुकेश कुमार व मुकेश कुमार पुत्र श्री महेश चन्द्र एव केशव गुप्ता पुत्र श्री मुकेश कुमार	रजिस्टर्ड बैनामा
4	गृह सं0–282/मो0 गाँधी नगर, कमालगंज।	श्री बाबूराम वर्मा उर्फ बाबूराम पुत्र मंगली प्रसाद	श्री रामवीर पुत्र रामविलास व दीपू नाबा0, व नितेश नाबा0 पुत्रगण संरक्षक हकीकी पिता रामविलास पुत्र बाबूराम वर्मा उर्फ बाबूराम	रजिस्टर्ड बैनामा
5	प्लाट नवीन/मो0 शास्त्री नगर–द्वितीय, कमालगंज।	श्री निवेन्द्रवान पुत्र श्री रामस्वरूप	श्रीमती रामबेटी पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद	रजिस्टर्ड बैनामा

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, कमालगंज,
जनपद–फर्रुखाबाद।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **बैठक :** श्री श्याम परिवार संस्था की ओर से वार्षिक महोत्सव को लेकर बैठक बाल भवन फूलबाग में दोपहर 2 :00 बजे।
- **झंकार :** आर्चीज एजुकेशन सेंटर की ओर से झंकार 2025 का आयोजन लाजपत भवन दोपहर 12 :00 बजे
- **स्थापना :** श्री सत्संग समिति का स्थापना दिवस श्री शक्ति धाम गीतांजलि पैलेस मॉल रोड दोपहर 2 बजे।

सिटी ब्रीफ

ठंड लगने से 10 लोगों की थम गईं सांसें

कानपुर। सर्दी बढ़ने के बाद गुरुवार को कार्डियोलॉजी संस्थान में हार्ट अटैक के लक्षण वाले 60 मरीज भर्ती किए गए। हैलट इमरजेंसी में ब्रेन स्ट्रोक और हेमरेज के 11 मरीज आए। कार्डियोलॉजी में 7 और हैलट में 2 ब्रॉड डेड मरीज आए। कॉर्डियोलॉजी के निदेशक प्रो .राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि सात मरीज इमरजेंसी में ब्रॉड डेड आए थे। उनकी अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। वहीं, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ .आरके सिंह के मुताबिक इमरजेंसी में दो मरीज बॉड ब्रेड आए थे, उनकी अस्पताल पहुंचने से मौत हो चुकी थी। जबकि उर्सला अस्पताल पहुंचने से पहले एक मरीज की मौत ब्रेन स्ट्रोक से हो गई। परिजन मरीज को ब्रॉड डेट लेकर पहुंचे थे।

722 ने छोड़ी परीक्षा

कानपुर। सीएसजेएमयू की सत्र 2025-26 विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में 16,388 परीक्षार्थी उपस्थित रहें। जिसमें 15,117 छात्र एवं 1271 छात्रायें थी। 722 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। जिसमें 683 छात्र एवं 39 छात्रायें थी। विश्वविद्यालय परीक्षा सातों जनपदों में सकुशल एवं सुचारू रूप से सम्पन्न हुई। परीक्षा के लिए पर्यवेक्षक की भी नियुक्ति की गई थी।

बुधवार की रात से ही पड़ने लगा था घना कोहरा। अमृत विचार

गुरुवार को शहर की फिजा में दिन भर छाई रही धुंध। अमृत विचार

ठंड बढ़ी तो निकल आए मफलर और दस्ताने। अमृत विचार

कोहरे और ठंड ने थामी जिंदगी की रफ्तार

इस सीजन में पहली बार दिन भर नहीं निकली धूप, वातावरण में छाई रही धुंध, सर्दी बढ़ने से बाजारों में पड़ा असर, दिन भर पसरा रहा सन्नाटा

मौसम बदला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बुधवार की रात से घने कोहरे ने जिंदगी की रफ्तार थाम सी दी। इस सीजन में पहली बार गुरुवार को सुबह से शाम तक धूप नहीं निकली। शीतलहर से 24 घंटे में शहर का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया। दिन भर वातावरण में धुंध छाई रही। इसका असर हाईवे के यातायात पर साफ दिखा। ठंड बढ़ने के साथ ही दिन भर बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

मौसम का मिजाज बदलने के साथ गुरुवार को दिन भर सर्दी ने लोगों को जकड़े रखा। इस सीजन का गुरुवार को पहला दिन था, जब दिन भर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। कोहरे की धुंध ने बुधवार की रात से ही शहर की फिजा को खामोशी में जकड़ रखा था। गुरुवार सुबह की शुरुआत कोहरे की धुंध के साथ हुई। दिन भर धूप नहीं निकलने की वजह से लोग गर्म कपड़ों में जकड़े रहे। सूर्यदेव ने दिन भर शहरियों को तरसाया।

कोहरे की वजह से दृश्यता भी कम रही, जिसकी वजह से हाईवे पर वाहन चालकों को खासी परेशानी हुई। 30 मीटर की दृश्यता के चलते चालकों को दिन में वाहन की लाइट जलाकर चलना पड़ा।24 घंटे से बदले मौसम के मिजाज ने कड़ाके की ठंड का एहसास कराया। बुजुर्गों के लिए यह ठंड परेशानी का सबब बनी। मौसम विशेषज्ञों ने संभावना जताई है कि फिलहाल रविवार तक मौसम ऐसा ही रहेगा और खास परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। अलबत्ता दिन में 2 बजे के बाद हल्की धूप निकल सकती है, इसके बावजूद सर्दी में कमी होने की संभावना कम है।

24 घंटे के भीतर मौसम में आए अचानक बदलाव की वजह मौसम वैज्ञानिक पश्चिमी विक्षोभ को मान रहे हैं। उनका कहना है कि पहाड़ों में बर्फबारी की वजह से मौसम में तेजी से बदलाव हुआ है। मौसम विभाग ने बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया था, जो गुरुवार को लुढ़ककर 15.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि एक से दो दिन के भीतर तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ एसएन सुनील पाण्डेय ने आने वाले दिनों में बारिश की संभावना से इनकार किया है। उनका कहना है कि मौसम में नमी और सर्दी बरकरार रहेगी।

दिन में बाहर निकलने पर हुआ ठंड का एहसास। अमृत विचार

लकड़ी जलाकर आग का सहारा लेते लोग। अमृत विचार

सर्दी में बच्चों का ख्याल रखना जरूरी है। अमृत विचार

15.3 डिग्री सेल्सियस रहा अधिकतम तापमान

10.6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा न्यूनतम तापमान

- दृश्यता कम होने की वजह से हाईवे पर धीमी गति से चले वाहन

बच्चों-बुजुर्गों की सेहत का रखें ख्याल

- सर्दी बढ़ने के साथ ही बच्चों व बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की जरूरत है। वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. मनमीत सिंह का कहना है कि सर्दी में बच्चों को विटामिन डी की खुराक अवश्य दें, क्योंकि सर्दी में धूप कम होती है। इसके अलावा बच्चों को पौष्टिक आहार देना चाहिए। भोजन में फल, सब्जियां और साबुत अनाज को शामिल करना चाहिए। गर्म पेय पदार्थ में दूध और सूप को शामिल करें। बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इसी तरह बुजुर्गों को गर्म कपड़े खासतौर पर कान और सिर को विशेष रूप से ढक कर रखना चाहिए। गर्म पेय पदार्थ में चाय, कॉफी और सूप को शामिल करना चाहिए। अगर कोई बीमारी है तो नियमित रूप से स्वास्थ्य की जांच करानी चाहिए। बुजुर्गों को पौष्टिक आहार में फल, सब्जियां और साबुत अनाज देना चाहिए।

ऊनी बाजार में आई गर्मी

- सर्दी बढ़ने से गर्म कपड़ों के बाजार में उछाल आ गया है। खासतौर पर स्वेटर, गर्म इनर, मफलर, कैप, सदरी और जैकेट की खरीदारी हुई। घरों में सर्दी से बचने के लिए लोगों ने हीटर और ब्लोवर की खरीदारी की। जीटी रोड स्थित चिक मार्केट में खरीदारों की भीड़ लगी रही। यहां अधिक संख्या में चिक को दुरुस्त कराने के लिए भी लोग पहुंचे।

इंटर तक के सभी स्कूल 2 दिन के लिए बंद

- मौसम विभाग के पूर्वानुमान और चेतावनी को देखते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्कूलों में 19 और 20 दिसंबर को अवकाश घोषित कर दिया है। अवकाश का यह आदेश नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी बोर्ड के स्कूलों में लागू होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं पर यह आदेश लागू नहीं होगा। इस संदर्भ में जिलाधिकारी की ओर से जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा गया है।

घरों में निकल आए ब्लोअर और हीटर

- शहर में मौसम का मिजाज बदलने से स्वेटर और जैकेट बाहर निकल आए हैं। लोग गर्म कपड़े पहनकर घरों से निकले। बहुत जरूरी काम न होने पर महिलाओं व बुजुर्गों ने घरों में ही रहने को प्राथमिकता दी। धूप न निकलने की वजह से लोगों ने छतों का भी रुख नहीं किया। घरों में कैद होने पर बुजुर्ग व बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी। परिवार के सदस्य बच्चों को सर्दी से बचाते रहे। घरों में हीटर व ब्लोवर भी चलने लगे हैं।

शताब्दी निरस्त, देरी से आईं वीआईपी ट्रेनें

- कोहरे का असर ट्रेनों पर भी पड़ा है। कोहरे की वजह से ट्रेनें लेट रहीं। तमाम ट्रेनें 15 से 20 घंटे देरी से सेंट्रल स्टेशन पहुंचीं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कोहरे की वजह से 100 से अधिक ट्रेनें लेट रहीं। नई दिल्ली से कानपुर आने वाली शताब्दी एक्सप्रेस को कैंसिल करना पड़ा। वीआईपी ट्रेनों में शामिल श्रमशक्ति एक्सप्रेस 4 घंटे देरी से आई। इसी तरह दिल्ली से कानपुर आने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस 3 घंटे लेट रही। रेलवे की ओर से चलाई जा रही विशेष टेनों का हाल भी बुरा रहा।
नई दिल्ली से बनारस, नई दिल्ली से कोलकाता सहित अन्य ट्रेनें 15 से 20 घंटे लेट रहीं। रात में चलने वाली बसों का यात्री ठिठुरते हुए इंतजार करते रहे। गोरखपुर से कानपुर, बस्ती, देवरिया, बलिया, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, बनारस, मोदहा व दिल्ली सहित अन्य बसें 10 से 15 घंटे बाद कानपुर पहुंचीं।

फिलहाल अलाव का कहीं भी इंतजाम नहीं

- सर्दी के असर के बीच फिलहाल शहर में कहीं भी अलाव का इंतजाम नजर नहीं आ रहा है। नगर निगम की ओर से चौराहों और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर अभी अलाव का इंतजाम नहीं किया गया है। लोगों ने सर्दी से बचने के लिए खुद ही लकड़ी खरीदकर अलाव का इंतजाम किया।

ईडी के सुपुर्द होगी 1500 करोड़ की ठगी की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। महाठग रवींद्र नाथ सोनी से जुड़ा 1500 करोड़ से अधिक की ठगी का मामला जल्द ईडी के पास जा सकता है। भारत, दुबई व यूएई समेत 10 देशों में 700 से अधिक लोगों से यह ठगी हुई है। मामले में अभिनेता सोनू सूद का ई-मेल से पुलिस को जवाब मिल चुका है, लेकिन रेसलर खली को भेजी गई नोटिस पर जवाब का पुलिस को इंतजार है। वहीं गुरुवार को भी कुछ पीड़ितों की शिकायत पुलिस के सामने आई। जिसमें जांच में पांच को शामिल किया गया है।

परेड निवासी अब्दुल करीम ने 42.29 लाख ठगी का पहला मुकदमा महाठग रवींद्रनाथ के खिलाफ जनवरी 2025 में कोतवाली में दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने 30 नवंबर को महाठग को देहरादून से गिरफ्तार कर एक दिसंबर को जेल भेजा था। एसआईटी से मिली जानकारी के अनुसार दुबई में 2023 में हुए फुटबॉल मैच में कई अभिनेता व अभिनेत्रियां शामिल हुई थी। जिसमें दीपिका पादुकोण, डीनो मोरिया, विवेक ओबरॉय समेत कई अन्य भी हैं। यह आयोजन ब्लूचिप और उसकी सहयोगी कंपनियों की ओर से हुआ था। जांच अधिकारियों के अनुसार जानकारी जुटाने के लिए अन्य अभिनेता व अभिनेत्रियों को नोटिस भेजा जा सकता है। इससे पहले सोनू सूद व रेसलर खली को नोटिस भेजा गया था। जिसमें सोनू सूद का जवाब आ चुका है। जवाब से पुलिस संतुष्ट नहीं है। इस कारण दोबारा नोटिस जारी किया गया है। वहीं कमिश्नरेट पुलिस चार्जशीट तैयार कर रही है। जिसमें पीड़ितों के बयान व उनके साथ ठगी के साक्ष्य को भी शामिल किया गया है।

मामले की जांच में जुटी एसआईटी

- कानपुर कमिश्नरेट पुलिस की एसआईटी दुबई, शारजाह, ओमान, फ्रांस, जापान समेत कई देशों के 700 से अधिक लोगों से हुई ठगी की जांच कर रही है। मुख्य आरोपी दिल्ली के मालवीयनगर निवासी रविंद्रनाथ सोनी को पुलिस ने देहरादून से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसे रिमांड में लेकर पूछताछ की और साक्ष्य भी जुटाए हैं। ब्लूचिप कंपनी के साथ 12 अन्य कंपनियों का पता चला है, जिसने हर माह ढाई से तीन प्रतिशत निवेश का झांसा देकर रकम निवेश कराई। इसके लिए दुबई के एक मॉल में तीन मंजिला कार्यालय खोला गया था। वहीं दुबई में फुटबॉल मैच में पहुंचे अभिनेता व अभिनेत्रियों को बेहतरीन फ्लाइट से बुलाया गया, होटल में ठहराया और दुबई के मॉल में शॉपिंग कराई गई थी। प्रमोशन के लिए एक बड़ी निर्धारित खर्च की गई थी।

गौशालाओं में अलाव, कोट भी पहनाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गौशालाओ में संरक्षित गोवंशों को शीतलहर के प्रकोप से बचाने के लिए नगर निगम ने इंतजाम शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को कान्हा गौशाला किशनपुर, नंदीशाला पनकी, जाजमऊ एवं बकरमण्डी गौशालामें निराश्रित गोवंशों के लिए अलाव जलाने के साथ ही उन्हें काऊ कोट भी पहनाया गया।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर सभी शेडों को तिरपाल से ढका गया, दिन में एवं रात्रि के समय गौशालाओं में जगह-जगह अलाव जलाये जा रहे है, जिससे विशेष रूप से रात्रि में गोवंशो को ठंड से बचाया जा सके। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके निरंजन ने बताया कि गौशालाओं में जलाये जा रहे अलाव में लकड़ी के साथ-साथ गोबर से निर्मित गौ-काष्ठ का भी उपयोग किया जा रहा है। कान्हा गौशाला किशनपुर में गोवंश के बच्चों के लिये अलग 100 बच्चो हेतु काफ शेड का निर्माण किया गया है, जहां बच्चों को अलग से खाद्यान्न, पीने के पानी, अलाव की व्यवस्था की गई है।

गौशाला में गोवंशों के लिए जलाया गया अलाव। अमृत विचार

तीन फर्मों के ड्रग लाइसेंस किए गए निरस्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिरहाना रोड स्थित मां लक्ष्मी फार्मा, मेसर्स अग्रवाल ब्रदर्स और कल्याणपुर के मेसर्स एएस फार्मास्यूटिकल फार्म के लाइसेंस गुरुवार को औषधि विभाग ने निरस्त कर दिए। तीनों फार्मा पर मानक पूरे न करने, अवैध व नशीली दवाओं की खरीद व ब्रिकी का आरोप है। तीनों फार्मा पर विभाग ने एफआरआई भी दर्ज कराई है।

औषधि निरीक्षक ओमपाल के मुताबिक बिरहाना रोड के नील वाली गली स्थित श्री लक्ष्मी फार्मा पर पंजाब की पुलिस ने अक्टूबर माह में नशीली दवाएं बेचने की शिकायत पर कानपुर नगर व देहात के औषधि विभाग के निरीक्षकों के साथ छापेमारी की थी, तब यहां पर पांच लाख रुपये की नकली दवाएं, नकली दवाओं के रैपर, उनके बॉक्स मिले थे, दवाओं के रैपर पर बैच नंबर, एक्सपायरी तिथि व एमआरपी डालने के लिए एक मिनी पोर्टेबल प्रिंटर बरामद हुआ था। इसके अलावा खाली बॉक्स, लेबल भी मिले और 25 लाख रुपये की नकद बरामद हुए थे, जिसकी जानकारी मांगने पर मौके पर मौजूद व्यक्ति जानकारी नहीं दे सके थे।

नवंबर माह में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने खुद औचक निरीक्षण कर बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स फर्म उसके दो गोदामों, मेडिसिना व मसाइको फर्म पर छापा मारा था। जांच के दौरान अग्रवाल ब्रदर्स के संचालक विनोद अग्रवाल और उनके बेटे शिवम अग्रवाल दवाओं की खरीद-बिक्री संबंधी कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाए।

मौसम की मार — मुरारीलाल चेस्ट अस्पताल की ओपीडी में पहुंचे डेढ़ सौ से अधिक मरीज, वायु नली में जलन और सूजन की समस्या

सर्दी से बढ़ी सांस की समस्या, इमरजेंसी वार्ड के बेड फुल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सर्दी के साथ ही लोगों में सांस लेने और उखड़ने की समस्या बढ़ गई है, इसके अलावा पुराने सांस रोगियों को बढ़ती सर्दी की वजह से स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण गुरुवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल की इमरजेंसी के बेड फुल हो गए है और वार्ड के बेड भी लगभग भर गए है।

रावतपुर स्थित मुरारी लाल चेस्ट अस्पताल की ओपीडी में गुरुवार को 150 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचे और 18 मरीज भर्ती किए गए, जिनमे अस्थमा, सीओपीडी, निमोनिया, फेफड़े की समस्या और पुराने टीबी रोगी थे। अस्पताल में डॉ.संजय वर्मा ने बताया कि सर्दी के मौसम में सांस लेने पर फेफड़ों के वायुमार्ग में जलन और सूजन की समस्या रोगियों में देखी जा रही है, जिसकी वजह से हवा का अंदर व बाहर जाना कठिन होने से सांस संबंधित समस्या हो रही है।

ठंडी हवा वायुमार्ग के आसपास की मांसपेशियों को सिकोड़ने का काम करती है, जिसकी वजह से अस्थमा का दौरा पड़ने या सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। ठंड के कारण खांसी व जुकाम के साथ बलगम ज्यादा बनने से भी वायुमार्ग बंद होने से सांस संबंधित समस्या हो सकती है। वहीं, सर्दियों में धूल और फफूंद जैसे एलर्जी पैदा करने वाले तत्व हवा में बढ़ जाते हैं और वायु प्रदूषण भी सांस की समस्याओं को ट्रिगर करते है। ठंडी हवा के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। बताया कि यदि सांस लेने में लगातार दिक्कत हो, होंठ या उंगलियां नीली पड़ें, सीने में दर्द हो या बात करने या चलने में कठिनाई हो तो बिना लापरवाही के तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा अस्थमा या सीओपीडी के मरीज सर्दियों में अपनी दवाओं और उपचार योजना के लिए डॉक्टर से सलाह लें। अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

इन उपायों से करें बचाव

- सर्दी में हमेशा गर्म और आरामदायक कपड़े पहनें।
- ठंडी हवा से बचने के लिए मुंह और नाक को ढकें।
- घर के अंदर की हवा साफ रखें ताकि एलर्जी पैदा करने वाले तत्व न बढ़ें।
- खांसी, जुकाम व नाक बंद होने पर भाप लें।
- प्राणायाम (अनुलोम-विलोम) और होंठ सिकोड़कर सांस लें ।
- अगर सांस लेने में ज्यादा दिक्कत हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें ।
- डॉक्टर की सलाह पर ही इनहेलर का प्रयोग करें।
- हीटर का प्रयोग सावधानी से करें, ताकि हवा ज्यादा शुष्क न हो।

मुरारीलाल चेस्ट हॉस्पिटल में भर्ती हुए मरीज। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

सूने पड़े घर से चोरों ने किया माल पार

कल्याणपुर। बेटे से मिलने लखनऊ गई महिला के बंद घर से चोरों ने लाखों का माल पार कर दिया। माधवपुरम आईआईटी सोसाइटी की भानुमति मिश्रा का बेटा अभिषेक परिवार के साथ लखनऊ के जानकीपुरम में रहता है। 12 दिसंबर को भानुमति अपने बेटे से मिलने के लिए लखनऊ गई थी। इस दौरान में गेट का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए चोर लाखों रुपए के गहने व नकदी पार कर ले गए। 15 दिसंबर को पड़ोसी ने फोन कर उन्हें घर में चोरी हो जाने की जानकारी दी। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

नौवीं के छात्र ने फांसी लगाकर दे दी जान

कल्याणपुर। कल्याणपुर में नौवीं के छात्र ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच-पड़ताल कर परिजनों से पूछताछ की। झंडा बाबा मंदिर दुबियाना मोहल्ला आईआईटी निवासी संजय विश्वकर्मा प्राइवेट कर्मी है। उनका 16 वर्षीय बेटा कृष्णा जवाहरलाल इंटर कॉलेज से नौवीं का छात्र था। गुरुवार शाम कृष्णा ने धोती के सहारे छत की धन्नी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई निकेश ने शव फंदे से लटका देखकर इसकी जानकारी पिता संजय व पुलिस को दी। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि आत्महत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

तमंचे संग फोटो डालने वाला युवक गिरफ्तार

कानपुर। पुलिस ने तमंचा व कारतूस लेकर फोटो वायरल करने वाले को गिरफ्तार किया है। उसने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अपनी फोटो वायरल की थी। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजा है। चकेरी के कार्यवाहक थाना प्रभारी रिजवान खान ने बताया कि कुछ दिनों पहले इंस्टाग्राम पर एक युवक की चार अलग-अलग फोटो वायरल हुई थी, जिसमें युवक तमंचा लेकर फिल्मी अंदाज में खड़ा था। फोटो वायरल होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी। बुधवार देर रात पुलिस ने युवक को जगईपुरवा के आगे कैट जाने वाली पुलिया के पास से पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम लाल बंगला कालीबाडी निवासी शिवम सोनकर बताया। आरोपी के पास से पुलिस को एक तमंचा व कारतूस मिला। कार्यवाहक थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी वर्चस्व बनाने को लेकर कट्टा लेकर घूमता है।

स्ट्रेचर पर कोर्ट पहुंचा दहेज का आरोपी

कानपुर। चलने में लाचार दहेज का आरोपी युवक स्ट्रेचर पर कोर्ट पहुंचा। उसकी हालत देखकर कोर्ट ने जमानत दे दी। अधिवक्ता विनोद पाल ने बताया कि बर्रा निवासी युवक की शादी 2018 में चकेरी की युवती से हुई थी। एक सप्ताह बाद युवती पति को छोड़ मायके चली गई, जिसके बाद वापस नहीं आई। पत्नी ने कुछ समय बाद पति के खिलाफ अमानत में खयानत व दहेज प्रथा का मुकदमा किया। आरोप लगाया कि दहेज में दिए रुपये समेत करीब 30 लाख का सामान हड़पा है। मामला न्यायिक मजिस्ट्रेट-9 की कोर्ट में है। अधिवक्ता ने बताया कि युवक को 2020 में ब्रेन हेमरेज हुआ था। उसका लखनऊ पीजीआई में इलाज चल रहा है। चलने में लाचार है। यहीं कारण है कि कोर्ट में पेश नहीं हो पाया। मेडिकल रिपोर्ट को महिला पक्ष के झूठा बताने पर कोर्ट ने गैर जमानतीय वारंट जारी किया। पुलिस कुर्की का नोटिस चस्पा करने पहुंची तो गुरुवार को परिवार के लोग स्ट्रेचर पर लेकर कोर्ट पहुंचे।

अब कोई भी 'सुक्खीलाल' नहीं चूस पाएगा गरीबों का खून

शैलेश अवस्थी, कानपुर

- साहूकारी अधिनियम पूरी तरह निष्प्रभावी, न नए लाइसेंस जारी किए जा रहे और न ही नवीनीकरण
- अब बैंकों के साथ अनेक वित्तीय संस्थान सोना और गहने गिरवी रखकर उपलब्ध करा रहे हैं ऋण

अमृत विचार। कोई 68 साल पहले एक सुपरहिट फिल्म आई थी 'मदर इंडिया' जिसमें कर्ज न अदा कर पाने पर साहूकार सुक्खीलाल गांव के गरीब परिवारों पर जमकर अत्याचार करता था। ऐसी सच्ची कथाओं से निजात दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश साहूकारी अधिनियम 1976 को निप्रभावी कर दिया गया है। इसके तहत न तो अब नए लाइसेंस ज़ारी किए जा रहे हैं और न ही इनका नवीनीकरण किया जा रहा है। मतलब साफ है कि अब सुनार गिरवी-गांठ का काम नहीं कर सकेंगे।

साहूकारी अधिनियम के तहत सरकार जरूरतमंदों को कर्ज उपलब्ध कराने के लिए निजी फर्म या व्यक्ति को लाइसेंस जारी करती थी, जिसका हर वर्ष नवीनीकरण करवाना होता था। लाइसेंस जिलाधिकारी जारी करते थे और विवादों का निपटरा भी इसी स्तर पर होता था। लेकिन साहूकारी की इस व्यवस्था की आड़ में शोषण शुरू हो गया। अक्सर लोगों की कई पीढ़ियां गुजर जाती थीं, कर्ज चुकाने में। साहूकार 8.5 से 14 प्रतिशत ब्याज के बजाय 18 से 36 और 42 प्रतिशत तक ब्याज वसूलने लगे।

कर्ज की अदायगी न होने पर सोना-गहना या रहन रखी गई वस्तु दबंग साहूकार जब्त कर लेते थे। गांवों में बड़े पैमाने पर शोषण की शिकायतें थीं। मारपीट, अत्याचार और बर्बरता की तमाम मिसालें सामने आती रहती थीं। हालांकि कुछ नियमों के साथ शोषण रोकने के लिए कानून बना, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं हुआ। इसे देखते हुए शासन स्तर पर यह अधिनियम खत्म करने पर सहमति बनी। अब यह अधिनियम पूरी तरह निप्रभावी हो गया है। लाइसेंस और नवीनीकरण बिल्कुल बंद है। यह अलग बात है कि ऑफ द रिकार्ड साहूकारी का काम अभी भी तमाम सुनार कर रहे हैं,पर इसकी कोई कानूनी मान्यता नहीं है।

सराफा कारोबारियों ने मांगा कर्ज देने का लाइसेंस

उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद जैन के नेतृत्व में प्रदेश के वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है कि नियमों और शर्तों के साथ कर्ज देने का लाइसेंस सराफा कारोबारियों को दिया जाए। इससे सरकार को राजस्व मिलेगा और जरूरतमंद को तत्काल कैश ऋण उपलब्ध हो जाएगा। हालांकि इस पर वित्त मंत्री ने सिर्फ आश्वासन दिया है, अभी तक कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला सराफा कारोबारी राजेंद्र शुक्ला ने राज्य सरकार से प्रस्ताव पर पुनर्विचार की मांग की है।

मूंछ के बाल पर भी आधी रात में मिल जाता था कर्ज

- उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र बताते हैं कि एक जमाने में नैतिकता और ईमानदारी इस कदर थी कि साहूकार मूंछ का बाल भी गिरवी रखकर कर्ज दे देते थे। इस अधिनियम का फायदा यह था कि जरूरतमंद को आधी रात को भी तत्काल नकद कर्ज मिल जाता था। बैंकों और वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेने में अक्सर चक्कर, फाइल तैयार करने की फीस और अन्य औपचारिकता में काफी समय लग जाता है। समय पर ब्याज चुकाने में बहुत दिक्कत होती है। डिफाल्टर होने पर कुर्की और गहना तक जब्त हो सकता है।

अब सारा काम बैकों और वित्तीय संस्थाओं के पास

- अब सरकारी, गैर सरकारी और वित्तीय संस्थान सोना और चांदी के गहने को गिरवी रखकर 8.5 से 21 प्रतिशत ब्याज पर कर्ज मुहैया करा रहे हैं। इसके लिए योग्य कर्मचारी सोने या अन्य वस्तुओं की परख और मूल्यांकन कर रिपोर्ट मैनेजर को देते हैं, फिर नियम-शर्तों के साथ तय अवधि के लिए ऋण दिया जाता है। इसमें विश्वासनीयता और कानून का दायरा भी है।

कारोबारी ने 7 माह में निवेश की थी पूरी रकम, मुनाफे की रकम मांगने पर शातिरों ने दी धमकी

हनीट्रैप में फंसे कारोबारी से 2.50 करोड़ रुपये की ठगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पहले महिला ने फेसबुक पर भेजी रिक्वेस्ट, फिर व्हाट्सएप के जरिए बेवसाइट से जोड़ा

अमृत विचार। चकेरी में साइबर शातिरों ने कारोबारी को हनीट्रैप में फंसाकर ऑनलाइन 2.50 करोड़ ठग लिए। महिला ने कारोबारी को फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। इसके बाद निवेश और मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। कारोबारी को विश्वास में लेकर व्हाट्सएप के माध्यम से बेवसाइट से जोड़ा। फिर निवेश की रकम हड़प ली। कारोबारी ने जब मुनाफा मांगा तो शातिरों ने पीड़ित सहित उसके परिवार की फोटो एडिट कर बदनाम करने की धमकी दी। कारोबारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सफीपुर प्रथम निवासी राहुल केसरवानी का आभूषण का बॉक्स बनाने का कारोबार है। कारोबारी के अनुसार बीती मई माह में उनके पास एक महिला की फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। उन्होंने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट की, इसके बाद उनसे व्हाट्सएप नंबर मांगा गया। फिर व्हाट्सएप के माध्यम से निवेश के लिए एक वेबसाइट में जोड़ा गया। उन्हें मैसेज कर निवेश के होने वाले मुनाफे के बारे में बताया गया। कई लोगों के उदाहरण दिए गए, जिन्हें बड़ा लाभ हुआ।

विश्वास में लेकर यूपीआई, नेफ्ट, आरटीजीएस समेत अन्य माध्यम से करीब ढाई करोड़ रुपये ठगों ने खाते में जमा कराया। कारोबारी के अनुसार 14 जून से नौ दिसंबर के बीच में उनसे यह सभी रकम जमा कराई गई। राहुल केसरवानी के अनुसार उन्होंने रकम अपनी जमा पूंजी और परिचितों व रिश्तेदारों से उधार लेकर जमा की थी। उधार ली रकम लोग मांगने भी लगे थे और निवेश को काफी समय भी बीत गया था। इसलिए उन्होंने अपनी रकम व मुनाफा मांगा तो शातिरों ने धमकाना शुरू कर दिया। उनकी व परिवार की एआई से फोटो एडिट कर बदनाम करने की धमकी दी। इस पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ और चकेरी थाने में शिकायत की। लेकिन सुनवाई न होने पर उन्होंने पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल से गुहार लगाई। उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। उनके आदेश पर चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

लखनऊ के युवक ने हड़पे 10 लाख रुपये

- **कानपुर।** बाबूपुरवा के बेगमपुरवा निवासी मोहम्मद जावेद ने लखनऊ के रहने वाले परिचित युवक पर 10 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहम्मद जावेद के अनुसार आरोपी इंतजार अली लखनऊ के राजाजीपुरम में रहता है। पहले वह बाबूपुरवा में ही रहता था। उसने भरोसे में लेकर जरूरत बताई और रुपये लिए। काफी समय बीतने पर न रुपये लौटाए और न ही फोन का जवाब दिया। जावेद का आरोप है कि इस बारे में उन्होंने 16 नवंबर को बाबूपुरवा थाने में शिकायत की थी, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने 18 नवंबर को पुलिस कमिश्नर को प्रार्थना पत्र दिया और आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। फिर भी कार्रवाई नहीं हुई। फिर उसने डीसीपी साउथ से गुहार लगाई तब जाकर रिपोर्ट दर्ज हुई। थाना प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि जांच की जा रही है।

सर्जिकल व्यापारी के 2.77 लाख हड़पे

कानपुर। नौबस्ता में सर्जिकल व्यापारी से चार लोगों ने 2.77 लाख रुपये हड़प लिए। मांगने पर धमकी दी। इस पर पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। शंकराचार्यनगर निवासी गौरव भट्ट के अनुसार उनका सर्जिकल आइटम का कारोबार है। उनका लंबे समय से मेरिल कंपनी से व्यापारिक संबंध है। जिसके चलते ही पूंजी फंसाई। मेरिल कंपनी के एजेंट संदीप कुमार श्रीवास्तव से उनकी मुलाकात भी पुरानी है। वह पूजा मेडिकल एजेंसी, अयोध्या का प्रोपराइटर है। गौरव का आरोप है कि उन्होंने विश्वास में आकर सर्जिकल सामान उधार पर देना शुरू कर दिया था। संदीप से उनका व्यापार बढ़ा और लगभग 2.81 लाख रुपये का माल उधार दे दिया। इसके बाद संदीप ने केवल चार हजार रुपये दिए। 2.77 लाख रुपये अब भी बकाया है। जब उन्होंने बकाया मांगा तो संदीप ने फोन कॉल उठाना और करना बंद कर दिया। मैसेज के माध्यम से गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि तीन अज्ञात साथियों के साथ मिलकर मारपीट करने का भी प्रयास किया। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपों की जांच की जांच की जा रही है।

पति खाना लेकर लौटा तो लटका था पत्नी का शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पत्नी और बेटा कमरे में थे, बाहर से बंद मिला दरवाजा
- पति ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का शक जताया

शिवानी।

अमृत विचार। नवाबगंज में संदिग्ध हालात में महिला का शव फंदे पर लटका मिला। पति का आरोप है कि पत्नी व बेटा कमरे में थे और दरवाजे पर बाहर से कुंडी लगी मिली। ऐसा कैसे हो सकता है, जबकि वह दरवाजा खोलकर गए थे। पति का आरोप है कि गांव का एक युवक पत्नी को परेशान कर रहा था। उसी पर हत्या का शक जताते हुए पुलिस से शिकायत की है।

दुर्गापुरवा निवासी सोनेलाल निषाद खेती-किसानी करते हैं। परिवार में बेटा देव और 24 वर्षीय पत्नी शिवानी थी। सोनेलाल के अनुसार गांव में ही रहने वाली उनकी ताई सियादुलारी की बुधवार को तेरहवीं थी, जिससे वह दिन भर काम में व्यस्त थे।

देर शाम अंधेरा होने पर वह पत्नी और बच्चे के साथ कमरे में बैठे थे, तभी शिवानी ने ताऊ के यहां से खाना लाने को कहा। जिस पर वह चले गए। खाना लेकर लौटे तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। खोलकर अंदर पहुंचे तो पत्नी का शव फंदे से लटका था, नीचे जमीन पर बैठा बेटा रो रहा था।

सोनेलाल के अनुसार उनका पत्नी से कोई विवाद नहीं हुआ और न ही कोई समस्या थी। ऐसे में पत्नी आत्महत्या क्यों करेगी। वह दरवाजा खोलकर गए थे, जबकि लौटने पर उन्हें बाहर से कुंडी लगी मिली। पति ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का संदेह जताया है।

सोनेलाल के अनुसार आरोपी युवक उसकी पत्नी को अपने साथ ले गया था और ढाई माह तक उसे शुक्लागंज में किराए पर कमरा लेकर रखा था। बेटे के मोह में पत्नी लौट आई थी, जिस पर युवक ने धमकी दी थी। सीनेलाल ने अपने संदेह के आधार पर पुलिस को पूरी जानकारी दी है। युवक बुधवार को दिन भर गांव में ही था।

नौकरी की तलाश में निकले लोडर चालक का मिला शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लोन का चुकता नहीं होने से लोडर खिंचने के तनाव में था युवक
- घर के पास ही पशुबाड़े में फंदे पर लटका मिला शव

अमृत विचार। पनकी में रिज्यूम लेकर नौकरी की तलाश में निकले युवक ने पशुबाड़े में लटक कर आत्महत्या कर ली। फंदे से शव लटका देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई। किस्त जमा नहीं होने पर युवक की लोडर खिंच गई थी। कमाई का जरिया बंद होने से तनाव में रह रहा था। वहीं कल्याणपुर में महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

सुंदरनगर निवासी 32 वर्षीय सुमित सिंह लोडर चालक था। परिवार में पत्नी सपना, दो वर्षीय बेटा व बेटी इश्किा है। पिता शिव बहादुर सिंह ने बताया कि सुमित अपनी लोडर चलाता था, लेकिन समय से किस्त जमा नहीं हो पाने के कारण कंपनी के लोग लोडर खींच ले गए थे। इस कारण करीब दो माह से वह बेरोजगार चल रहा था। कमाई का जरिया बंद होने से वह तनाव में था। खर्चों में दिक्कत आ रही थी। इधर कई दिनों से सुमित नौकरी की तलाश कर रहा था। गुरुवार सुबह वह रिज्यूम लेकर घर से निकला था, लेकिन कहीं गया नहीं। पिता के अनुसार घर के समीप ही उनका खाली प्लाट है, जहां उनके मवेशी बंधते हैं। वहीं सुमित का शव फंदे से लटका मिला। प्लाट पर पहुंचे परिजनों ने उसका शव फंदे से लटका देख चींख पड़े। पड़ोसियों की खबर पाकर पुलिस ने जांच की।

बारासिरोही में महिला ने फंदा लगा की खुदकुशी

- **कल्याणपुर** थाना क्षेत्र के बारासिरोही निवासी अंकित दुबे की 31 वर्षीय पत्नी ज्योति ने फांसी लगाकर जान दे दी। ज्योति के पित प्रापर्टी डीलर का काम करते हैं और दो बेटे उत्कर्ष व हर्ष है। जेठ पंकज ने बताया कि सुबह उनका भतीजा हर्ष उनके पास आया और स्कूल छोड़ने की बात कहने लगा। इस पर वह घर पहुंचे तो ज्योति के फंदे पर लटके होने की जानकारी हुई। पंकज के अनुसार छोटे भाई की शादी को 11 साल हुए हैं। किसी तरह का कोई तनाव नहीं था, ऐसे में उसने यह कदम क्यों उठाया। इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

पीटने के बाद मांग रहे 20 हजार रंगदारी

कानपुर। बाबूपुरवा में मारपीट व रंगदारी मांगने पर आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अजीतगंज निवासी मो. इकबाल के अनुसार बगाही के चिड़ीमार मोहल्ले में उनकी परचून की दुकान है। करीब 3 माह पहले दुकान खोली है। तभी से इलाके के प्रमोद गौतम उर्फ मामा और यशू दिवाकर अपने 6-7 साथियों के साथ 20 हजार रुपये की रंगदारी मांग रहे हैं। रंगदारी न देने पर आरोपी गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देते हैं। 13 दिसंबर को आरोपी साथियों के साथ दुकान आए और 15 वर्षीय बेटे मो. अरबाज को दुकान से खींचकर पीटा। इस बीच लोगों के जुटने पर रंगदारी न देने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। इससे पहले भी 8 दिसंबर को दुकान पर आकर रंगदारी मांगी थी और मना करने पर मारपीट की थी। थाना प्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

70 कैमरे खंगालने के बाद हत्थे चढ़े चार शातिर लुटेरे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

02 घंटे शिक्षक को घुमाया, पीटने के बाद कार से धकेला

- शौक के लिए करते थे लूटपाट तीन नाबालिग शामिल

पुलिस ने पूरे रूट के कैमरों को खंगाला

- एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस ने शिक्षक के बताए रूट पर करीब 70 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। इस तरह कड़ियां जोड़ते हुए टीम शातिरों तक पहुंची। सीसीटीवी में दिखे विवेक को पकड़ने के बाद गुत्थी सुलझी। वह सवारी बनकर ऑटो में लोगों को बैठाकर लूट करता था। कार भी इसी की है।

अमृत विचार। काकादेव में शिक्षक को लिफ्ट देकर लूटने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने दबोच लिया। तीन नाबालिग हैं। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने बताया नशा व शौक के लिए आरोपी लूट करते हैं। शिक्षक को कार में बैठाकर दो घंटे तक सड़कों पर घुमाया। रुपये, मोबाइल और क्रेडिट-डेबिट कार्ड लूटने के बाद परिजनों को कॉल कर रुपये मंगवाने को कहा। विरोध पर रॉड से पीटा। घायल अवस्था में दादानगर में कार से धकेल गए थे।

मूलरूप से लखनऊ के निगोहा निवासी राजकुमार भारती शिक्षक हैं। उनकी तैनाती फर्रुखाबाद के बबना स्थित महिला शास्त्री इंटर कालेज में है। दो दिन छुट्टी के बाद 15 दिसंबर को निगोहा से झकरकटी और रावतपुर पहुंचे, जहां फर्रुखाबाद के लिए साधन के इंतजार में खड़े थे, तभी कार सवार चारों आरोपियों ने फर्रुखाबाद जाने की बात कह लिफ्ट दी थी। आरोप है कि कार में आरोपियों ने मारपीट की और दो हजार रुपये, मोबाइल, डेबिट-क्रेडिट लूट लिया। परिजनों से ऑनलाइन रुपये मंगाने को कहा। यूपीआई का पिन मांगा। विरोध पर रॉड से पीटा। करीब दो घंटे तक शहर की सड़कों पर घुमाने के बाद कुछ न मिलने के संदेह पर आरोपी दादानगर में सूनसान रास्ते पर उसे कार से धकेल कर भाग निकले थे। जिसके बाद उसने गोविंदनगर थाने जाकर शिकायत की। काकादेव की घटना बताकर पुलिस ने वहां भेजा था। थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर लुटेरों की तलाश शुरू की। क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम की मदद ली। विजयनगर टीनशेड कालोनी निवासी विवेक और उसके तीन नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया। लूट में इस्तेमाल कार, शिक्षक का मोबाइल व कार्ड बरामद किया।

कानपुर देहात था ठिकाना | पहले वीडियो देखने की बात कहकर धमकाते, फिर डीसीपी क्राइम से बात करने का दबाव डालते

पोर्न वीडियो के बहाने ठगने वाले पांच शातिर हत्थे चढ़े

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पुलिस के हाथ लगे पांचों साइबर क्रिमिनल। अमृत विचार

अमृत विचार। पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने पोर्न वीडियो देखने के नाम पर ठगने वाले गिरोह का खुलासा किया है। शातिर फोन करके लोगों को डराते थे कि मैं क्राइम ब्रांच टीम से बात कर रहा हूं। इसके बाद मोटी रकम ट्रांसफर कराते। पुलिस ने पांच शातिरों को गिरफ्तार कर मोबाइल, डेबिट कार्ड, बाइक व डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। शातिर पुलिस अधिकारियों की गश्ती की भी जानकारी रखते थे।

डीसीपी क्राइम अतुल श्रीवास्तव ने खुलासा करते हुए बताया कि श्रावस्ती के रहने वाले प्रमोद कुमार के पास एक माह पहले फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को साइबर क्राइम टीम का अधिकारी बताते हुए कहा कि तुम्हारे गूगल क्रोम की हिस्ट्री से पता चला है कि तुम बहुत पोर्न वीडियो देखते हो। उसकी घबराहट का फायदा उठाकर शातिर ने कहा कि तुम्हारे घर पुलिस आ रही है। इस पर प्रमोद ने माफी मांगी, कहा कि ऐसा अब नहीं होगा।

इस पर फोन करने वाला बोला कि डीसीपी क्राइम बात करेंगे। तभी दूसरी आवाज आई और डीसीपी क्राइम बने युवक ने उसे जेल भेजने की धमकी दी। फिर यूपीआई के जरिए 46 हजार ठग लिए। कुछ दिनों बाद उसने अपने परिचित को घटना बताई तो उसने ठगी की बात कही। जिसके बाद प्रमोद ने कानपुर साइबर क्राइम टीम से संपर्क किया। पुलिस ने 17 दिसंबर को प्रमोद की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की और जांच शुरू की। डीसीपी क्राइम ने बताया कि पोर्न वीडियो देखने के नाम पर ठगी की सात मामले सामने आए। इसमें खास यह था कि ठगों की भाषा कानपुर से मेल खाती थी। साइबर क्राइम टीम ने कानपुर देहात के गजनेर मन्नहापुर निवासी दो भाइयों सुरेश, दिनेश व दुर्गापुरवा नारायणपुर का पंकज सिंह और बर्रा दो निवासी अमन विश्वकर्मा, विनय सोनकर को गिरफ्तार किया। डीसीपी क्राइम ने बताया कि शातिर कानपुर देहात के जंगल और खेतों पर अपना डेरा बनाए थे।

डराने के लिए बजाते पुलिस का सायरन

- डीसीपी क्राइम ने बताया कि शातिर अधिकारी बताकर खेत में बैठे दूसरे साथी से बात कराते। तभी साथी मोबाइल में डाउनलोड पुलिस सायरन बजाता। पीड़ित को लगता कि पुलिस घर आ रही है। इसके बाद रकम की डिमांड होती और पीड़ितों से क्यूआर कोड, यूपीआई आईडी, ऑनलाइन रुपये ट्रांसफर कराते। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों में पंकज ही बीए तक पढ़ा है। अन्य सात व 8वीं तक ही पढ़े हैं। शातिरों ने अब तक कितने लोगों से ठगी की है, इसका पता लगाया जा रहा है। खातों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया आरोपी पुलिस अधिकारियों की तैनाती जानने के लिए अखबार और सोशल मीडिया पर जारी पुलिस गश्ती पढ़ते थे। फरार साथियों की तलाश जारी है।

कुशाग्र हत्याकांड में बी वारंट जारी

कानपुर। कुशाग्र हत्याकांड में गुरुवार को एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में जियो और एयरटेल मोबाइल कंपनी के नोडल अफसर पेश नहीं हुए, जिस पर कोर्ट ने 20 हजार का बी वारंट जारी किया। दोनों कंपनी के नोडल अफसरों को शुक्रवार को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया गया है।

30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के हाईस्कूल छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला, और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि जियो और एयरटेल कंपनी के नोडल अधिकारियों को आना था। वह नहीं आए है।

सड़क हादसों में घायल सिपाही समेत 2 की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किदवई नगर में बाइकों की भिड़ंत में घायल हुआ था सिपाही
- सचेंडी में तेज रफ्तार कार की टक्कर से घायल हुआ था युवक

अमृत विचार। किदवईनगर में बाइकों की भिड़ंत में घायल सिपाही की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिपाही पुलिस लाइन में तैनात था। वहीं सचेंडी में कार की टक्कर से घायल युवक की हैलट में इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजा।

मूलरूप से प्रयागराज के सहसो निवासी 40 वर्षीय अंकित त्रिपाठी सिपाही था और मौजूदा समय में उसकी तैनाती कानपुर पुलिस लाइन में थी। अंकित का जूही लाल कालोनी में भी आवास है। जहां वह पत्नी प्रिया व बेटा पार्थ के साथ रहते थे। परिजनों ने बताया कि बीते सप्ताह वह बाइक से निकले थे, तभी घर के पास ही सामने से आ रही बाइक से भिड़ंत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल अंकित को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार देर रात उसकी मौत हो गई।

वहीं सचेंडी में कार की टक्कर से घायल 35 वर्षीय सुमित कुमार की हैलट में इलाज के दौरान मौत हो गई। गोविंदनगर के गुजैनी निवासी सुमित बाइक से काम के सिलसिले में सचेंडी गया था। वहां किसाननगर में बुधवार रात घने कोहरे के कारण तेज गति कार ने टक्कर मार दी थी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने उसे हैलट में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

नलकूप कार्यालय का निरीक्षण करते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह।

गैरहाजिर 7 कार्मिकों का कटेगा वेतन

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने गोविंद नगर स्थित नलकूप खंड प्रथम कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय में सात कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने सभी का एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए। साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया। अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों में भुवनेंद्र कुमार, मोहम्मद मोइन, सुनीता शुक्ला, प्रियंका देवी, योगेंद्र कुमार, रेशम देवी तथा विकास साहू शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान भुवनेंद्र कुमार की ड्यूटी बीएलओ के रूप में दर्शाई गई थी, किंतु जिलाधिकारी द्वारा मोबाइल पर संपर्क किए जाने पर यह तथ्य सामने आया कि वे अपराह्न 1:30 बजे तक घर पर ही थे और उस समय तक बीएलओ संबंधी कोई कार्य नहीं किया गया था। जिलाधिकारी ने कार्यालय का मूवमेंट रजिस्टर मांगा, जो मौके पर उपलब्ध नहीं कराया जा सका। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि मूवमेंट रजिस्टर में विधिवत अंकन किए बिना कोई भी कर्मचारी कार्यालय न छोड़े। उन्होंने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के भी स्पष्ट निर्देश दिए। कार्यालय में व्याप्त अव्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने नलकूप खंड-एक के अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण तलब किया।

अपने-अपने राम पर प्रस्तुति देंगे डॉ.कुमार विश्वास

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समिति द्वारा 26, 27 व 28 दिसंबर को तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमे कवि व लेखक डॉ.कुमार विश्वास अपने-अपने राम की प्रस्तुति देंगे। समिति के मुताबिक में इस तरह का अद्भुत व भव्य आयोजन पहली बार हो रहा है, जिसको लेकर लोगों में काफी उत्साह व जिज्ञासा है। कार्यक्रम में प्रमुख कम्पनियां पान बहार, सोना चांदी ज्वेलर्स, मयूर, पालोमा, एसएनके, गोल्डी उद्योग समूह, घड़ी डिटर्जेंट, पैशन ग्रुप, रिमझिम इस्पात व बावर्ची अपना योगदान देंगे। अपने-अपने राम की प्रस्तुति 26 से 28 दिसंबर तक आयोजित की गई है।

डॉ.कुमार विश्वास।

ग्रेटर कानपुर योजना मंजूर, विकास को लगेंगे पंख

केडीए बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव पर लगी मुहर, मकसूदाबाद में 300 एकड़ और पनकी में 100 एकड़ जमीन पर नया पार्क

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। ग्रेटर कानपुर योजना के प्रस्ताव पर मुहर लगने के साथ ही शहर के विकास को पंख लगने की उम्मीद जाग गई है। गुरुवार को केडीए बोर्ड की 144वीं बैठक में सड़कों के सौंदर्यीकरण संबंधी प्रस्ताव पर मुहर लगी। गंगा बैराज से अटल घाट होते हुए कंपनीबाग चौराहे तक 4 लेन सड़क का निर्माण होगा। इसमें 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केडीए अवस्थापना निधि से यह कार्य करेगा।

इसके साथ ही शहर के मकसूदाबाद में 300 एकड़ और पनकी में 100 एकड़ जमीन पर लखनऊ की तर्ज पर दो नए पार्क भी विकसित करने पर सहमति बनी। केडीए बोर्ड के अध्यक्ष मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने बताया कि मकसूदाबाद में प्रस्तावित पार्क के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है। वहीं, पनकी के पार्क के लिए कंसलटेंट के चयन के लिए आमंत्रित निविदा की तकनीकि जांच की जा रही है।

केडीए सभागार में गुरुवार शाम 4:30 बजे शुरू हुई बोर्ड की बैठक करीब 2 घंटे चली। बैठक में केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पांडेय ने अध्यक्ष के सामने एक-एक कर 20 नए प्रस्ताव रखे, जिन पर प्रोजेक्टर के माध्यम से विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के बाद मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने बताया कि ग्रेटर कानपुर योजना के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है, जिससे कानपुर शहर के विस्तार, आउटर रिंग रोड पर भूमि बैंक बढ़ाने के साथ भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए योजना संबंधी प्रस्ताव पास किया गया।

ग्रेटर कानपुर योजना के तहत रामपुर खास, कैथा, सेन पश्चिम पारा, सेन पूरब पारा, फत्तेपुर दक्षिण, गोपालपुर, फत्तेहुरी, दुर्जनपुर, इटारा में लगभग 5000 एकड़ भूमि पर आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक गतिविधियां शुरू की जाएंगी। यहां विजन प्लान-2051 के प्रोजेक्ट्स जैसे, ग्रेटर कानपुर परियोजना, मेडीसिटी, ईवी पार्क के अतिरिक्त ट्रान्सपोर्ट नगर, लॉजिस्टिक्स के लिए परियोजनाएं प्रस्तावित की गई हैं।

केडीए बोर्ड की बैठक में मौजूद मंडलायुक्त, केडीए उपाध्यक्ष और जिलाधिकारी। अमृत विचार

- फोर लेन होगा गंगा बैराज से कंपनी बाग मार्ग
- बोर्ड की बैठक में पेश किए गए कुल 20 प्रस्ताव

अब 20 फीसदी दीजिए, ईडब्ल्यूएस फ्लैट लीजिए

- पनकी शताब्दी नगर में बने केडीए के फ्लैट को बेचने के लिए केडीए ने एक बार फिर से लुभावना ऑफर लेकर आया है। अब केडीए के यहां बने ईडब्ल्यूएस फ्लैट 20 फीसदी व अन्य बड़े फ्लैट 25 फीसदी रकम जमा करने पर कब्जा मिल जायेगा। केडीए बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय ने बताया कि इससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। बाकी रकम किस्त के रूप में आवंटी दे सकता है। बता दें कि योजना में केडीए के 6.5 हजार फ्लेट खाली पड़े हैं। केडीए ने अपने फ्लैट की बिक्री के लिए 31 मार्च 2025 तक योजना लाई थी जिसमें ईडब्ल्यूएस के फ्लैट लेने पर उनकी कीमत का 25 फीसद और अन्य इससे बड़े फ्लैट लेने के लिए कीमत का 50 फीसदी रकम जमा करने पर कब्जा मिल जाता था। चालू वित्तीय वर्ष में योजना नहीं आने के कारण फ्लैट की बिक्री पर असर पड़ा।

हाईवे सिटी और जवाहरपुरम योजना का खाका तैयार

- मंडलायुक्त ने बताया कि केडीए लैंड पुलिंग से आवासीय योजना हाईवे सिटी विस्तार और जवाहरपुरम लाएगा। इसके लिए दोनों योजनाओं का खाका तैयार कर लिया गया है। इसमें किसानों की जमीन लेकर उसको विकसित किया जाएगा और फिर 25 प्रतिशत जमीन वापस कर दी जाएगी। इससे योजना में बीच की जमीन भी विकसित हो जाएगी। अधिग्रहण में प्राधिकरण का आने वाला खर्च भी बच जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें सफल हुए तो आगे उचटी योजना और शहर की एक बस्ती विकसित करने में भी लैंड पुलिंग का उपयोग किया जाएगा। इनसेट

जीआईएस आधारित होगी महायोजना-2031 की मैपिंग

- बोर्ड की बैठक में महायोजना-2031 की मैपिंग जीआईएस आधारित करने के लिए कंसलटेंट के चयन की आरएफपी को भी स्वीकृति दे दी गई। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह ने बताया कि कानपुर विकास क्षेत्र का विस्तारीकरण वर्तमान सीमा से लगा हुआ क्षेत्र है, जिसमें कुछ क्षेत्र कानपुर महायोजना-2031 प्रारूप के शहरीकरण क्षेत्र से लगे हुए क्षेत्र है। वर्तमान में कृषि भू-उपयोग के कारण किसी प्रकार के विकास की गतिविधि संचालित नहीं हो रही है। महायोजना तैयार हो जाने से क्षेत्र में जहाँ एक ओर नगरीकरण को विस्तार मिलेगा वहीं उक्त क्षेत्र में स्थित ग्रामों के नागरियों को बेहतर अवस्थापना सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि इसमें वर्तमान में शामिल 80 गांव भी हैं।

जल निगम को 6 स्थानों पर मिली नि:शुल्क भूमि

- शहर में सीवर और पानी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए केडीए ने 6 स्थानों पर नए एसपीएस व जोनल पंपिंग स्टेशन के निर्माण के लिए निशुल्क भूमि दी गई है। इसमें नारामऊ में जोनल पंपिंग स्टेशन, पुरवा नानकारी में एसपीएस, ग्राम बारासिरोही में जलाशय एवं सीडब्ल्यूआर, तात्याटोपे नगर फेस-2 में आईपीएस, और ग्राम विसायकपुर बांगर में एसपीएस के निर्माण समेत 6 स्थानों के लिए निशुल्क जमीन दी गई है।

वैकल्पिक भूखंड देने की व्यवस्था होगी

- केडीए अभी तक लाटरी से आवंटित भूखंडों में विवादित होने पर पैसा वापस करता है। लेकिन अब वैकल्पिक भूखंड देने की व्यवस्था करने जा रहा है। ई-नीलामी से मिले भूखंड अगर विवादित होते हैं, तो केडीए ऐसे मामले में भी वैकल्पिक भूखंड देने की तैयारी है इस प्रस्ताव पर भी मुहर लग गई।

इन प्रस्तावों पर भी लगी मुहर

- भाऊसिंह पनकी स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट में 15 हेक्टेयर जमीन पर कूड़े से गैस बनाने का प्लांट लग रहा हैं। जमीन केडीए की है। नगर निगम को लीज पर 30 वर्ष के लिए एक रुपये प्रति एकड़ दी गई।
- कमला टाउन ट्रस्ट की ओर से जूही खुर्द में 3.50 एकड़ पर मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल का नक्शा स्वीकृत। पैसा जमा करने पर प्रभावी।
- मे. केएसएम बसीर एन्ड सन्स टाउनशिप ग्राम-देवारा कला एवं खैरहा गैर एहतमाली, परगना, सिकन्दरपुर सरौसी, तहसील व जनपद-उन्नाव क्षेत्रफल (85.19 एकड़) का भू-उपयोग कृषि से आवासीय में परिवर्तन हुआ।
- केडीए में शहरी नियोजन / जीआईएस / अन्य एक्सपर्ट्स् की आपूर्ति होगी।
- केडीए नगर में 70 अन्नपूर्णा मॉडल उचित दर दुकानों (अन्नपूर्णा भवन) का निर्माण अपने स्वयं के संसाधनों से कराएगा।
- भूखण्ड संख्या-740, ब्लाक-क्यू, प्रथम काकादेव के स्थान पर वैकल्पिक भूखण्ड दिये जाने को स्वीकृति

जैना पैलेस के लोगों ने मांगा इंसाफ

- बैठक के दौरान जैना पैलेस में बुलडोजर कार्रवाई का भी मुद्दा उठा। पार्षद सौरभ देव ने कहा कि व्यापारी और रहने वाले परेशान हैं। देर शाम जैना पैलेस से आए लोगों ने केडीए के बाहर पोस्टर दिखाकर न्याय की आवाज उठाई। परविंदर सिंह ने बताया कि 150 दुकानें और 35 फ्लैट तोड़े जा रहे हैं। हम सड़क पर आ गए हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

केडीए के 6 नए जोनल कार्यालय बनेंगे

बैठक में फैसला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम की तर्ज पर ही अब केडीए अपनी कार्यप्रणाली करेगा। हर जोन में जोनल कार्यालयों का निर्माण होगा। इसके केडीए संबधित कार्यों के लिए शहरवासियों को मुख्यालय तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि बोर्ड बैठक में यह फैसला लिया गया है कि सभी जोन का अपना कार्यालय होगा। इसका निर्माण केडीए अपनी जमीन पर कराएगा।

कानपुर शहर के विस्तार और बढ़ती आबादी को लेकर केडीए ने 61 वर्ष बाद अपने जोनों की सीमा में बदलाव किया है। अभी तक केडीए में चार जोन थे, जिन्हें अब नगर निगम की तर्ज पर 6 जोन में बांटा गया है। जोन एक और दो को दो-दो भागों में बांटा है, जबकि जोन तीन और चार को उसी तरह रखा गया है।

इस तरह बांटे गए जोन

जोन 1-ए

सीमा : प्रयागराज रोड (केडीए सीमा) से उत्तर दिशा की और का क्षेत्र जीटी रोड पर स्थित रावतपुर चौराहा से कंपनी बाग चौराहा, डाल्फिन चौराहा, वीएसएसडी कालेज रोड से गंगा बैराज तथा गंगा नदी के दक्षिण केडीए की सीमा तक का क्षेत्र

प्रमुख योजनाएं : चकेरी, आशियाना, कृष्णा नगर, जाजमऊ, पोखरपुर, नाचघर, बिरहाना रोड, दलेलपुरवा, रायपुरवा, सीसामऊ, गुटैया, ग्वालटोली, खलासी लाइन।

जोन 1-बी

सीमा : जीटी रोड स्थित रावतपुर चौराहा से कन्नौज रोड (विकास प्राधिकरण सीमा) से विकास क्षेत्र की बाउंड्री सम्मिलित करते हुए जनपद उन्नाव का सभी क्षेत्र जोन एक ए की सीमा तक ।

प्रमुख योजनाएं : ओल्ड कानपुर, दीनदयाल नगर, सिग्नेचर सिटी, अन्नपूर्णा इन्क्लेव, ख्यौरा बांगर, लखनपुर, हरिकृष्ण नगर, चैतन्य विहार, इंदिरा नगर, दयानंद विहार, मुखर्जी विहार, कल्याणपुर सी ब्लाक, केडीए ग्रीन्स।

जोन 2-ए

सीमा : जीटी रोड पर कल्याणपुर-पनकी रोड- इटावा रोड से कानपुर देहात का सम्पूर्ण क्षेत्र सम्मिलित करते हुए उत्तर में कानपुर विकास प्राधिकरण की सीमा तक

प्रमुख योजनाएं : गौतम विहार, जवाहरपुरम, रतनपुर, प्रगति इन्क्लेव, शताब्दी नगर , मंदाकिनी इन्क्लेव, रामगंगा इन्क्लेव, महावीर नगर विस्तार।

जोन 2-बी

सीमा : जीटी रोड पर कल्याणपुर पनकी रोड से कानपुर देहात की सीमा लेते हुए दक्षिण की और कानपुर सेंट्रल से झांसी रेलवे लाइन के उत्तरी हिस्से अफीम कोठी चौराहे तक।

प्रमुख योजनाएं : कालपी नगर, इस्पात नगर, व्यापार नगर, पनकी, काकादेव, विजय नगर, शास्त्री नगर, नरायनपुरवा, एफडब्ल्यू एरिया दादानगर, दबौली।

जोन 3

सीमा : झासी रेलवे लाइन के दक्षिणी हिस्से अफीम कोठी चौराहा से हमीरपुर रोड पांडु नदी तक एवं पांडु नदी का पूर्वी हिस्सा लेते हुए केडीए की सीमा तक ।

प्रमुख योजनाएं : गुजैनी, अंबेडकर नगर, रविदासपुरम, तात्याटोपे नगर, रतनलाल नगर, जरौली, वैष्णवी विहार, वैदेही विहार, जरौली, खांडेपुर, अर्रा, मौरंग मंडी, अर्रा बिनगवां, बूढ़पुर, मछरिया, गुलमोहर विहार, बर्रा, डब्ल्यू ब्लाक जूही कला, बीएम मार्केट, डब्ल्यू ब्लाक कैनाल पटरी, किदवई नगर, एस ब्लाक जूही कला, जूही सफेद कालोनी, जूही, निराला नगर, वसुधा विहार।

जोन 4

सीमा : अफीम कोठी चौराहा से जीटी रोड पर प्रयागराज की और केडीए की सीमा तक का दक्षिणी हिस्से के साथ हमीरपुर रोड पर पांडु नदी का पश्चिमी हिस्सा केडीए की सीमा तक।

प्रमुख योजनाएं : ट्रांसपोर्ट नगर, किदवई नगर, बाबूपुरवा, सुजातगंज, नौबस्ता गंगापुर मछरिया, स्वर्ण जयंती विस्तार, स्वर्ण जयंती विहार, दहेली सुजानपुर, चन्द्र नगरी, हाईवे सिटी अलकनंदा इन्क्लेव, शिवगंगा इन्क्लेव।

केडीए ने बॉटेनिकल गार्डन में सफाई के साथ सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। अमृत विचार

नए वर्ष में खुलेगा बॉटेनिकल गार्डन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 50 हेक्टेयर में लांच होगी न्यू कानपुर सिटी योजना

अमृत विचार। नये वर्ष से शहर को दो सौगातें मिलेंगी। केडीए गंगा बैराज स्थित बॉटेनिकल गार्डेन को 1 जनवरी से लोगों के लिए खोल देगा। इसकी तैयारी कर ली गई है। इसके साथ ही महत्वाकांक्षी न्यू कानपुर सिटी भी जनवरी के दूसरे सप्ताह तक लांच करने की तैयारी है। मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने बताया कि बॉटेनिकल गार्डेन को टहलने लायक बना दिया गया है। जो कमी रह गई है वह भी पूरी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि न्यू कानपुर सिटी योजना को प्रथम चरण में 50 हेक्टेयर जमीन पर विकसित किया जायेगा। तीन सप्ताह के अंदर रेरा से सहमति मिलने की उम्मीद है। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ के द्वारा योजना का उद्घाटन कराया जायेगा। केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय ने बताया कि 153 हेक्टेयर में लाई जाने वाली योजना तीन चरणों में विकसित होगी। पहले चरण में छोटे ईडब्ल्यूएस प्लाट इसके बाद व्यवसायिक और फिर बचे भूखंडे निकाले जाएंगे। अभय कुमार पांडेय ने बताया कि बॉटेनिकल गार्डेन का विकास कार्य के लिए नेशनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनबीआरआई) से करार हुआ है।

गुरुवार को कैंट बोर्ड की बैठक हुई। अमृत विचार

कैंट बोर्ड ने डॉक्टरों की फीस बढ़ाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अब प्रति विजिट 800 की जगह 2000 रुपये मिलेंगे

अमृत विचार। कैंट बोर्ड में गुरुवार को नवागंतुक ब्रिगेडियर एमएस जमवाल ने शपथ ग्रहण की। इसके बाद कैंट बोर्ड की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बोर्ड बैठक में कैंट क्षेत्र में बीमार लोगों के स्वास्थ्य के प्रति काफी गंभीरता प्रकट की गई। महंगाई भत्ता और आयकर के बकाये पर चर्चा की गई।

डॉक्टरों द्वारा विजिट पर न आने की वजह बताई गई और इससे होने वाली स्वास्थ्य संबंधित असुविधा को गिनवाया गया। इसलिए बोर्ड बैठक में आदेश जारी किया गया कि कैंट जनरल हॉस्पिटल में विजिट करने आने डॉक्टरों की फीस में वृद्धि की जाए। इसको गंभीरता से लेते हुए बोर्ड ने विजिटिंग करने आने वाले जनरल फिजिशियन व स्पेशिलस्ट की फीस दो हजार रुपये कर दी, जबकि अभी तक डाक्टर की फीस प्रति विजिट 800 रुपये थी।

वहीं, क्षेत्र में कुछ लोग आयुर्वेदक पद्धति का भी सहारा लेते है। इसको ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने आयुर्वेदिक डॉक्टर की प्रति विजिट 1500 रुपये फीस और डेंटिस्ट की फीस 1600 रुपये प्रति विजिट कर दी है। इसके अलावा बैठक में महंगाई भत्ता राज्य सरकार के आदेशानुसार 58 फीसदी करने की स्वीकृति भी प्रदान की गई। आयकर विभाग को 2015-16 का बकाया 10,05,027 रुपये भुगतान करने की स्वीकृति दी गई। ब्रिगेडियर एमएस जमवाल, मुख्य अधिशासी अधिकारी स्टीफन पीडी, पूर्व ब्रिगेडियर शब्बरूल हसन व सदस्य लखन लाल ओमर रहे।

डॉ.अमित गुप्ता ने नि:शुल्क ऑपरेशन किया

कानपुर। गीता नगर, छपेड़ा पुलिया स्थित स्पेक्ट्रम हेल्थ केयर में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे आए नई आप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) मशीन से आंखों की रेटिना, कार्निया और ऑप्टिक तंत्रिका की समस्याओं की जांच व इलाज किया गया। नेत्र सर्जन डॉ.अमित गुप्ता ने टीम के साथ 78 मरीजों को लेंस डालने का कार्य किया। शिविर में मरीजों को लाने व उनके आवास छोड़ने और भोजन वितरण निशुल्क किया गया। डॉ.अमित गुप्ता ने बताया कि आंखों की बीमारी को नजरअंदाज न करें। मोतियाबिंद होने पर जल्दी आपरेशन कराएं, रोशनी जाने का खतरा रहता है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और उम्र के बढ़ने पर मोतियाबिंद होता है।

शिविर में आंखों की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

जीएसटी में बदलाव जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मर्चेंट्स चैम्बर ऑफ़ उत्तर प्रदेश व कानपुर इनकम टैक्स बार एसोसिएशन, सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन की ओर से एक कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला में जीएसटी के विवादित बिंदुओं एवं जीएसटी अधिकरण पीठ में अपील दाखिल किये जाने की प्रक्रिया के विषय पर विशेषज्ञों ने राय रखी। कहा कि कारोबारियों व अधिकारियों के बीच विवाद की वजह से मामले लंबित होते हैं।

टैक्स गोष्ठी का आयोजन सर पदमपत सिंघानिया ऑडिटोरियम, सिविल लाइन्स में किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता चैम्बर की जीएसटी समिति के चेयरमैन संतोष कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। गोष्ठी का संचालन सीए संकल्प भल्ला द्वारा किया गया। जीएसटी विवाद पर मुख्य वक्ता सीए प्रीतम माहुरे ने कहा कि जीएसटी के 8 वर्ष व्यतीत होने के बावजूद अभी भी विभाग एवं कारोबारियों के मध्य विवाद समाप्त नहीं हो पा रहे है।

ईस ऑफ़ डूइंग बिज़नेस कारोबारी एहसास नहीं कर पा रहा है, वस्तुओं के कर की दरों के वर्गीकरण में विवाद उत्पन्न हो रहे है। इनपुट टैक्स क्रेडिट के दावों को तकनीकी आधार पर अस्वीकार किया जा रहा है। रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म में विवाद है। माल परिवहन सचल दल द्वारा लिपिकीय व तकनीकी त्रुटि पर वाहन रोके जा रहे है। कर की चोरी की मंशा ना होने पर भी अनावश्यक अर्थ दंड जमा करने के बाद ही माल रिलीज़ किया जा रहा है। सरकार को कानून, नियमों एवं औपचारिकताओं में जटिलताओं को दूर कर आसान प्रक्रिया निर्धारित करना होगा, तभी सही मायने में कारोबार भी बढ़ेगा। राजस्व की सही प्राप्ति भी सुनिश्चित हो सकेगी। जोधपुर के सीए अर्पित हल्दिया ने जीएसटी अधिकरण पीठ में अपील दाखिल करने की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक बताया। गोष्ठी में मुख्य रूप से चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष बीके लाहोटी, सीए धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सीए छवि जैन, सीए शिवम ओमर, सुनील त्रिवेदी, प्रदीप कुमार द्विवेदी, मनीष श्रीवास्तव, एसपी. सिंह, आईडी भाटिया, हरीओम गुप्ता, एसएस निगम, पंकज श्रीवास्तव, अखिलेश तिवारी, विनीत रूंगटा सहित अन्य मौजूद रहे।

गोष्ठी को संबोधित करते संतोष गुप्ता।

- मर्चेंट चेंबर में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने रखी राय

मिला आश्वासन | **सांसद अशोक रावत व एमएलसी अरुण पाठक ने दिल्ली में की मुलाकात**

रिंग रोड पर सर्विस रोड का मुद्दा उठाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीटी रोड से रिंग रोड के किनारे सर्विस रोड के निर्माण को लेकर सांसद अशोक रावत व सदस्य विधान परिषद अरुण पाठक ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली में मुलाकात की। सर्विस रोड न होने से फायदे और निर्माण से होने वाले लाभ के बारे में बताया। उन्हें मांग पत्र भी सौंपा।

एमएलसी अरुण पाठक ने उन्हें विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत तातियागंज की गंभीर यातायात समस्याओं से अवगत कराया। बताया कि कानपुर रिंग रोड तातियागंज से होकर गुजरती है और आगे बिठूर जैसे प्रमुख धार्मिक व पर्यटन स्थल तक होते हुए उन्नाव की ओर जाएगी। क्षेत्र में कोई सुगम एवं सुरक्षित संपर्क मार्ग उपलब्ध न होने के कारण स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं व्यापारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-34 यानि की जीटी रोड के आसपास औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने के बावजूद बिठूर के लिए कोई सीधा एवं सुविधाजनक संपर्क मार्ग नहीं है। पूर्व में मौजूद चकरोड रिंग रोड निर्माण में समायोजित हो जाने से आवागमन की समस्या और अधिक गंभीर हो गई है। इसलिए सर्विस रोड का निर्माण जरूरी है।

सांसद अशोक रावत ने भी क्षेत्र की जनभावनाओं से केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया। कहा कि एनएच-34 से कानपुर रिंग रोड के किनारे सर्विस रोड का निर्माण क्षेत्रीय विकास, यातायात सुरक्षा एवं धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत आवश्यक है। एमएलसी अरुण पाठक ने मांग की कि सर्विस रोड के निर्माण से स्थानीय निवासियों को सुरक्षित व सुगम यातायात सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विकास को नई गति प्राप्त होगी। केन्द्रीय मंत्री ने मांग को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक परीक्षण कर शीघ्र कार्यवाही के निर्देश देने का आश्वासन दिया।

परिवहन मंत्री से बात करते सांसद अशोक रावत व एमएलसी अरुण पाठक।

- भौगोलिक स्थिति से अवगत कराते हुए सर्विस रोड की जरूरत बताई

सिटी ब्रीफ

छात्र हित में कूटा की ओर से हुई अपील

कानपुर। कानपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) के अध्यक्ष प्रो बीडी पाण्डेय व महामंत्री प्रो पीएन त्रिवेदी ने छात्र हित में एक अपील की है। इनमें अनुदानित महाविद्यालयों के सभी शिक्षकों से छात्र हित में परीक्षा एवं मूल्यांकन सम्बन्धी कार्यों में अधिक से अधिक सक्रियता एवं उत्साह के साथ सहभागिता किए जाने की बात कही है। इसके साथ ही प्राचार्यों से मूल्यांकन कार्य के लिए शिक्षकों को कार्यावकाश देने का भी अनुरोध किया है। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शासन द्वारा निर्गत एकेडेमिक कैलेंडर के अनुसार दिनांक 11 नवंबर से संचालित हैं। इसके साथ ही मूल्यांकन कार्य भी प्रगति पर है। कूटा अध्यक्ष, महामंत्री, एवं संयुक्त मंत्री डॉ अर्चना दीक्षित द्वारा कुलपति प्रो विनय पाठक की अध्यक्षता में अनुदानित महाविद्यालयों के प्रचार्यों एवं कूटा पदाधिकारियों की विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संयुक्त ऑनलाइन बैठक में यह निर्णय लिया गया।

छात्रसंघ बहाली के लिए सौंपा ज्ञापन

कानपुर। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रो के द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के लंबित परीक्षा परिणामों को लेकर 'छात्र संघ बहाली मोर्चा' ने कुलपति को ज्ञापन सौंपा। छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कुलपति विजेंद्र पांडेयन ने तत्काल प्रभाव से छात्र हित में बड़ा निर्णय लेते हुए आगामी 72 घंटों के भीतर सभी परिणाम अपडेट करने का ठोस आश्वासन दिया है। मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कुलपति को अवगत कराया कि परीक्षाएं संपन्न हुए लंबा समय बीत चुका है, लेकिन परिणाम घोषित न होने के कारण छात्र उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति का फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। इस दौरान छात्र संघ बहाली मोर्चा के कोर कमेटी सदस्य अनस साहू एवं आर्यन ठाकुर उपस्थित रहे।

उत्सव पार्क में नन्द के जन्मोत्सव की धूम

कानपुर। सनातन धर्म सेवा समिति की ओर से उत्सव पार्क केशवपुरम में श्रीमद्भागवत कथा आयोजित हुई। चतुर्थ दिवस पर श्रीराम और श्री कृष्ण जन्म का उत्सव मनाया गया। वृंदावन के कथा व्यास प्रहलाद त्रिपाठी महाराज ने बताया कि ज़ब मन नन्द हो जाए और बुद्धि यशोदा बन जाए तो हृदय रूपी आँगन में आनन्द रूपी कृष्ण का अवतार होता है। श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर भक्त झूम उठे। इस दौरान अंजू मिश्रा, पारुल यादव, सुनीता सिंह, नीलम डबराल, कौशल मिश्रा, आकाश दीक्षित, नीरज त्रिपाठी, मनोज तिवारी, अरविंद शुक्ला, आलोक यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

कमिश्नरेट के कई थानों के प्रभारी बदले गए

कानपुर। सचेंडी के थाना प्रभारी दिनेश सिंह को इसी पद पर घाटमपुर, पुलिस आयुक्त के वाचक दीनानाथ मिश्रा को थाना प्रभारी कलक्टरगंज, कलक्टरगंज प्रभारी ललित कुमार को हरबंश मोहाल का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया। हरबंश मोहाल के प्रभारी विक्रम सिंह को सचेंडी और थानाध्यक्ष कोहना को विनय तिवारी को गुजैनी, संयुक्त पुलिस आयुक्त के वाचक प्रतीक सिंह को कोहना और और मूलगंज में तैनात उप निरीक्षक अनुज कुमार भारती को थानाध्यक्ष सजेती के पद पर तैनात किया गया। सभी थाना प्रभारियों को तैनाती स्थल पर चार्ज संभालने के आदेश दिए गए हैं।

घेराव को निकले कांग्रेसियों की पुलिस से झड़प

भाजपा कार्यालय का घेराव करने नवीन मार्केट जा रहे थे कांग्रेसी, कोतवाली के पास बैरीकेडिंग लगाकर रोका तो धरने पर बैठे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

धरना नहीं खत्म करने पर पुलिस कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई। अमृत विचार

भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ने से कांग्रेसियों को रोकती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कांग्रेस की पूर्वअध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को शहर में कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। तिलक हाल से भाजपा कार्यालय का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों को कोतवाली के पास पुलिस ने बैरीकेडिंग लगाकर रोका तो झड़प हो गई। कांग्रेसी कोतवाली के पास ही धरने पर बैठकर रामधुन गाने लगे। पुलिस ने धरना खत्म कराने का प्रयास किया, क्रांग्रेसी नहीं माने तो पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस लाइन ले गई और शाम को छोड़ा।

कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी व समर्थकों के साथ कोतवाली के पास धरना प्रदर्शन कर रहे अध्यक्ष पवन गुप्ता से जब पुलिस कर्मियों ने पूछा कि आप सब धरने से कैसे, इसपर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि भाजपा कार्यालय जाने दो या फिर गिरफ्तार करो। कोतवाली पुलिस ने दो बस मंगवाकर सभी कांग्रेसियों को गिरफ्तार करके पुलिस लाइन भेजा और शाम को सभी को छोड़ा गया। इसके अलावा पुलिस ने कांग्रेस नेता विकास अवस्थी को उनके आवास बर्रा-2 में साथियों के साथ नजरबंद किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की अदालत ने यंग इंडियन मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्यवाही को अवैध और दुर्भावना से ग्रसित पाया है। ग्रामीण जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि भाजपा की निरंकुश और तानाशाह मोदी सरकार ने हमारे नेताओं के खिलाफ झूठा मनगढ़ंत मुकदमा करके प्रवर्तन निदेशालय का घोर दुरुपयोग किया है। उन्होंने कहा कि ईडी व सीबीआई को मोदी ने अपने विपक्षियों का उत्पीड़न करने का माध्यम बना रखा है, कांग्रेस के कार्यकर्ता मोदी सरकार के इस कुकृत्य के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करने के लिए उतरे हैं और इस तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंक कर ही दम लेंगे। ग्रामीण अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि इस फैसले से मोदी सरकार की बदनीयत और गैरकानूनी तरीके से की गई कार्यवाही पूरी तरह से बेनकाब हो गयी है। कांग्रेस नेता हरप्रकाश अग्निहोत्री, संजीव दरियाबादी, नौशाद आलम मंसूरी, अमित पांडे, इकबाल अहमद, निजामुद्दीन खान, सतीश दीक्षित, रितेश यादव, अजय श्रीवास्तव, राकेश साहू, कृपेश त्रिपाठी, प्रतिभा अटल पाल, पूजा भारद्वाज, रमाकांत मिश्रा, राजेश गौतम, संजय दीक्षित, धवल पांडे, अंकित कन्नौजिया, शिवम पटवा, संदीप मिश्रा, लल्लन अवस्थी, दिलीप शुक्ला, तुफैल अहमद, जफर शाकिर, मो. सलमान, दीपक त्रिवेदी, नरेंद्र चंचल, मानेश दीक्षित, सीता अग्निहोत्री, इकलाख अहमद, डेविड ,ममता तिवारी, रीता कठेरिया, राज लक्ष्मी, ,विकास सोनकर, मुकेश वाल्मीकि, चंद्रमणि मिश्रा, राम शंकर राय आदि रहे।

न्यू लाइफ चर्च में गूंजे यीशू के गीत

कानपुर। न्यू लाइफ चर्च काकादेव में क्रिसमस ट्री का आयोजन किया गया। इस दौरान पादरी विनय कुमार व दिलीप कुमार द्वारा क्वायर की अगुवाई मैं गीत भी गाए गए। 'झूमों रे नाचो रे गांव रे साथी शोर मचाओ रे बेथलहम में जन्मा है साथी सबको बताओ रे' जैसे गीतों से माहौल को भव्य किया गया। उधर संडे स्कूल बच्चों द्वारा प्रभु यीशु मसीह की महिमा मंडल नृत्य के माध्यम से दर्शाया गया।

शिल्पा जेम्स के निर्देशन मैं प्रभु यीशु मसीह के जन्म की प्रस्तुति पेश की गई पादरी डायमंड यूसुफ ने प्रभु यीशु मासीह की पैदाइश के मकसद को लोगों को बताया कि यीशु मसीह की पैदाइश से हजारों वर्ष पूर्व भविष्यवक्ता द्वारा भविष्यवाणी की गई थी। इस भविष्यवाणी में कहा गया कि देखो तुम्हारे लिए एक बालक उत्पन्न होगा प्रभुता उसके कंधों में होगी और वह शांति का राजकुमार होगा उसका जन्म संपूर्ण मानव जाति के उद्धार के लिए होगा। सभा में उपस्थित लोगों में पादरी डायमंड युसूफ, राहुल जेम्स, विनय कुमार, आशीष मॉर्गन, दिलीप कुमार मोहित पीटर , शिल्पा जेम्स सहित अन्य मोजूद रहे।

अधिवेशन के बारे में जानकारी देते संगठन के पदाधिकारी। अमृत विचार

21 को होगा महाधिवेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लखनऊ में 21 दिसंबर को ज्वेलर्स का महाअधिवेशन होने जा रहा है। इस अधिवेशन में सुरक्षा-पेंशन सहित कई मांगें उठेंगी। यह जानकारी ज्वेलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल वर्मा व राष्ट्रीय महामंत्री पुष्पेंद्र जायसवाल ने दी। उन्होंने बताया कि इस अधिवेशन में कारोबार से संबंधित चुनौतियों पर भी चर्चा की जाएगी। वार्ता में अध्यक्ष किशोर सक्सेना ने बताया कि 21 दिसंबर को लखनऊ में संगठन का महाअधिवेशन आयोजित किया जाएगा। इस महाअधिवेशन में सर्राफा व्यवसाय से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था, राजनीतिक मंचों पर प्रभावी भागीदारी और व्यवसायिक हितों से जुड़े अहम मुद्दों पर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की जाएगी। यह भी कहा कि एक ही प्रांगण में सर्राफा व्यवसाय से जुड़ी गतिविधियों के लिए भूमि आवंटन किया जाए तथा सर्राफा व्यवसायियों के लिए पेंशन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिस प्रकार शिक्षकों को राज्यसभा, विधानसभा और लोकसभा में प्रतिनिधित्व मिलता है, उसी तर्ज पर सर्राफा व्यवसाय का भी प्रतिनिधि मनोनीत किया जाए।

ओमान में निर्यात बढ़ने का अनुमान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फिलहाल शहर से 350 करोड़ रुपये का होता है निर्यात कारोबार
- भारत-ओमान के बीच 'सीईपीए' का फरवरी से शुरू होगा लाभ

अमृत विचार। भारत-ओमान व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर का असर शहर के निर्यात कारोबार पर भी सीधे पड़ेने वाला है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि दोनो देशों के बीच हुए समझौते का लाभ फरवरी महीने से निर्यातकों को मिलने से शुरू होगा। दोनो देशों के बीच हुए समझौते के तहत अब दोनो देश उत्पादों पर बगैर किसी टैक्स के एक दूसरे के यहां बेच सकेंगे।

अमेरिका के टैरिफ के बाद से शहर के निर्यातक नए निर्यात बाजार को तलाश रहे हैं। ऐसे में यह समझौता निर्यातकों के लिए संजीवनी माना जा रहा है। इस समझौते के तहत शहर में सबसे ज्यादा लेदर, फूड व टेक्सटाइल सेक्टर के निर्यातकों को लाभ हासिल होगा। निर्यात विशेषज्ञ मानते हैं कि फिलहाल शहर में ओमान के लिए लगभग 350 करो. रुपये का निर्यात होता है। इस समझौते के बाद माना जा रहा है कि शहर में ओमान के लिए लगभग तीस फीसदी निर्यात में बढोतरी हो सकेगी। अगले वित्तीय वर्ष में 30 फीसदी की बढोतरी के बाद लगातार इसमें इजाफा माना जा रहा है। इसकी वजह खाड़ी देशों में ओमान प्रमुख व्यापारिक केंद्र का होना हैं। यह भी माना जा रहा है कि ओमान के रास्ते शहर के निर्यातकों के लिए अन्य खाड़ी देशों के लिए भी व्यापारिक रास्ता खुल सकेगा। इनमें बहरीन, कुवैत, कतर, साउदी अरब व यूएई शामिल हैं।

समझौते पर फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑग्रनाईजेशन (फियो) के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि भारत-ओमान सीईपीए एक परिवर्तनकारी व्यापार समझौता है, जो वस्तुओं और सेवाओं में निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करता है। ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शून्य-शुल्क पहुंच के साथ, मूल्य के हिसाब से भारत के निर्यात का 99.38 प्रतिशत कवर करता है। कपड़ा और परिधान, चमड़ा और जूते, इंजीनियरिंग उत्पाद, फर्नीचर, कृषि और खाद्य उत्पाद के उत्पादकों को मजबूती से समर्थन मिलेगा।

नए निर्यातकों को मौका

- इस समझौते के होने के बाद निर्यात विशेषज्ञों ने इसे नए निर्यातकों के लिए बड़ा मौका बताया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ के बाद अमेरिका जैसी बड़ी बाजार में कठिनाई का सामना करने वाले नए निर्यातक ओमान के रूप में वैकल्पिक बाजार में अपने उत्पाद भेज सकते हैं। टैक्स छुट के बाद वहां के खरीदार भी उत्पादों के लिए यहां के निर्यातकों की ओर से रुख कर सकेंगे। इससे पुराने निर्यातकों के साथ ही नए निर्यातकों को लाभ हासिल हो होगा।

सिटी डायरी

भागवत कथा का रसपान कराते आचार्य प्रहलाद त्रिपाठी। अमृत विचार

माखन के बहाने भक्त का मन चुराते कृष्ण

कानपुर। सनातन धर्म सेवा समिति की ओर से उत्सव पार्क केशवपुरम में भागवत कथा के पंचम दिवस की कथा में वृंदावन से पधारे आचार्य प्रहलाद त्रिपाठी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया, माखन चोरी कथा सुनाते हुए बताया भगवान माखन के बहाने भक्त के मन को चुराते हैं, जीव के अज्ञान को चुराते हैं, गोवर्धन पूजा प्रसंग सुनाते हुए महाराज जी ने बताया की गोवर्धन पूजा के माध्यम से भगवान ने देवराज इंद्र का मान मर्दन किया क्योंकि भगवान को किसी भी जीव के हृदय में बैठा हुआ अभिमान प्रिय नहीं है इसलिए संत जन कहते हैं अभिमान को आने मत दो और स्वाभिमान को जाने मत दो।

क्रिसमस उत्सव में प्रस्तुति देते बच्चे। अमृत विचार

मदर टेरेसा चर्च में क्रिसमस उत्सव

कानपुर। किदवई नगर के ब्लॉक स्थित मदर टेरेसा हाई सेकेंडरी स्कूल परिसर में मदर टैरेसा चर्च में क्रिसमस के मौके पर क्वायर के माध्यम से प्रभु यीशु को याद किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं की ओर से प्रभु यीशु मसीह के भजन गाए गए। इस दौरान प्रभु यीशु के जीवन पर आधारित नाटक मंचन का आयोजन किया गया। बच्चों ने प्रभु यीशु पर झांकी भी प्रस्तुत की। झांकियों के माध्यम से प्रभु का त्याग व जीवन परिचय प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में चर्च के पास्टर नॉरिस जॉर्ज और पास्टर जितेंद्र सिंह व चेयरमैन यशराज साइलस ने प्रभु यीशु के आशीष वचनों को याद कर सभी को उसे पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर प्रिंसिपल वीना साइरस, वाइसप्रिंसिपल दीक्षा साइरस व हेलिना सिंह मौजूद रहीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करतीं छात्राएं। अमृत विचार

दीक्षा अग्निहोत्री की सुरीले गीतों ने झुमाया

कानपुर। दून इण्टरनेशनल स्कूल रतन लाल नगर में म्यूजिकल नाइट में बालीवुड सिंगर दीक्षा अग्निहोत्री के सुपरहिट गानों ने सभी को झुमाया। लकी कूपन ड्रा में विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में मिक्सर ग्राइंडर, द्वितीय पुरस्कार में हीटर तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में इलेक्ट्रिक केटल प्रदान की गई। शुरुआत विद्यालय निदेशक सरदार अमर प्रीत सिंह, प्रबंधक सरदार हर्षप्रीत सिंह, प्राचार्या डॉ कृष्णा चौहान, उप प्राचार्या मोनिका जॉन, हेड मिस्ट्रेस पूजा कपूर ने की। देशभक्ति पूर्ण गीतों के साथ ही उत्तराखंड के प्रसिद्ध पहाड़ी गीत 'सरसराती हवा ठंडी पानी, पक गए पेड़ के फल' पर पहाड़ी वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक डॉ. राम पंजवानी, संगीता खन्ना, राधिका सतवानी, नारायन श्रीवास्तव, पारुल नरूला, सुरिन्दर कौर, मीनाक्षी शुक्ला, विकाश सिंह आदि उपस्थित रहे।

जनसंपर्क पर निकले स्वयं सेवक। अमृत विचार

स्वयं सेवकों ने घर-घर किया संपर्क

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 पूर्ण होने पर घर- घर संपर्क अभियान के तहत श्री सिद्धि विनायक शाखा इंद्रपुरी विनायकपुर के स्वयंसेवकों ने इंद्रपुरी, विनायकपुर, अर्जुन नगर में घर- घर जाकर भारत माता का चित्र, पत्रक, स्टिकर और आरएसएस के सौ वर्ष की यात्रा की पुस्तक बांटे। टोली प्रमुख ब्रह्म कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लोगों में संघ के प्रति अपार श्रद्धा व विश्वास दिखाई देता है।

रुमित सागरी व अमित दोसर टॉप पर, नतीजे आज

कपड़ा कमेटी चुनाव

विशेष संवाददाता, कानपुर

26 मत अवैध, गंगा नारायण को सबसे कम 242 मत

- मतगणना में 1137 में से 528 वोटों की गिनती पूरी

मत पत्रों की छटनी करते मतगणना अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। कानपुर कपड़ा कमेटी के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब गुरुवार को मतगणना भी शुरू हो गई। गुरुवार शाम 7 बजे तक 1137 में 528 वोट ही गिने जा सके। इसमें वरीयता के आधार पर सबसे ज्यादा 408 वोट रुमित सागरी और अमित दोसर को मिले। निर्दलीय की हैसियत से लड़ रहे लक्ष्मण सहगल ने तगड़ी बढ़त बनाई। बाकी वोटों की गिनती शुक्रवार को होगी और देर शाम तक नतीजे घोषित हो जाएंगे।

कड़ी निगरानी के बीच बैलेट बॉक्स खोलकर वोटों की गिनती शुरू की गई और आखिरी तक युवा गुट बढ़त बनाए रहा। अभी भी काशी और युवा गुट में टक्कर है। यह भी हवा उड़ी कि काशी और युवा गुट में कुछ ओहदों को लेकर समझौता हो सकता है। युवा गुट के 14 और काशी गुट के नौ प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। निर्दलीय लक्ष्मण सहगल को अब तक 311 वोट मिले हैं। कहा जा रहा है कि दोनों ही गुटों ने इन्हें समर्थन दिया है, लेकिन वह किस पाले में जाएंगे, अभी नहीं कहा जा सकता। मुख्य चुनाव अधिकारी सत्य नारायण सिंघानिया ने बताया कि 528 मतपत्र खोले गए, जिसमें 26 अवैध थे। 502 वोट गिने गए।

जानिए, किसे कितने वोट मिले

- रुमित सागरी, अमित दोसर 408, विश्वनाथ गुप्ता 406, दीपक गुप्ता 391, नवीन निवेटिया 386, अशोक कुमार माहेश्वरी 379, वीरेंद्र गुलाटी 371, करन राज वोहरा 355, राकेश कपूर 355, अशोक माहेश्वरी 341, अभिषेक चावला 340, काशी प्रसाद शर्मा 336, राकेश सेठिया 336, श्रीकृष्ण गुप्ता 223, कमल कुमार अग्रवाल 313, लक्ष्मण सहगल 311, सुदेश चंदानी 309, संजय गुप्ता 303, राम प्रकाश गुप्ता 301, श्याम जी गुप्ता 299, अनिल जैन 294, अमित गुप्ता 281, सुनील अग्रवाल 279 और गंगा नारायण गुप्ता 242 मत।

दिल्ली का दर्द | गोविंद नगर के मंदिर में एकत्र होकर भक्तों ने प्रधानमंत्री मोदी से लगाई गुहार

मंदिर दरगाह बाबा पीर रतन नाथ के लिए हरिनाम का संकीर्तन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हरिनाम संकीर्तन में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

मंदिर दरगाह श्री बाबा पीर रतन नाथ की भूमि के लिए हरिनाम संकीर्तन। अमृत विचार

आवाज उठाते लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। झंडेवालन नई दिल्ली में स्थित मंदिर दरगाह श्री बाबा पीर रतन नाथ जी में अतिक्रमण के नाम पर डीडीए की ओर से की गई कार्रवाई से आहत संतों और श्रद्धालुओं ने हर श्रीनाथ मंदिर गोविंद नगर में हरिनाम संकीर्तन किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मंदिर की भूमि डीडीए से वापस दिलाने की गुहार लगाई।

वक्ताओं ने कहा कि सनातन धर्म एवं भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक मंदिर दरगाह श्री पीर रतन नाथ जी हर श्रीनाथ मंदिर की भूमि के कुछ हिस्से पर बने निर्माण को डीडीए ने अतिक्रमण बताकर तोड़ दिया और उक्त भूमि को अपने कब्जे में ले लिया है। जबकि मामला कोर्ट में विचाराधीन है। सिद्ध पीर बाबा श्री रतन नाथ जी ने सनातन संस्कृति की रक्षा का कार्य किया था।

मंदिर के प्रधान सेवक रवि चोपड़ा ने कहा पूर्ण रूप से सनातन एवं भारतीय संस्कृति के शास्त्रोक्त एवं वेदोक्त आचरण के साथ मंदिर में श्री भगवान जी के समस्त नियम एवं श्रीमद्भागवत एवं श्री रामचरितमानस का पाठ सुबह और शाम होते हैं। भगवान शिव का रुद्राभिषेक, विष्णु महायज्ञ एवं मां भगवती के जागरण का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। जितेंद्र प्रसाद ने कहा अफगानिस्तान के काबुल, कंधार, जलालाबाद, चारबाग, गजनी आदि जगहों पर स्थित मंदिरों में भगवान का पूजन पाठ हो रहा है। महामंडलेश्वर जितेंद्र दास ने कहा कि सरकार से आग्रह है कि मंदिर की भूमि वापस करे। विश्व हिंदू परिषद के चिकित्सा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत मोहन ने कहा कि बाबा श्री पीर रतन नाथ जी के कई मंदिर हैं। उन मंदिरों के साथ ही दरगाह शब्द जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से आग्रह है कि हमारी भावनाओं का ख्याल रखते हुए हमें भूमि वापस कर दें।

इस अवसर पर वरिष्ठ वेदाचार्य संत वेद प्रकाश द्विवेदी, भाजपा नेता अजीत छाबड़ा, कोपेस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर , नमामि गंगे समिति से कृष्णा दीक्षित राष्ट्रीय, आरएसएस के नगर कार्यवाहक महेश मिश्रा, सेवादार दुर्गादास कक्कड़, नंदकिशोर कक्कड़, बॉबी कक्कड़, मिंटू कक्कड़, पुष्कर मल्होत्रा, पवन सेठी, हर्ष बक्शी, शोभा सभरवाल, गीता सेठी, शकुंतला खेड़ा, अनीता चोपड़ा, पूनम अरोड़ा, गीता अरोड़ा, आरएसएस से शुभेंदु त्रिवेदी और पंकज शर्मा, शिव झिंगन, अशोक मोहन, अनिल खन्ना, आचार्य रामजी त्रिपाठी, कपिल मोहन आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

महिला क्रिकेट प्रतियोगिता स्थगित

उन्नाव, अमृत विचार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि जिला क्रिकेट एसोसिएशन जालौन द्वारा उरई में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गयी है।

शराब पीने से मना करने पर युवक ने दी जान

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के डीएसएन कालेज रोड एबीनगर मोहल्ला निवासी नीरज शुक्ल (38) पुत्र स्व. कृष्ण मोहन शहर के आवास विकास कालोनी स्थित एक लॉज में नौकरी करता था। वह शराब का लती था। इसके चलते अक्सर घर में कहासुनी होती थी। बुधवार रात वह नशे में घर लौटा तो फिर से कहासुनी हुई। पत्नी रुचि, सास आशा व 6 साल के बेटे कान्हा के साथ खाना खाकर दूसरे कमरे में चली गई। वहीं नीरज अपने कमरे में चला गया। गुरुवार सुबह मां किसी काम से बेटे के कमरे में गई तो उसका शव प्रेस की लीड के फंदे से लटका देख शोर मचाया। इस पर पड़ोसी एकत्र हो गए। पत्नी ने घटना की सूचना सिविल लाइन मोहल्ला स्थित अपनी ससुराल में रहने वाले बड़े भाई सूरज को दी। उसी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा। फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। बेटे की मौत से मां, पत्नी व बड़ा भाई बेहाल रहा। बड़े भाई ने बताया कि फरवरी में पिता की कैंसर से मौत हुई थी। भाई के प्रार्थनापत्र पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

नीरज (फाइल फोटो)।

किशोरी व महिला के हत्यारोपियों को पुलिस ने दबोचा

उन्नाव। सोहरामऊ थानाक्षेत्र के लालाखेड़ा गांव में जमीनी विवाद में भाभी की हत्या करने के आरोपी देवर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसी तरह उसी दिन बिहार क्षेत्र में जंगल में किशोरी की गला घोंटकर हत्या हुई थी। किशोरी के हत्यारोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बता दें कि बीते मंगलवार सोहरामऊ थानाक्षेत्र के लालखेड़ा गांव निवासी रामू पुत्र गंगाराम ने जमीनी विवाद को लेकर हुई कहासुनी में अपनी भाभी सुनीता (45) के सिर पर लोहे के सब्बल से वार कर दिया था। इसमें उसकी मौत हो गई थी। पति नरेश की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर रामू की तलाश कर रही थी। सोहरामऊ एसओ अरविंद पांडेय ने बताया कि पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में लगी थीं। तभी मुखबिर से मिली सूचना पर एसआई लक्ष्मी प्रसाद ने फोर्स के साथ गुरुवार दोपहर एक बजे नयाखेड़ा तिराहा के पास से रामू को दबोचा लिया। उसकी निशानदेही पर आलाकत्ल भी बरामद हुआ है। बीते मंगलवार को ही बिहार थानाक्षेत्र के हुलासीखेड़ा कुतुबपुर गांव निवासी किशोरी की गांव के बाहर जंगल में दुपट्टे से गलाघोंट कर हत्या हुई थी। पिता ने पड़ोसी अमरजीत पर बेटी की हत्या करने का शक जताया था। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। एसओ बिहार राहुल सिंह बताया कि मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस टीम ने अमर जीत पुत्र रामशंकर को गांव के बाहर आंबेडकर पार्क से पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेजा गया।

शशांक ने पाई 46वीं रैंक

माता-पिता के साथ शशांक।

बांगरमऊ। प्रतिभा किसी संसाधन की मोहताज नहीं होती। इसे सच कर दिखाया है बांगरमऊ के मेधावी शशांक पटेल ने। नगर के मोहल्ला कस्बा टोला के शशांक ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भारतीय इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा में 46वीं रैंक हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है। शशांक के पिता अविनाश मोहन वर्मा वर्तमान में हरदोई के माधौगंज ब्लॉक में सहायक विकास अधिकारी के पद पर तैनात हैं। शशांक की प्रारंभिक शिक्षा कस्बे के बाल विद्या मंदिर में हुई। मेधावी छात्र होने के नाते उन्होंने कानपुर से इंटरमीडिएट व फिर मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज गोरखपुर से बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) की पढ़ाई प्रथम श्रेणी में पूरी की। इस समय वह कन्नौज स्थित कांशीराम पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने किसी भी कोचिंग का सहारा नहीं लिया।

नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन, दिन भर रहा कोहरा

हाईवे और एक्सप्रेसवे पर लाइट जलाकर धीमी गति से गुजरे वाहन, दृश्यता घटकर मात्र 20 मीटर रह गई

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। गुरुवार सुबह से शहर व जिले भर में घना कोहरा छाया रहा। जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। जिले भर में तड़के सुबह से ही घने कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता घटकर मात्र 20 मीटर रह गई। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और वाहन धीमी गति से रेंगते हुए चलते दिखे।

बुधवार की तुलना में गुरुवार का मौसम अधिक ठंडा रहा। गुरुवार सुबह जिले का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय करीब 8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलीं। जिससे ठंड व कोहरे का प्रभाव और बढ़ गया। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक घने कोहरे की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे का सबसे अधिक असर नेशनल हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर देखा गया। इन मार्गों पर ट्रक, बस, कार व दोपहिया वाहन बेहद धीमी गति से चल रहे थे। कई स्थानों पर चालकों को आगे का रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। इसके कारण उन्हें हेडलाइट और फॉग लाइट जलाकर सावधानी पूर्वक यात्रा करनी पड़ी। बाजारों व सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम रही। लोग केवल जरूरी कार्य होने पर ही घरों से निकले। स्कूल जाने वाले बच्चों और दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों को भी कोहरे के कारण देरी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने अपील कि है कोहरे के दौरान तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं, सुरक्षित दूरी बनाए रखें और लाइट का प्रयोग अवश्य करें।

कचहरी पुल पर कोहरे के बीच निकलते वाहन सवार। अमृत विचार

परीक्षा केंद्रों में शिकायत हो तो वेबसाइट पर दर्ज करें आपत्ति

बोर्ड परीक्षा

उन्नाव, अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र प्रयागराज के सचिव भगवती सिंह ने कहा कि वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं हेतु ऑनलाइन प्रविधि से प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों (विद्यालय छात्र आर्यटन सहित) की सूची डीएम की अध्यक्षता में गठित जन पदीय केंद्र निर्धारण समिति के अनुमोदन के बाद परिषद की वेबसाइट upmsp.edu.in पर 17 दिसंबर को अपलोड/ प्रदर्शित कर दी गई है। डीआईओएस सुनील दत्त ने बोर्ड सचिव द्वारा जारी किए गए निर्देशों के क्रम में कहा कि परिषद की वेबसाइट पर अपलोड, प्रदर्शित परीक्षा केंद्रों (विद्यालय छात्र आवंटन सहित) के संबंध में यदि कोई आपत्ति या शिकायत हो तो इस संबंध में छात्र, अविभावक, प्रधानाचार्य, प्रबन्धक कारणों व साक्ष्यों सहित संबंधित विद्यालय अपनी आईडी से अपना प्रत्यावेदन ऑनलाइन परिषद के पोर्टल upmsp.edu.in पर 22 दिसंबर तक दे दें। इसके बाद कोई प्रत्यावेदन मान्य नहीं होगा।

सरकारी भूमि कब्जाने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : डीएम

उन्नाव, अमृत विचार। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में पन्नालाल सभागार में राजस्व कार्यों से संबंधित बैठक आयोजित हुई। इसमें जिलाधिकारी ने कहा कि एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार समय लगाकर कोर्ट में चल रहे वादों को अवश्य सुनें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि पट्टा व तालाब आवंटन की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाय। कृषक दुर्घटना योजना के कोई प्रकरण लंबित न रहें। प्राथमिकता से किया जाए। इसमें लापरवाही न हो। स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य गंभीरता से और समय से पूर्ण किया जाय। कहा कि सभी एसडीएम इसे ध्यान दें। एंटी भू-माफिया के तहत अभियान चलाकर कार्य करें। जो सरकारी जमीन पर कब्जा करे उसे चिन्हित कर कार्रवाई करें। राजस्व विभाग के लापरवाह कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्यवाही करें। लापरवाह राजस्व कर्मियों को कड़ी कार्यवाही करने की हिदायद देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में बख्सा नहीं जाएगा। धान खरीद निर्धारित लक्ष्य के अनुसार हो। बड़े किसानों से संपर्क कर क्रय केंद्र पर धान लाने के लिए कहा जाए। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, जाति प्रमाणपत्र, पैमाइश व अन्य राजस्व सम्बन्धी कार्यों की जानकारी लेकर समय से सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश एसडीएम व तहसीलदार को दिये।

कोहरे को लेकर डीएम सख्त, गूगल मीट से दिये निर्देश

उन्नाव, अमृत विचार। सर्दियों के मौसम में बढ़ते कोहरे व धुंध के कारण होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए डीएम गौरांग राठी ने गुरुवार को गूगल मीट के माध्यम से जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें डीएम ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और सड़क पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

डीएम ने एआरटीओ को निर्देशित किया कि डंपर, ट्रक व ओवरलोड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक चालान किए जाएं। उन्होंने हाईवे किनारे स्थित ढाबा संचालकों को चेतावनी दी कि सड़कों पर वाहन खड़े होने या अवैध कट पाए जाने पर धारा 133 के तहत जुर्माना व कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी एसडीएम व सीओ को स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। कहा कि दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां स्पीड लिमिट के स्लोगन और चेतावनी बोर्ड लगवाएं। उन्नाव-हरदोई रोड पर खराब हो चुके रिफ्लेक्टर, डिवाइडर व रेडियम पट्टी तत्काल ठीक कराएं। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी पर कैमरा व लाइटिंग की व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्कूलों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाकर सुनिश्चित करें कि सभी स्कूल बसें मानकों के अनुरूप ही चलें। शीतलहर के दृष्टिगत डीएम ने सभी एसडीएम व ईओ को निर्देश दिए कि नगर निकायों और ग्रामीण बाजारों व चौराहों पर पर्याप्त अलाव जलवाएं। निराश्रितों व असहायों को नियमित रूप से कंबल वितरण किया जाए। हाईवे पर तैनात एम्बुलेंस सेवाओं को 24 घंटे मुस्तैद रहने के निर्देश दें। बैठक में एसपी जयप्रकाश, सीडीओ कृतिराज, एडीएम, एएसपी, पीडब्ल्यूडी व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

- **अवैध कट व ओवरलोड वाहनों पर होगी कड़ी कार्रवाई**

जरूरतमंदों को कंबल बांटते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

डीएम ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

बढ़ती ठंड व शीतलहर को देखते हुए बुधवार रात डीएम व एसपी ने जिले के रैन बसेरों व अलाव व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान हनुमान मंदिर के पास मिले 10 असहाय व जरूरतमंदों को डीएम ने कंबल वितरित कर उन्हें रैन बसेरों में शरण लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डीएम ने अफसरों को निर्देश दिए कि जिले में कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे सोता न मिले। उन्होंने नगर पालिका को एक वाहन आरक्षित रखने का आदेश दिया ताकि एक रैन बसेरा भरने पर आगंतुकों को तुरंत दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जा सके। सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निरंतर भ्रमण कर पर्याप्त अलाव और कंबल वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसपी ने एक्सप्रेस-वे का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। घने कोहरे के कारण बढ़े सड़क हादसों को लेकर एसपी ने लखनऊ- आगरा एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। उन्होंने एक्सप्रेस-वे से संपर्कित पुलिस चौकियों के कर्मियों को रात्रि में अधिक अलर्ट रहने के निर्देश दिए। जिससे हादसा होने पर तुरंत मदद पहुंचाई जा सके।

दिसंबर के दूसरे पखवाड़े से शुरू हुआ कोहरा यातायात के लिए अवरोध साबित हो रहा है। इसके चलते एसपी जय प्रकाश सिंह ने एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद व सीओ संतोष सिंह के साथ लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। उन्होंने एक्सप्रेस-वे के पास बांगरमऊ कोतवाली की प्रीतमपुरा व देवखरी पुलिस चौकी, बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र की खमोली हवाई पट्टी का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता बढ़ाने, रात्रि गश्त प्रभावी रखने, वाहनों की गति नियंत्रण, रिफ्लेक्ट व ब्लिंकर का प्रयोग करवाने के निर्देश दिए। कहा कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करें। कोहरे में यातायात सुचारु रखने के साथ यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी दुर्घटना की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराए।

एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करते एसपी जय प्रकाश सिंह। अमृत विचार

- **कोहरे के दौरान सतर्क रहने के मातहतों को दिये निर्देश**

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

उन्नाव, अमृत विचार। गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले को फर्जी बताते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय से प्रदर्शन कर भाजपा कार्यालय जा रहे थे तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया।

पुलिस के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिना अनुमति के प्रदर्शन व मार्च निकालने का प्रयास किया। इसी के मद्देनजर पुलिस ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शनकारी लोकतंत्र बचाओ व ईडी का दुरुपयोग बंद करो जैसे नारे लगा रहे थे।

प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। अमृत विचार

ट्रांसफार्मर लगाने के दौरान घंटों रही बंद विद्युत सप्लाई

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। पोनी रोड और राजधानी मार्ग से जुड़े इलाकों में बिजली व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विद्युत विभाग ने कोतवाली गेट के पास अतिरिक्त 100 केवीए क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया। ट्रांसफार्मर लगाने के दौरान फीडर-3 और 4 की आपूर्ति घंटों तक बंद रही। जिससे ठंड में हजारों उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

अब तक पोनी रोड तिराहा पर लगे 400 केवीए ट्रांसफार्मर से पोनी रोड व गांधी नगर राजमार्ग क्षेत्र के सैकड़ों घरों को आपूर्ति की जा रही थी। क्षमता से अधिक लोड होने से आएदिन ट्रांसफार्मर फुंकने की समस्या रहती थी। गुरुवार सुबह 11 बजे कार्यदायी संस्था ने हाइड्रा मशीन से पोल पर ट्रांसफार्मर लगाया। इसके बाद दोपहर साढ़े 12 बजे फीडर 3 व 4 की आपूर्ति बंद कर ट्रांसफार्मर कनेक्शन जोड़ने का कार्य किया गया। दोपहर में रोस्टिंग समाप्त होने के बाद साढ़े तीन बजे सप्लाई बहाल की गई। तब जाकर उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगने से गांधी नगर व राजमार्ग क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अब सुचारु आपूर्ति मिल सकेगी।

रिपोर्ट दर्ज होने पर माने परिजन

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के गलगलहा गांव में विवाद के बाद अधेड़ का शव फंदे से लटका मिला था। परिजन गांव के एक परिवार पर घर में चढ़ाई कर अपमान करने से क्षुब्ध होकर आत्महत्या किए जाने के आरोप लगा गुरुवार को डीएम व एसपी ऑफिस पहुंच गए। घंटों समझाने के बाद आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज होने पर पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया।

बता दें कि सदर कोतवाली क्षेत्र के गलगलहा गांव निवासी रामशंकर (55) पुत्र स्व. मुन्नी लाल मजदूरी करता था। बुधवार को उसका शव गांव के बाहर घर से एक किमी आगे जंगल में पेड़ पर गमछे के फंदे से लटका मिला था। बेटे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की। बड़े बेटे कौशल ने आरोप लगाया कि उसके घर के बाहर गांव की एक महिला से शौच को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद महिला के परिजनों ने घर पर चढ़ाई कर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी थी। इससे आहत होकर उन्होंने फांसी लगा ली। बताते हैं कि महिला ने रामशंकर पर छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया था। गुरुवार को मगरवारा चौकी प्रभारी रवि शंकर पांडेय ने पंचनामा की कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी शुरू की। लेकिन बेटे व अन्य परिजनों ने इंकार कर दिया। वे डीएम व एसपी ऑफिस पहुंच गए। इस पर कोतवाली प्रभारी ने उन्हें पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही लेकिन वे नहीं माने।

बहुत समझाने पर बेटे कौशल की तहरीर पर पुलिस ने गांव के पूती पुत्र अरुण, उसके बेटे अजय, परिवार के पप्पू, राहुल रज्जन पुत्र कल्लू पर आत्महत्या के लिए उकसाने व एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की। इसके बाद डॉ. शोएब नासिर व डॉ. देवेंद्र कुमार ने शव का पोस्टमार्टम किया। इसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया कि बेटे कौशल की तहरीर पर 5 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

- **गलगलहा में अधेड़ की आत्महत्या का मामला**

दुष्कर्म के दोषी को 22 साल का कारावास

उन्नाव, अमृत विचार। किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 22 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

मौरावां थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 15 जनवरी-2019 को वह पत्नी के साथ एक रिश्तेदार के घर गया था। घर पर उसकी नाबालिग बेटी अकेली थी। इसका फायदा उठाकर थानाक्षेत्र के मदाखेड़ा हिलौली निवासी बबलू उर्फ बाबू लाल घर में घुस आया और बेटी से दुष्कर्म किया। शाम को लौटने पर बेटी ने आपबीती बताई। पुलिस ने किशोरी को मेडिकल कराकर कोर्ट में बयान दर्ज कराए। 17 जनवरी-2019 को रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेजा। साक्ष्य एकत्र कर 14-दिसंबर 2019 को आईओ ने चार्जशीट दाखिल की। गुरुवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद शासकीय अधिवक्ता चंद्रिका प्रसाद वाजपेई की दलील व साक्ष्य के आधार पर न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने दोषी को 20 साल की सजा सुनाई।

अनदेखी | मगरवारा में डाउन लाइन पर स्लीपर मिलने के बाद भी नहीं जागा विभाग

ट्रैक किनारे पड़े सीमेंटेड स्लीपर बने खतरे की घंटी, विभाग अंजान

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। मगरवारा के डाउन रेलवे ट्रैक पर बुधवार रात डाउन लाइन की रेल पटरी पर सीमेंटेड स्लीपर पड़े होने के कारण तेजस एक्सप्रेस को गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर करीब 27 मिनट तक खड़ा रहना पड़ा। गनीमत रही कि समय रहते कंट्रोल को सूचना दी गई और तेजस को रोका गया। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि इस गंभीर घटना के बाद भी रेलवे विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। क्योंकि गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर अभी भी सीमेंटेड स्लीपर पड़े हुये हैं।

मगरवारा की घटना के बावजूद गंगाघाट रेलवे स्टेशन और उसके आसपास ट्रैक के किनारे बड़ी संख्या में सीमेंटेड स्लीपर पड़े हुए हैं। स्टेशन के अप और डाउन लाइन के किनारे स्लीपर बेतरतीब ढंग से ट्रैक के पास रखे हैं, जो किसी भी समय पटरी पर पहुंच सकते हैं। जिससे कोई अनहोनी हो सकती है। यात्रियों का कहना है कि स्टेशन और ट्रैक के आसपास स्लीपर पड़े है। जिससे कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। मगरवारा जैसी घटना के बाद भी विभाग का न चेता जाना रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। इस मामले में आरपीएफ ने रेलवे की लापरवाही मानते हुए ज्वाइंट रिपोर्ट तैयार कर आरपीएफ लखनऊ मुख्यालय भेज दी है। वहीं गंगाघाट रेलवे स्टेशन के एसएस शकील ने बताया कि ट्रैक के किनारे पड़े सीमेंटेड स्लीपरों को हटाने के लिए रेल पथ विभाग को अवगत करा दिया गया है और जल्द ही ट्रैक को सुरक्षित किया जाएगा।

- **स्लीपर प्रकरण में ज्वाइंट रिपोर्ट बनाकर आरपीएफ लखनऊ मुख्यालय भेजी गई**

गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर ट्रैक के किनारे पड़े सीमेंटेड स्लीपर। अमृत विचार

मगरवारा घटना से मचा हड़कंप

बुधवार रात मगरवारा के डाउन ट्रैक पर सीमेंटेड स्लीपर पड़े होने से तेजस एक्सप्रेस को गंगाघाट स्टेशन पर 27 मिनट तक रोका गया। घटना ने रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्लीपरों से यात्रियों को भी परेशानी

अप व डाउन लाइन किनारे पड़े सीमेंटेड स्लीपरों के कारण यात्रियों को प्लेटफार्म 1 से 4 तक जाने में ट्रैक पार करना पड़ता है। स्लीपर बिखरे होने से यात्रियों को चलने में दिक्कत होती है और हादसे की आशंका बनी रहती है। इसकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए।

आरपीएफ जांच में सामने आई लापरवाही

आरपीएफ इंस्पेक्टर हरीश कुमार मीणा ने बताया कि जांच में रेलवे की लापरवाही मिली है। लूप लाइन के पास गिट्टी लोडिंग का कार्य जेसीबी से हो रहा था। जेसीबी के पिछले हिस्से की ठोकर लगने से सीमेंटेड स्लीपर पटरी पर पहुंच गया। जिसकी ज्वाइंट रिपोर्ट लखनऊ मुख्यालय भेजी गई है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रुशदा अंसारी पत्नी अब्दुल रशीद निवासी मोहल्ला दरगाह शरीफ बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 17-10-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थिनी ने मोहल्ला दरगाह शरीफ बाँगरमऊ का भवन नम्बर 295 को भवन विक्रेता श्री मोहम्मद नसीम पुत्र स्व0 वशीर निवासी मोहल्ला दरगाह शरीफ बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 12-12-2023 को क्रय कर लिया है। जिसमे बड़े भाग की माप पूरब 27 फिट पश्चिम 33 फिट उत्तर 50 फिट दक्षिण 50 फिट व छोटे भाग की माप पूरब 25 फिट पश्चिम 27 फिट उत्तर 15 फिट दक्षिण 17 फिट कुल माप 1918 वर्गफीट या 178.08 वर्गमीटर उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- रास्ता इण्टर लाक चौड़ा 15 फिट पश्चिम- मकान सत्तार आदि उत्तर- प्लाट कमरुद्दीन दक्षिण- रास्ता इण्टर लाक चौड़ा 9 फिट प्रार्थिनी ने अपने उपरोक्त क्रय किये गए भवन को नगर पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

संघर्ष से मुझमें आत्मविश्वास पैदा हुआ, जो पहले मुझमें नहीं था।

–सुभाष चंद्र बोस

सुधार का विस्तार हो

दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा पर न्यायालय की सक्रियता और उसके निर्देशों का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण हर साल दोहराई जाने वाली समस्या बन चुकी है। इसे काबू करने के लिए तत्काल जरूरी उपायों के अलावा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दीर्घकालिक उपायों की रणनीति की समीक्षा कर उसे अभी से मजबूत करे, ताकि अगले वर्ष ऐसी स्थिति न आए। सवाल यह नहीं कि अदालती आदेश के बाद दिल्ली की हवा सुधरेगी या नहीं; बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह सुधार टिकाऊ होगा और क्या इसका दायरा दिल्ली से आगे बढ़ेगा? क्योंकि महज दिल्ली ही देश नहीं है। देश के दर्जनों शहर- कानपुर, लखनऊ, पटना, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद की हवा दिल्ली से कम विषैली नहीं। इन शहरों के लिए अदालत कब विचार करेगी और सरकारें कब चेतेंगी?

हवा को शुद्ध करने से पहले उसकी अशुद्धि मापना अनिवार्य है। देश के लगभग 50 प्रतिशत शहरों में पीएम 2.5 का मापन ही नहीं होता। 64 प्रतिशत जिले मॉनिटरिंग नेटवर्क से बाहर हैं। महानगरों में भी 22 से 55 प्रतिशत शहरी इलाके कवरेज से बाहर हैं और मात्र 2 प्रतिशत आबादी ही किसी मॉनिटरिंग स्टेशन के दो किलोमीटर के दायरे में रहती है। जब देश का दो प्रतिशत से भी कम हिस्सा सीधे मॉनिटरिंग कवरेज में हो और 10 किलोमीटर त्रिज्या जोड़ने पर भी यह हिस्सा दस प्रतिशत तक पहुंचे तो इतने कम सैंपल से राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता का आकलन कैसे विश्वसनीय होगा? 289 शहरों के मैनुअल मॉनिटरिंग स्टेशन सप्ताह में केवल दो बार एयर सैंपल लेते हैं। यह तकनीकी अक्षमता नीतिगत अंधेपन को जन्म देती है। मैनुअल स्टेशनों को स्वचालित, रियल-टाइम सेंसर में बदले बिना और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना न चेतावनी समय पर जा सकती है, न उपचार सटीक होगा। आज स्थिति यह है कि देश की केवल 15 प्रतिशत आबादी ही रियल-टाइम मॉनिटरिंग के 10 किलोमीटर दायरे में है। इस कवरेज को 50 प्रतिशत तक ले जाने के लिए हजारों नए स्टेशन चाहिए और इसके लिए स्पष्ट टाइमलाइन, बजट और जवाबदेही तय करनी होगी। इस अक्षमता के चलते 85 प्रतिशत शहर समय पर एयर-क्वालिटी अलर्ट जारी करने में अक्षम हैं। इसके लिए डेटा इंटीग्रेशन, नगर-स्तरीय कंट्रोल रूम, स्कूलों-अस्पतालों के लिए प्रोटोकॉल और मोबाइल-आधारित चेतावनी प्रणालियां जरूरी हैं। उतना ही जरूरी है मॉनिटरिंग स्टेशनों का नियमित ऑडिट। क्या वे तय मानक प्रोटोकॉल पर काम कर रहे हैं, सेंसर कैलिब्रेट हैं या नहीं, यह पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किया जाए।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी महज पर्यावरण मंत्रालय पर छोड़ कर वाणिज्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य, उद्योग, रेलवे, शिक्षा और शहरी विकास मंत्रालयों की भी स्पष्ट भूमिकाएं तय होनी चाहिए। प्रदूषण कोई स्थानीय आपदा नहीं, यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल है। इसे केवल न्यायालयों के भरोसे छोड़ना शासन की विफलता मानी जाएगी। अतीत गवाह है, सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालयों की फटकार से कुछ तात्कालिक कदम उठते हैं, पर जड़ में जाकर समस्या सुलझाने की राजनीतिक-प्रशासनिक इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है।

अब मनरेगा पर मचा सियासी घमासान

विवेक सक्सेना

अयोध्या

मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। इससे संसद में बवाल मच गया है। मनरेगा का नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है। शुरुआत में इस योजना का नाम नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (नरेगा) था। वर्ष 2009 में यूपीए सरकार ने इसमें बदलाव किया और महात्मा गांधी का नाम जोड़ा।

इसके बाद यह महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) कहलाने लगी। दोनों एक ही योजना हैं और नाम बदलने का उद्देश्य गांधीजी के ग्राम स्वराज के विचारों से इसे जोड़ना था। आजकल लोग इसे आमतौर पर मनरेगा ही कहते हैं। यह योजना साल 2005 में यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अगुवाई में शुरू हुई। उस समय गांवों में काम की कमी के कारण लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे थे।

इस योजना का उद्देश्य गांवों में गरीबी कम करना, बेरोजगारी दूर करना और लोगों को गांव में ही सम्मानजनक काम और कमाई देना था। पहले की कई योजनाओं, जैसे- जवाहर रोजगार योजना और संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना को मिलाकर इसे नया और मजबूत रूप दिया गया था। गांवों में रहने वाले जरूरतमंद और मेहनतकश परिवारों के लिए मनरेगा एक ऐसी सरकारी योजना है, जो जीवन का सहारा बन चुकी है। यह योजना ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी और गरीबी से लड़ने का सबसे मजबूत हथियार है।

दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना के रूप में जानी जाने वाली मनरेगा लाखों लोगों को साल भर में काम और कमाई का भरोसा देती है। यह न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि गांवों का विकास भी करती है। अब केंद्र सरकार इस योजना का नाम बदलने जा रही है। अब इसको शॉर्ट में जी राम जी कहा जा रहा है, जिसको लेकर बवाल मचा है। सरकार का तर्क है कि इससे खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों को संतुलित तरीके से मजबूती मिलेगी। रोजगार गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने का भी प्रावधान है। ग्रामीण परिवारों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा, लेकिन राज्यों को खर्च का 10-40% वहन करना होगा। फसल के मौसम में काम नहीं मिलेगा, जिससे कृषि कार्यों में मजदूरों की कमी न हो।

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को नए सांचे में ढालने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार का दावा है कि यह बिल 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मजबूत करेगा। नए बिल में यह भी प्रस्ताव है कि बुवाई और कटाई के मौसम के करीब 60 दिनों में इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा, ताकि कृषि कार्यों के दौरान मजदूरों की कमी न हो। वहीं इस बदलाव पर सियासी बहस तेज हो गई है।

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि 'राम' शब्द पर विपक्ष का विरोध उनकी सोच दर्शाता है। योजना में सुधार जैसे ग्राम पंचायत योजनाओं को पीएम गति शक्ति से जोड़ना, जल संरक्षण पर जोर, बुआई-कटाई में काम रोकना और बायोमेट्रिक सत्यापन से फर्जीवाड़ा रुकना ग्रामीण आय व इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और मजदूरों को अधिक रोजगार उपलब्ध होगा।

विपक्ष ने इस बिल को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि इससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और गरीबों का नुकसान होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह कानून मनरेगा को केंद्र के नियंत्रण का औजार बना देगा। बजट और नियम केंद्र तय करेगा, जबकि राज्यों पर अतिरिक्त बोझ डाला जाएगा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को यह योजना हमेशा खटकती रही और 10 सालों से इसे कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। आज वो मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सरकार पर योजनाओं के नाम बदलने की 'सनक' का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी, बल्कि राज्यों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होगा। बिहार में भी इस बिल को लेकर सियासत गर्म है। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि केंद्र सरकार का कोई नया विजन नहीं है और वह यूपीए काल की योजनाओं का नाम बदलकर अपनी उपलब्धि बता रही है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि महात्मा गांधी केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रेरणा हैं। बापू रामराज की स्थापना की बात कहते थे। पता नहीं 'विकसित भारत- जी राम जी' के नाम पर विपक्ष क्यों भड़क गया। उनका संकल्प था कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण हो। उन्होंने दावा किया कि यह बिल गरीबों के सम्मान और गांधीजी के सपनों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

यह भी उल्लेखनीय है कि मजदूरी के दिवस बढ़ाने के साथ राज्यों को वर्ष में 60 दिन काम रोकने का अधिकार दिया गया है। इसकी मांग भी होती थी। सरकार इस अधिनियम में बदलाव के जरिए ग्रामीण विकास को एक ऐसी दिशा देना चाहती है, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उचित यह होगा कि संसद में इस विधेयक के गुण-दोष के आधार पर व्यापक बहस हो, जिससे कि इस अधिनियम को कहीं प्रभावी रूप दिया जा सके। सुधार की पहल के अतिरंजित विरोध से बचा जाना चाहिए।

मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है।

आमने

अधिकारियों का काम था कि फोटो से सत्यापित करके लाते। उन (नीतीश कुमार) के दिमाग में रहा होगा कि वही हैं या कोई अलग हैं, इसलिए हिजाब हटा दिया होगा। इसे अलग तरह से नहीं लेना चाहिए। नकाब पर आप लोग इतना कह रहे हैं। कहीं चेहरा-वेहरा छू लेते तब क्या करते आप लोग?

–संजय निषाद
मंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

ये इनकी महिला विरोधी सोच को दिखाता है। एक गलत काम को सही साबित करने के लिए एक महिला की इज्जत को, उसके सम्मान को दरकिनार किया जा रहा है। चाहे वो बीजेपी हो या बीजेपी के सहयोगी दल। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, ये सब महिला विरोधी मानसिकता वाले लोग हैं।

–प्रियंका चतुर्वेदी
नेता, शिवसेना (यूबीटी)

2025 के तीन बड़े आर्थिक सुधार और उम्मीदें

प्रो. एचसी पुरोहित

दून विश्वविद्यालय

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, क्योंकि इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलेगी। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा देश की श्रम शक्ति को समर्पित लंबे अंतराल के बाद श्रम कानून में सुधार की तीन श्रम संहिताएं प्रमुख हैं। इन सुधारों का असर दिखना शुरू हो गया है। आज विश्व में तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख टेक कंपनियां भारत में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। हाल के वर्षों में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़न जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में कई अरब डॉलर निवेश की परियोजनाएं प्रारंभ करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह निवेश तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने, विनिर्माण को गतिशील बनाने के साथ ही रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगा।

निवेशकों का यह उत्साह वैश्विक स्तर पर भारत की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता तथा अन्य देशों की तुलना में अधिक विश्वसनीयता को समझा जा सकता है। तकनीकी क्षेत्र की इन तीन कंपनियों द्वारा भारत में तेजी से उभरते डिजिटल बाजार में निवेश की योजना, भारत की विकासोन्मुखी और निवेश-अनुकूल नीति को भी प्रदर्शित करती है। तकनीकी परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार सृजन के साथ-साथ एआई, क्लाउड, मशीन लर्निंग, डेटा प्रोसेसिंग-प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तकनीकी कौशल प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे, जो औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के सुचारु संचालन में सहायक होंगे। देश में डिजिटल केंद्रों के विस्तार से नागरिक सेवाओं का विस्तार और उनका सुचारु संचालन संभव होगा। विशेष तौर पर कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, स्वास्थ्य, ट्रैफिक, बैंकिंग, शिक्षा, बीमा इत्यादि सेवाओं के संचालन को एआई की मदद से गति मिलेगी, जिससे आर्थिक अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ना तय है।

भारत के उपभोक्ता वैश्विक आशावाद में सबसे आगे हैं, जैसा कि बीसीजी ग्लोबल कंज्यूमर रडार की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि ऑटोमोबाइल और मोबाइल जैसी वस्तुओं के क्रय में उनका खर्च करने का इरादा है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट है कि 62% भारतीय उपभोक्ता दैनिक जीवन की खरीदारी के लिए जेनरेटिव एआई (Generative AI) टूल का उपयोग कर रहे हैं, इस कारण भारत उपभोग के लिए एआई अपनाने में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश बन गया है।

भारत के उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति विश्वास और खर्च करने का इरादा भारत के घरेलू उपभोग चक्र में महत्वपूर्ण वृद्धि ला रहा है। इससे ऑटोमोबाइल, मोबाइल उपकरण और खुदरा क्षेत्रों को लाभ होने की संभावना है। उपभोक्ताओं की इस प्रवृत्ति का लाभ उठाने में वे ब्रांड या कंपनियां सर्वोत्तम स्थिति में होंगे, जो तकनीकी मदद से वस्तुओं का क्रय-विक्रय कर रहे हैं। भारतीय उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति यह लचीलापन देश का एक मजबूत आर्थिक आधार एवं पारदर्शी तंत्र का संदेश देता है।

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। एडीबी की रिपोर्ट से पूर्व फिच और आरबीआई ने भी भारत की विकास को तेज गति से बढ़ने का पूर्वानुमान किया है। इसका प्रमुख कारण भारत की दीर्घकालीन सुधारवादी नीतियां हैं, जिनके कारण विनिर्माण क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन भी निरंतर सुधर रहा है, जो अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को गतिशील बनाए रखने में सहायक हो रहा है।

इस वर्ष हुए तीन बड़े सुधारों का आर्थिक मोर्चे पर प्रभाव आने वाले समय में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के जारी रहने से घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को लगातार गति मिल रही है और इस योजना का असर पिछले कुछ वर्षों के निर्यात में भी दिखा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ दर बढ़ने के बावजूद भी भारत का निर्यात 19.3 फीसदी बढ़कर छह माह के उच्चतम स्तर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंचा है और व्यापार घाटा पांच माह के निचले स्तर पर 24.53 अरब डॉलर पर पहुंचा है, जबकि आयात 1.88 फीसदी घटकर 62.66 अरब डॉलर रह गया है। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और आर्थिक सुधारों से बेरोजगारी दर अप्रैल माह के बाद घटकर नवंबर में 4.7 फीसदी रह गई है, जैसा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वे इंगित कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था कि यह वृद्धि सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, इसका ग्रामीण इलाकों में भी व्यापक प्रभाव दिख रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की भी क्रय शक्ति में खासा इजाफा हो रहा है, जैसा कि नाबार्ड के आठवें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) इशारा कर रहे हैं कि पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं। नाबार्ड के अध्ययन से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष खपत की रफ्तार तेज रही है और इसके और बढ़ने की उम्मीद है।

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा श्रम कानून में सुधार प्रमुख हैं। इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

प्रसंगवश

'रख दे कोई जरा सी खाके वतन कफन में'

19 दिसंबर 1927 को आज के ही दिन काकोरी कांड के अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां एवं ठाकुर रोशन सिंह हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। उनकी इस शहादत ने नौजवानों के दिलों में आजादी की ज्वाला को भड़का दिया। अंग्रेज सरकार के खिलाफ पूरे देश में गहरा आक्रोश फैल गया। नौजवान सिर पर कफन बांधकर जंगे आजादी में कूद पड़े।

देश की पराधीनता के दिन थे। भारत माता परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ी हुईं थीं। अंग्रेज शासकों के देश की जनता पर दमन एवं अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। पूरे देश में लोगों के दिलों में आजादी की आग सुलग रही थी। देश की आजादी के लिए नौजवानों ने सशक्त क्रांति का मार्ग अपनाया। सशस्त्र क्रांति के लिए हथियारों की जरूरत थी। हथियार खरीदने के लिए धन कहां से जुटाया जाए? यह समस्या क्रांतिकारियों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। काफी विचार-विमर्श के बाद क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाने को लूटने का निर्णय लिया।

सुरेश बाबू मिश्रा

लेखक

प्रखर, क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में इस खजाने को लूटने की योजना बनाई गई। अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र लाहिड़ी इस योजना में शामिल थे। योजना के अनुसार सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में कुछ नौजवान क्रांतिकारी यात्रियों के रूप में सवार हुए। जैसे ही ट्रेन काकोरी स्टेशन से आगे बढ़ी क्रांतिकारियों ने चैन पुलिंग कर ट्रेन को रोक लिया। उस स्थान पर कुछ सशस्त्र क्रांतिकारी नौजवान पहले से ही खड़े थे। यह घटना नौ अगस्त 1925 में काकोरी स्टेशन के पास घटी, इसलिए इतिहास में इसे काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है।

क्रांतिकारियों की इस दुःसाहसिक वारदात को देखकर अंग्रेज दंग रह गए। अंग्रेज शासकों का दमन चक्र तेज हो गया। देशभर में क्रांतिकारियों की धर पकड़ तेज हो गई। रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी सहित 22 नौजवान क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इन्हें अलग-अलग जेलों में कैद कर उनके खिलाफ सरकारी खजाने की लूट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा चलाया गया। 18 महीने तक चले मुकदमे के बाद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई गई। शेष क्रांतिकारियों को आजन्म कारावास की सजा मिली।

19 दिसंबर सन 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दी गई। फांसी के तख्ते पर खड़े होकर उन्होंने एक शेर पढ़ा, "अब न अहले वलवले हैं और न अरमानों की भीड़, एक मिट जाने की हसरत अब दिले बिस्मिल में है।" अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद जिले में फांसी पर लटकाया गया। फांसी का फंदा चूमने से पहले उन्होंने यह शेर कहा, "कुछ आरजू नहीं है, है आरजू तो यह है, रख दे कोई जरा-सी, खाके-वतन कफन में।" फिर भारत माता की जय का नारा लगाते हुए वे फांसी के तख्ते पर झूल गए। ठाकुर रोशन सिंह को इलाहाबाद जेल में 19 दिसंबर को फांसी दी गई। जैसे ही जेलर का बुलावा आया, वे हाथ में गीता पकड़े मुस्कराते हुए चल दिए। फांसी के तख्ते पर चढ़ते ही उन्होंने 'वंदे मातरम्' का उद्घोष किया और शहीद हो गए। चौथे नौजवान क्रांतिकारी राजेंद्र लाहिड़ी को तेजी से बढ़ रहे जनाक्रोश से भयभीत अंग्रेज अफसरों ने गोंडा जेल में घोषित तिथि से दो दिन पहले ही फांसी दे दी। फांसी को फंदे को चूमने से पूर्व उन्होंने वंदे मातरम् का जयघोष किया। फिर उन्होंने मुस्कराते हुए फांसी का फंदा गले में डाल लिया।

सोशल फोरम

कला के दो दिग्गज भाई बलराज और भीष्म

रंजन शर्मा

रिटायर ऑफिसर

बलराज साहनी और भीष्म साहनी : दो भाई, दो दिग्गज। कुछ रिश्ते सिर्फ खून के नहीं होते, वो इतिहास रचते हैं। बलराज साहनी और भीष्म साहनी ऐसे ही दो नाम हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा और साहित्य को एक नई दिशा दी। बलराज साहनी, भारतीय सिनेमा के सबसे सशक्त और सहज अभिनेताओं में से एक थे। 'दो बीघा जमीन' का संघर्षशील किसान हो या 'काबुलीवाला' की इंसानियत, या 'वक्त' का ज़िम्मेदार पिता- उन्होंने हर किरदार को जीवन से भर दिया। उनकी आखिरी फिल्म 'गर्म हवा' आज भी विभाजन की त्रासदी को सबसे मार्मिक ढंग से दिखाती है। वे केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक चिंतक, लेखक और समाज के लिए आवाज़ उठाने वाले इंसान थे।

भीष्म साहनी, छोटे भाई, लेकिन साहित्य की दुनिया के विशाल स्तंभ। उपन्यास 'तमस' ने जैसे भारत के बंटवारे की पीड़ा को शब्दों में उकेर दिया। उन्होंने आम आदमी की कहानियों को गहराई और सच्चाई के साथ कहा। सिर्फ लेखक नहीं, मंच और फ़िल्मों के भी उम्दा कलाकार थे। 'मोहन जोशी हाज़िर हों!' और 'मिस्टर एंड मिसेज अय्यर' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय भी यादगार रहा।

एक ने परदे पर कहानियां जीवंत कीं, तो दूसरे ने काग़ज़ पर, लेकिन दोनों के दिलों में एक ही आग थी- सच्चाई को सामने लाने की, समाज को जगाने की। इन दो महान आत्माओं की विरासत हमें आज भी प्रेरणा देती है। यही सच्ची कला की ताक़त है।

सामयिकी

युद्ध में आम इंसानों को निशाना बनाने पर चिंता

मौजूदा दौर में समूची दुनिया में लगातार गहराती हिंसा, युद्ध, जातीय संघर्ष और धार्मिक उन्माद चिंता का विषय बने हुए हैं। कई देशों में आम नागरिक सीधे निशाने पर हैं, कहीं घर उजड़ रहे हैं और कहीं सत्ता के संघर्ष में निर्दोष लोग बलि चढ़ रहे हैं। इस वैश्विक चिंता के दौर में हाल ही में जनसंहार की रोकथाम का जिम्मा संभालने के लिए संयुक्त राष्ट्र में नव नियुक्त सलाहकार चलोका बेयानी ने पूरी दुनिया को आगाह करते हुए कहा कि अनेक देशों में टकरावों और युद्धों के दौरान आम लोगों को जानबूझ कर निशाना बनाए जाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे अत्याचार और गंभीर मानवाधिकार अपराधों का जोखिम तीव्र गति से बढ़ा है। उन्होंने नौ दिसंबर को जनसंहार के भुक्तभोगियों की समृति व गरिमा और इस अपराध की रोकथाम के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर इस बात पर भी चिंता जताई है कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट एक बेहद खतरनाक संकेत है।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

बेयानी की यह चेतावनी एक ओर जहां समस्या की गंभीरता को दर्शाने वाली है, वहीं पूरी मानवता के सामने संकट को व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। इसी के साथ यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत को लेकर विश्व के किसी भी मंच पर इस प्रकार की कोई आशंका व्यक्त नहीं की गई है। इस बात पर हर देशवासी को गर्व होना चाहिए कि समूचा विश्व आज भी भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखता है, जहां विविध संस्कृतियों, भाषाओं, खान-पान, जाति-धर्मों के बावजूद परस्पर सहयोग, शांति, समन्वय और लोकतांत्रिक संतुलन कायम है।

दुनिया में हमारा देश ही ऐसा है, जहां सैकड़ों भाषाएं, अनेक धर्म, दर्जनों जातियां और अनगिनत सांस्कृतिक धाराएं एक साथ बहती चली आ रही हैं। अनेक विविधताओं के बावजूद हमारा समाज आज भी सहअस्तित्व, भाईचारे और सहयोग की भावना को अपने में समेटे हुए है। हमारे गांवों से लेकर शहरों तक, सबका अलग पहनावा है। अलग बोली है। अपने-अपने त्योहार हैं। अलग खान-पान है, फिर भी सब एकजुटता से परिवार, समाज और देश को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। इसी मजबूत आधार पर देश खड़ा है और यह संदेश देता प्रतीत होता है कि अगर दृढ़ इच्छा हो तो विविधता को भी सबसे बड़ी ताकत बनाया जा सकता है।

इस बात को स्वीकारना होगा कि बीते कुछ सालों में देश के कुछ हिस्सों से हिंसा और सामाजिक तनाव की चंद घटनाएं सामने आई हैं। कहीं भीड़ के हाथों किसी की जान गई है। कहीं धार्मिक पहचान को लेकर आंशिक टकराव की स्थिति बनी है। कहीं उत्तेजक बयान देने वालों ने सामाजिक एकता में विष घोलने का प्रयास किया है, मगर ऐसी घटनाओं की संख्या, उनका प्रभाव और उनके फैलाव को हम भारत की विशाल जनसंख्या और व्यापक सामाजिक ढांचे के संदर्भ में देखें तो यह कोई बड़ी बात नजर नहीं आती। हमारा संविधान इस मामले में देश की ढाल बना हुआ है, जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, समान सुरक्षा और समान अवसर की गारंटी देता है।

संयुक्त राष्ट्र सलाहकार बेयानी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब किसी क्षेत्र में इन जोखिमों का स्वरूप लगातार हिंसक होने लगता है, तब उनका कार्यालय चेतावनियां जारी करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित किया जाता है। इस प्रक्रिया में संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठनों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रणालियों से भी निकट संपर्क रखा जाता है। वह कहते हैं कि जब एक बार खतरे की घंटी बज जाती है, तो इसका अर्थ यह होता है कि संकट अपनी सीमा लांघने के बेहद करीब पहुंच चुका है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

सूर्य चिकित्सा

खरी है आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर

आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में धूप स्नान या सूर्य की किरणों से उपचार की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है, जिसे आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा पाया गया है। युवा वैज्ञानिक और शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय ने इस विषय पर गहराई से अध्ययन किया तो सुखद व आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए हैं। प्रकाश चिकित्सा विज्ञान (मेडिकल साइंस) में क्रांतिकारी हथियार के रूप में उभर रहा है। इसे फोटोमेडिसिन या प्रकाश चिकित्सा कहा गया है, जिससे प्रकाश की किरणें बीमारियों से लड़ने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। यह न केवल त्वचा की समस्याओं का इलाज करती है, बल्कि मांसपेशियों को मजबूत करने, आंतों के सूक्ष्म जीवों को संतुलित करने और यहां तक कि कैंसर जैसी जटिल बीमारियों पर नियंत्रण पाने में सहायक सिद्ध हो रही है। शोधार्थी डॉ. उपाध्याय के शोध ने आंतों के सूक्ष्म जीवों और मांसपेशियों के बीच के रहस्य को उजागर किया है। साथ ही प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति से जुड़ाव और भारत में इसके उपयोगी अनुप्रयोगों पर विस्तार से बताया है। हाल ही में प्रकाशित शोध 'प्रकाश संवर्धन द्वारा आंतों के सूक्ष्म जीवों के माध्यम से मांसपेशियों को मजबूत करना' ने फोटो मेडिसिन को एक नई दिशा दी है। यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। *–मार्कण्डेय पाण्डेय*

शोध में निकले नतीजे

- गैर-आक्रामक फोटो बायोमॉडुलेशन थेरेपी मांसपेशी सहनशक्ति बढ़ाती है।
- पेट पर प्रकाश लागू करने से आंत मांसपेशी अक्ष पुनर्गठित होता है।
- यह उपचार तीव्र व्यायाम से बिगड़े आंत माइक्रोबायोटा को संतुलित करता है।
- शॉर्टचेन फैटी एसिड उत्पादक बैक्टीरिया को बढ़ाता है।
- रोगजनक जीवाणुओं को घटाता है और जैव-विविधता में वृद्धि करता है।
- इससे मांसपेशियों की थकान घटती है और माइटोकॉन्ड्रिया की ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- पहली बार सिद्ध हुआ है कि बाहरी प्रकाश बिना किसी औषधि या शल्य-प्रक्रिया के आंतों के सूक्ष्मजीवों को प्रभावित कर सकता है। यह खोज आयुर्वेद की "सूर्य चिकित्सा" की आधुनिक पुनर्व्याख्या के समान है।

आधुनिक फोटो मेडिसिन का प्रारंभ

भारत में हजारों वर्ष से सूर्य चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियां प्रचलित हैं, लेकिन आधुनिक दौर में 1970 के दशक में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में लेजर तकनीक सामने आई। यहां पर स्थित वेलमैन सेंटर ने इसे चिकित्सा क्षेत्र में इसका प्रयोग शुरू किया। अब यह सेंटर विश्व का सबसे बड़ा शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र है, जो प्रकाश के जीवविज्ञान और चिकित्सा पर प्रभावों की जांच करता है। यहां प्रकाशिकी, फोटॉनिकी, अभियंत्रण, रसायन विज्ञान, भौतिकी और उन्नत जैविक तकनीकों पर शोध चल रहे हैं। इस केंद्र के अनुसंधान से विकसित 26 से अधिक चिकित्सीय नवाचार वर्तमान में उपयोग में हैं। इनमें लगभग 20 प्रमुख प्लेटफॉर्म तकनीकें शामिल हैं, जिनके अनेक अनुप्रयोग हैं और 40 से अधिक स्टार्टअप कंपनियां इन पर आधारित हैं। उदाहरण के तौर पर लेजर द्वारा बाल हटाने, टैटू मिटाने, ऊतक मरम्मत (झुर्रियां, निशान और त्वचा की रंगत सुधारने) जैसी तकनीकें अब सामान्य चिकित्सा का हिस्सा बन चुकी हैं।

प्राचीन ज्ञान व आधुनिक विज्ञान का संगम

भारत में प्रकाश चिकित्सा का इतिहास प्राचीन है। आयुर्वेद में सूर्य चिकित्सा या सूर्योपासना का उल्लेख मिलता है, जिसमें सूर्य की किरणों से शरीर के दोषों– वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की विधियां बताई गई हैं। 'त्राटक' जैसी विधियां, जहां दीपक की लौ पर दृष्टि केंद्रित की जाती है। यह सभी विधियां आधुनिक फोटोथेरेपी के सिद्धांतों से मेल खाती हैं। हाल के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सूर्य प्रकाश शरीर के चक्रों को सक्रिय कर ऊर्जा संतुलन स्थापित करता है, जो फोटो बायोमॉडुलेशन के सिद्धांतों के समान है।

भारत में सस्ता, सुरक्षित चिकित्सा विकल्प

भारत में जहां लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है, फोटो मेडिसिन विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। प्रकाश आधारित उपचार गैर आक्रामक हैं, इनमें न दर्द है न दवा का दुष्प्रभाव। उपकरण भी किफायती हैं। साधारण एलईडी युक्त चिकित्सा उपकरण 5 हजार से 10 हजार रुपये तक में उपलब्ध हैं। यह चिकित्सा विधि वृद्धावस्था में मांसपेशी कमजोरी, आंत–संबंधी विकार, थकान, मधुमेह और संक्रमण जैसी स्थितियों में सहायक सिद्ध हो सकती है। व्यायाम के साथ इनका प्रयोग मांसपेशियों की पुन :स्थापना की गति को लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह घाव भरने और संक्रमण नियंत्रण के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है। डॉ. प्रभात उपाध्याय जैसे शोधकर्ता इस क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टि से योगदान के साथ आयुर्वेदिक परंपराओं को आधुनिक प्रमाणों से जोड़ रहे हैं। भारत में प्रकाश चिकित्सा करोड़ों लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और सुरक्षित स्वास्थ्य प्रणाली का रूप ले सकती है। वास्तव में प्रकाश ही भविष्य है, भारत उसका उज्ज्वल अध्याय लिखने की दहलीज पर है।

लेजर कृत्रिम प्रकाश पर आधारित है आधुनिक विज्ञान

आधुनिक विज्ञान लेजर और कृत्रिम प्रकाश पर केंद्रित है, वहीं आयुर्वेद प्राकृतिक प्रकाश को उपचार का साधन मानता है। त्रिफला जैसी औषधियों के साथ प्रकाश चिकित्सा का संयोजन भविष्य की समग्र (होलिस्टिक) चिकित्सा प्रणाली का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

जंगल की दुनिया

सिवेट पाम: भारत का रहस्यमयी निशाचर जीव

भारत की समृद्ध जैव-विविधता में सिवेट पाम एक ऐसा स्तनधारी है, जिसके बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी है। यह भारत में पाई जाने वाली सबसे व्यापक सिवेट प्रजातियों में से एक है। अत्यधिक शुष्क पश्चिमी क्षेत्रों को छोड़कर यह लगभग पूरे देश में पाई जाती है। जंगलों के साथ-साथ ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी गई है। अपने निशाचर स्वभाव के कारण यह दिन में छिपी रहती है और रात के समय सक्रिय होकर भोजन की तलाश में निकलती है।

सिवेट पाम को ताड़ के फलों के प्रति विशेष लगाव होता है, इसी वजह से इसका नाम सिवेट पाम पड़ा। हालांकि इसे आम बोलचाल में सिवेट कैट या टॉडी कैट कहा जाता है, लेकिन यह बिल्ली परिवार का सदस्य नहीं है। इसका शरीर लंबा और पतला होता है, चेहरे पर नुकीली बनावट और लंबी, घनी पूंछ इसकी पहचान है। इसकी चाल-ढाल और फुर्ती इसे अन्य छोटे मांसाहारी जीवों से अलग बनाती है। इस प्रजाति की एक खास बात यह है कि यह मानव बस्तियों के आसपास भी आसानी से रह लेती है। पारंपरिक घरों की छप्पर वाली छतें, पुराने गोदाम, सूखी नालियां, बाहरी शौचालय और सुनसान कोने इसके पसंदीदा आश्रय स्थल होते हैं। दिन के समय यह इन्हीं स्थानों में छिपकर आराम करती है और रात ढलते ही भोजन की खोज में निकल पड़ती है। इसका भोजन मुख्य रूप से फल, कीड़े-मकोड़े और छोटे जीव होते हैं। निशाचर और अत्यंत सतर्क स्वभाव के कारण सिवेट पाम को प्रत्यक्ष रूप से देख पाना मुश्किल होता है। यही वजह है कि वन्यजीव विशेषज्ञ इसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप और दूरस्थ निगरानी उपकरणों का सहारा लेते हैं। इन अध्ययनों से पता चलता है कि यह जीव पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फलों को खाने के बाद बीजों को अलग-अलग स्थानों पर छोड़कर यह प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों के प्रसार में योगदान देता है।

आज बदलते पर्यावरण, आवासों के नष्ट होने और मानवीय गतिविधियों के कारण सिवेट पाम के प्राकृतिक ठिकानों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद यह जीव मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक अनोखा उदाहरण है। सिवेट पाम का संरक्षण न केवल इस प्रजाति के लिए, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

पृथ्वी की है एक चुंबकीय पूंछ

सुनकर अजीब लगता है कि पृथ्वी की एक पूंछ भी है और यह बहुत लंबी है। यह चुंबकीय पूंछ अंतरिक्ष में 20 लाख किलोमीटर लंबाई में फैली हुई है। यह पूंछ नंगी आंखों से दिखाई नहीं देती, लेकिन अंतरिक्ष में घूमने वाले हमारे उपग्रह और दूरबीन इसे देख सकते हैं। सौर मंडल में हमारी पृथ्वी ब्रह्मांडीय वातावरण की ताकतों के साथ कैसे अपना अस्तित्व कायम रखती है , यह पूंछ के बारे में वैज्ञानिक जानकारी जुटाने से मालूम होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र या मैग्नेटोस्फीयर एक कुदरती फिनॉमिना है, जो हमारे लिए एक अदृश्य ढाल है, जो हमें कॉस्मिक और गामा किरणों के अलावा एक्स–रेज के प्रभाव और सौर–तूफानों से बचाता है। इस चुंबकीय क्षेत्र के परिणामस्वरूप पृथ्वी के उत्तरी अक्षांशों में नीली–पीली रौशनी अर्थात ऑरोरा दिखने की शानदार ब्रह्मंडलीय घटनाएं होती हैं।

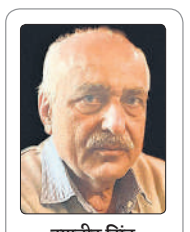

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

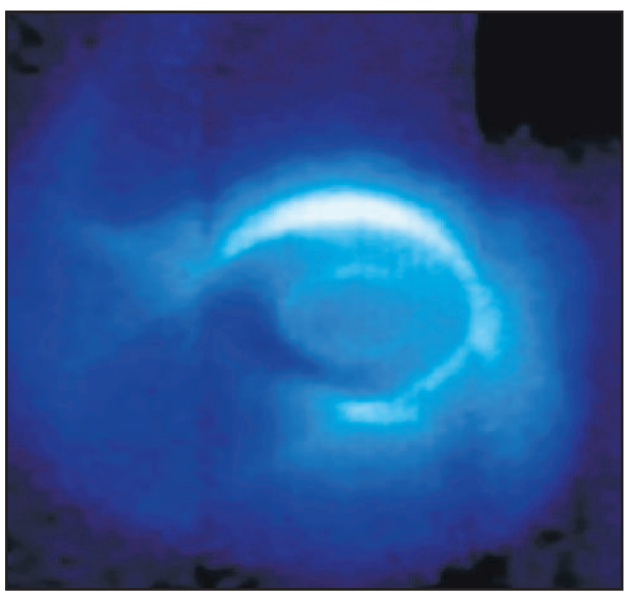

पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर

मैग्नेटोस्फीयर पृथ्वी के बाहरी कोर के अंदर पिघली हुई धातुओं की गति अर्थात डायनामिक्स ऑफ अर्थ्स मैटेलिक कोर के कारण बनता है। यह चुंबकीय क्षेत्र सूर्य की सतह के नीचे मौजूद प्लाज्मा से बाहर की तरफ तेज आंधी के तरह निकलने वाले आवेशित ऊर्जा कणों सोलर कोरोनल मॉस इजेक्शन को फंसाता और निर्देशित करता है। पृथ्वी का अपना एक चुंबकीय क्षेत्र है, यह अच्छी तरह से ज्ञात है, लेकिन इस बाबत पूरे तौर से मालूम नहीं कि हमारे ग्रह और चुंबकीय क्षेत्र का रिश्ता कितना गहरा है और यह पूंछ की शक्ल में क्यों दिखाई देता है? इसकी वास्तविकता अब उन्नत अंतरिक्ष अन्वेषी उपकरणों द्वारा इसे देखे और दर्ज किए जाने के बाद ही मालूम हुई। अब यह अनेक खगोल विज्ञानियों का ध्यान आकर्षित कर रही है ताकि इसकी प्रकृति और भूमिका के बारे में अधिक तथ्य जुटाए जा सकें।

धूमकेतु या अन्य खगोलीय पिंडों पर देखी जाने वाली पूंछों के विपरीत, पृथ्वी की पूंछ अदृश्य और बहुत कम स्पष्ट है। यह पूंछ प्लाज्मा से बनी है, जो चार्ज कणों से बनी एक गैस है और जिसे मैग्नेटोस्फीयर पकड़ लेता है। जैसे ही सौर विकिरण या पवन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराता है वे इस पृथ्वी के पिघले हुए मैटेलिक कोर प्लाज्मा को पीछे धकेलती हैं। इसी के प्रभाव से एक पूंछ बनती है, जो लाखों किलोमीटर तक खिंच जाती है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सौर हवा के बीच इंटरैक्शन का के परिणाम को हम एक बूंद की उपमा से समझ सकते हैं। सौर हवा पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर को एक आंसू के आकार में बदल देती है, जिसकी पूंछ पीछे की ओर फैली होती है। इससे अंतरिक्ष में एक जटिल और गतिशील संरचना बनती है, जोकि बहुत सुंदर दिखती है। इस विशाल संरचना को औपचारिक रूप से मैग्नेटोटेल नाम दिया गया है। यह पूंछ पृथ्वी ग्रह के वायुमंडल से बहुत दूर तक फैला हुआ है। यह स्थिर भी नहीं है और सौर-पवन की तीव्रता और दिशा परिवर्तन की वजह से लहराता भी है। अर्थात सौर हवाओं की ताकत के आधार पर यह पूंछ अपना आकार बदलती है। सौर हवा सूर्य से निकलने वाले चार्ज्ड कणों का एक निरंतर प्रवाह है, जोकि कभी तेज, कभी बहुत तेज और कभी अत्यंत प्रबल हो जाता है। जब ये कण पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के साथ इंटरैक्ट करते हैं, तो वे उतार-चढ़ाव पैदा करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप मैग्नेटोटेल खिंचता और सिकुड़ता है। जब सौर गतिविधि विशेष रूप से तीव्र होती है, जैसे कि सौर ज्वालाओं या कोरोनल मास इंजेक्शन के दौरान, तो मैग्नेटोटेल में काफी बदलाव हो सकता है। दशकों के अंतरिक्ष अन्वेषण के बावजूद, मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति हमारे ग्रह की अंतरिक्ष के साथ सक्रिय होने के अनजान और रहस्यमय पहलुओं में से एक है।

अनजान और रहस्यमय मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति

जब सोलर एक्टिविटी ज्यादा होती है, जैसे कि सोलर फ्लेयर्स के समय, तो पूंछ में बहुत ज्यादा बदलाव आ सकता है और इससे सैटेलाइट ऑपरेशन, कम्युनिकेशन और यहां तक कि पृथ्वी पर पावर ग्रिड भी प्रभावित हो सकते हैं। मैग्नेटोटेल और सोलर हवा के इंटरैक्शन की डायनामिक्स को समझना स्पेस वेदर का अनुमान लगाने और आधुनिक टेक्नोलॉजिकल सिस्टम को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। पूंछ में प्लाज्मा पृथ्वी के रात वाले हिस्से से एक वापसी पैटर्न में सूर्या की तरफ बहता है, जिससे यह अंतरिक्ष में कणों की बहती नदी जैसा दिखता है। प्लाज्मा का सूर्य की ओर वापस प्रवाह एक जटिल प्रणाली का सिर्फ एक हिस्सा है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पृथ्वी और सूर्य की शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है। हालांकि मैग्नेटोटेल सीधे पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन यह हमारे ग्रह के आसपास के व्यापक अंतरिक्ष परिवेश पर गहरा प्रभाव डालता है। असल में पृथ्वी की मैग्नेटो–शील्ड ही पृथ्वी को नुकसानदायक सौर और कॉस्मिक रेडिएशन से बचाकर धरती पर जीवन को फलने–फूलने देती है। स्पेस वेदर में मैग्नेटोटेल की एक महत्वपूर्ण भूमिका होने का अनुमान है। अभी जोर इस बात पर है कि पृथ्वी की मैग्नेटोटेल की मैपिंग की जाए। इस पूरी स्थिति को लेबोरेटरी में दोहराया गया है। इस तरीके को सिमुलेशन कहते हैं, जिसके नतीजे हमें यह समझने में मदद करते हैं कि मैग्नेटोटेल इन सौर हवा के बदलावों पर कैसे और कितनी तेजी से प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका में गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के कम्युनिटी कोऑर्डिनेटेड मॉडलिंग सेंटर में सौर हवा और पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के इंटरैक्शन के लिए मिशिगन विश्वविद्यालय के बीएटीएस–आर–यूएस ग्लोबल मैग्नेटो–हाइड्रोडायनामिक मॉडल को उपर्युक्त सिमुलेशन स्टडी के लिए इस्तेमाल किया गया है। दूर के मैग्नेटोटेल के आकार से जुड़े एक लंबे समय से चले आ रहे सवाल को हल करने के अलावा, सिमुलेशन अध्ययन दिखाता है कि सौर हवा में बदलाव के प्रति इसकी प्रतिक्रिया बहुत तेज होती है। चूंकि मैग्नेटोटेल को नए कॉन्फिगरेशन में बदलने में एक या ज्यादा घंटे लगेंगे, इसलिए 10–15 मिनट की प्रतिक्रिया में कोई दूसरी, तेज प्रक्रिया शामिल होनी चाहिए। परिणाम बताते हैं कि यह प्रक्रिया पृथ्वी के डे–साइड मैग्नेटोपॉज पर मैग्नेटिक रिकनेक्शन है। सौर हवा का प्रवाह नए सिरे से जुड़े इंटरप्लेनेटरी और मैग्नेटोस्फेरिक मैग्नेटिक फील्ड लाइनों को सूर्य से दूर ले जाता है और उन्हें तुरंत मैग्नेटोटेल स्थानों पर जमा कर देता है, जो इनिशियल मॉस फंक्शन ओरिएंटेशन पर निर्भर करते हैं। नतीजतन, मैग्नेटोटेल के आकार, आकृति और संरचना पर भविष्य का काम दूर, डेसाइड मैग्नेटोपॉज पर रिकनेक्शन की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण सुराग भी प्रदान कर सकता है। इनिशियल मॉस फंक्शन तारों के बनने के समय उनकी आबादी के लिए द्रव्यमान के डिस्ट्रीब्यूशन का वर्णन करता है, जो तारे बनने और गैलेक्सी के विकास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनिशियल मॉस फंक्शन एक अनुभवजन्य फंक्शन है, जो किसी दिए गए क्षेत्र में बने तारों के द्रव्यमान के शुरुआती डिस्ट्रीब्यूशन को दिखाता है। इसे आमतौर पर एक प्रोबेबिलिटी डेंसिटी फंक्शन के रूप में व्यक्त किया जाता है, जो तारे के बनने के दौरान एक विशिष्ट द्रव्यमान होने की संभावना को बताता है। इनिशियल मॉस फंक्शन खगोलविदों के लिए जरूरी है, क्योंकि यह अलग–अलग तारों के बनने और विकास को गैलेक्सी बनने और विकास के व्यापक संदर्भ से जोड़ने में मदद करता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,481.81	25,815 .55
गिरावट	77 .84	3
प्रतिशत में	0 .09	0 .01

सोना 1,36,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,07,600 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक को जीएसटी नोटिस जारी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक को आयकर विभाग ने कम जीएसटी भुगतान को लेकर 238 करोड़ का नोटिस भेजा है। बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे महाराष्ट्र माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत संबंधित प्राधिकरण से एक आदेश मिला, जिसमें 237,90,04,448 रुपये की जीएसटी मांग है। इसमें 216,27,31,316 रुपये कर और 21,62,73,132 रुपये जुर्माना हैं। इसमें ब्याज भी है। वह पहले भी ऐसे ही मामलों में जारी आदेशों और कारण बताओ नोटिस पर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। हालांकि, इस मामले में राशि अधिक होने के कारण इसकी जानकारी सार्वजनिक की गई है।

पीपीएसएल को काम की आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की अनुषंगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक से ऑफलाइन भुगतान और सीमा पार लेनदेन के लिए पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने की अनुमति मिल गई है। केंद्रीय बैंक ने पीपीएसएल को ऑनलाइन भुगतान की पिछले महीने अनुमति दे दी थी। पेटीएम ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 17 दिसंबर को पीपीएसएल को ऑफलाइन भुगतान एवं सीमा-पार लेनदेन के लिए भुगतान एग्रीगेटर के रूप में संचालन की अनुमति प्रदान की।

ग्रामीण बैंकों के लिए नया प्रतीक चिह्न जारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए नया प्रतीक चिह्न गुरुवार को जारी किया। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने एक राज्य एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सिद्धांत पर, 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का एकीकरण किया है, जो एक मई 2025 से प्रभावी हो गया। यह सुधार अधिक सशक्त एवं कुशल आरआरबी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में 28 आरआरबी 700 से अधिक जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। यह ग्रामीण समुदायों की सेवा करने वाली इन संस्थाओं की पहचान और दृश्यता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत, ओमान बने साझेदार, मुक्त व्यापार समझौते पर किए हस्ताक्षर

वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात ओमान में होंगे शुल्क मुक्त

- खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा भारत

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी के सामने समझौते पर हस्ताक्षर करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ।

भारत और ओमान ने गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात ओमान में शुल्क मुक्त होंगे। दूसरी ओर भारत खजूर, संगमरमर और पेट्रो रसायन वस्तुओं जैसे ओमान के उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। इस समझौता के 2026-27 की पहली तिमाही से लागू होने की उम्मीद है। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को अमेरिका में भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। इस समझौते पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मस्कट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

ओमान ने 98 प्रतिशत से अधिक शुल्क श्रेणियों (या उत्पाद श्रेणियों) पर शून्य शुल्क की पेशकश की है, जिसमें ओमान को भारत के निर्यात का 99.38 प्रतिशत हिस्सा है। रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, औषधि, चिकित्सकीय उपकरण और मोटर वाहन सहित सभी प्रमुख श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पूर्ण रूप से शुल्क मुक्त कर दिया गया है। इनमें से 97.96 प्रतिशत उत्पाद श्रेणियों पर तत्काल शुल्क उन्मूलन की पेशकश की जा रही है। दूसरी ओर, भारत अपनी कुल शुल्क श्रेणियों (12,556) में से 77.79 प्रतिशत पर शुल्क उदारीकरण की पेशकश कर रहा है, जिसमें मूल्य के हिसाब से ओमान से भारत के आयात का 94.81 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। ओमान के लिए निर्यात के लिहाज से महत्वपूर्ण और भारत के लिए संवेदनशील उत्पादों के लिए, यह प्रस्ताव मुख्य रूप से खजूर, संगमरमर और पेट्रोरसायन उत्पादों जैसी वस्तुओं के लिए शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण है।

भारत के संवेदनशील उत्पाद बिना रियायत के अलग श्रेणी में

भारत ने अपने हितों की रक्षा के लिए संवेदनशील उत्पादों को बिना किसी रियायत की पेशकश किए अलग श्रेणी में रखा है। विशेष रूप से कृषि उत्पाद, जिनमें दुग्ध, चाय, कॉफी, रबर एवं तंबाकू उत्पाद, सोना व चांदी की सिल्लियां, आभूषण, अन्य श्रम-प्रधान उत्पाद जैसे जूते, खेल के सामान और कई निम्न धातुओं का कबाड़ शामिल हैं। ओमान में वर्तमान में श्रम प्रधान वस्तुओं पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता है। सेवा क्षेत्र के मोर्चे पर ओमान कंप्यूटर संबंधी सेवाओं, व्यावसायिक एवं पेशेवर सेवाओं, ऑडियो-विजुअल सेवाओं, अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं व्यक्त करेगा। ओमान का वैश्विक सेवा आयात 12.52 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जिसमें भारत की हिस्सेदारी केवल 5.31 प्रतिशत थी। यह भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए अपार संभावनाओं को दर्शाता है। सीईपीए की एक प्रमुख विशेषता भारतीय पेशेवरों के लिए आवाजाही की बेहतर रूपरेखा है।

कंपनी में कर्मचारियों की सीमा की 50 प्रतिशत

ओमान ने पहली बार कुशल पेशेवरों की आवाजाही (मोड-4) के तहत व्यापक प्रतिबद्धताएं पेश की हैं, जिनमें कंपनी के भीतर स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों की सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। संविदा आधार पर सेवा प्रदान करने वालों के लिए ठहरने की स्वीकृत अवधि में भी वृद्धि की गई है। इसे मौजूदा 90 दिन से बढ़ाकर दो वर्ष कर दिया गया है। इसे दो वर्ष के लिए और बढ़ाया जा सकता है। यह समझौता लेखांकन, कराधान, वास्तुकला, चिकित्सा और संबद्ध सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों के लिए अधिक उदार प्रवेश एवं ठहरने की शर्तों का प्रावधान भी करता है जिससे गहन तथा अधिक सुगम व्यावसायिक जुड़ाव को बढ़ावा मिलता है। इस समझौते में ओमान के प्रमुख सेवा क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों द्वारा 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रावधान भी है। इसके तहत वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से भारत के सेवा उद्योग को इस क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए व्यापक अवसर मिलेंगे।

डेयरी, सोना-चांदी, फुटवियर संवेदनशील सूची में

भारत ने ओमान के साथ गुरुवार को संपन्न व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत घरेलू किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए कई संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए इन संवेदनशील उत्पादों को 'छूट से बाहर की श्रेणी' में रखा गया है। मंत्रालय के मुताबिक, शुल्क छूट से बाहर रखे गए उत्पादों में डेयरी एवं कृषि उत्पाद, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी का बुलियन एवं आभूषण और जूते-चप्पल, खेल सामान और कई मूल धातुओं के स्क्रैप शामिल हैं। संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इन उत्पादों पर किसी भी तरह की शुल्क रियायत नहीं दी गई है ताकि घरेलू उत्पादकों और एमएसएमई पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। जिन उत्पादों में ओमान की निर्यात रुचि है और जो भारत के लिए संवेदनशील हैं, वहां अधिकांश मामलों में शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण की पेशकश की गई है।

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5% की वृद्धि

कोलकाता, एजेंसी

- वर्ल्डलाइन इंडिया के अनुसार 2025 की तीसरी तिमाही में डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेजी

भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में काफी तेजी से विकास हो रहा है। इस बात का खुलासा वर्ल्डलाइन इंडिया ने किया है। वर्ल्डलाइन इंडिया ने गुरुवार को डेटा से भरपूर संक्षिप्त विवरण जारी किया, जिसमें 2025 की तीसरी तिमाही में देश के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे विकास को दर्शाया गया।

इसमें यूपीआई के जरिये लेन-देन की संख्या सालाना 33.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 59.33 अरब हो गई है। यह विवरण वर्ल्डलाइन की प्रमुख इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट का ही एक विस्तार है, जो इस तिमाही में पेमेंट कर्ताओं के बारे में समय पर जानकारी देता है। इस एनालिसिस में यूपीआई के लगातार दबदबे, क्यूआर-आधारित व्यापार स्वीकृति में तेज़ी से बढ़ोतरी, कार्ड जारी करने में लगातार ग्रोथ और मेट्रो शहरों तथा उभरते भारत दोनों में डिजिटल अपनाने में गहराई को उजागर किया गया। क्यू3- 2025 ने दुनिया की सबसे डायनामिक रियल-टाइम पेमेंट अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति को और मज़बूत किया और कहा कि यहां हर स्कैन, टैप और क्लिक उपभोक्ताओं और कारोबारियों के व्यवहार को बदल रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपीआई ने रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा, लेन-देन सालाना आधार पर 33.5 प्रतिशत बढ़कर 59.33 अरब हो गया और लेन-देन का मूल्य सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 74.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। व्यक्ति से कारोबारी (पी2एम) लेन-देन व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) से आगे रहे, जो रोज़मर्रा के खुदरा लेन-देन में यूपीआई के दबदबे को दिखाता है।

भारत में 70.90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर

रिपोर्ट के अनुसार पी2एम लेन-देन 35 प्रतिशत बढ़कर 37 .46 अरब हो गया और पी2पी 29 वृद्धि के साथ 21 .65 अरब लेन-देन हो गया है। औसत टिकट साइज़ घटकर 1,262 रुपये (1,363 रुपये से) हो गया, जो रोजमर्रा के सामान, खाना, हेल्थकेयर की ज़रूरी चीज़ों और हाइपरलोकल कॉमर्स जैसे छोटे लेने-देन के लिए बढ़ते इस्तेमाल को दिखाता है। भारत में 70 .90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर हो गए हैं, जो जुलाई 2024 से 21 प्रतिशत ज्यादा हैं। किराना, फार्मेसी, ट्रांसपोर्ट हब और ग्रामीण बाजारों में क्यूआर की व्यापक स्वीकार्यता ने स्कैन-एंड-पे को देश भर में डिफ़ॉल्ट पेमेंट मोड बना दिया है। पीओएस टर्मिनल 35 प्रतिशत बढ़कर 121 .2 लाख हो गए (जुलाई 2024-जुलाई 2025), भारत क्यूआर 61 .0 लाख पर रहा, जिसमें यूपीआई क्यूआर के दबदबे की ओर बदलाव के बीच मामूली गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस मामले में निजी बैंक आगे हैं जिनका मार्केट शेयर 84 प्रतिशत था। क्रेडिट कार्ड जारी करने में सालाना 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 1133 .9 लाख कार्ड तक पहुंच गया। वहीं, डेबिट कार्ड 1 .02 अरब हो गए, जबकि प्रीपेड कार्ड 47 .01 करोड़ थे। क्रेडिट कार्ड से लेन-देन में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसकी संख्या 1 .45 अरब हो गयी, जिसका मूल्य 4 .08 लाख करोड़ रुपये था।

चांदी 1,800 रुपये चढ़कर उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक साल में हो चुकी है 1,17,100 रुपये यानी 129.4% तक की बढ़ोतरी

चांदी गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 1,800 रुपये उछलकर 2,07,600 रुपये प्रति किलोग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसका कारण कारोबारियों की निरंतर खरीदारी है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

चांदी बुधवार को 7,300 रुपये उछलकर पहली बार दो लाख रुपये प्रति किग्रा को पार कर 2,05,800 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। इस वृद्धि के साथ, चांदी की कीमत इस साल एक जनवरी को दर्ज की गई 90,500 रुपये प्रति किग्रा से 1,17,100 रुपये किलो यानी 129.4 प्रतिशत बढ़ चुकी है। सर्राफा संघ के अनुसार, सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 13.16 डॉलर यानी 0.31 प्रतिशत घटकर 4,325.02 डॉलर प्रति औंस रह गया। रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि सोना गुरुवार को 4,330 डॉलर प्रति औंस तक गिर गया, लेकिन अक्टूबर में पहुंचे रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब रहा। इसका कारण अमेरिकी दर में कटौती की उम्मीदों और चल रहे भू-राजनीतिक जोखिमों से सोने को समर्थन मिलना है। इस बीच, बाजार की धारणा फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वालर की टिप्पणियों से प्रभावित हुई। उन्होंने बुधवार को अतिरिक्त ब्याज दर में कटौती का समर्थन किया, जबकि यह भी कहा कि नीति निर्माता सावधानी से आगे बढ़ सकते हैं। उनकी टिप्पणियां अमेरिकी श्रम डेटा के बाद आईं, जो आगे नरमी का संकेत दे रहा था। इसमें बेरोजगारी दर चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई और नवंबर में नौकरियों में वृद्धि अक्टूबर में देखी गई नरमी की भरपाई करने में विफल रही। विदेशी बाजारों में हाजिर चांदी 0.25% घटकर 66.04 डॉलर प्रति औंस रह गई। पिछले सत्र में, चांदी 3.13 डॉलर यानी 4.91 प्रतिशत बढ़कर 66.88 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी।

राष्ट्रीय

संसद में परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी वाला विधेयक पारित

राज्यसभा ने परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री के जवाब के बाद ध्वनिमत से दी गई मंजूरी, विपक्ष के संशोधनों को किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा को संबोधित करते राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह।

संसद ने गुरुवार को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं परमाणु ऊर्जा राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। उच्च सदन ने विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए तमाम संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को कल ही पारित कर चुकी है।

इससे पहले विधेयक पर चर्चा के दौरान जहां सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विधेयक को ऐतिहासिक और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण करार दिया वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का ही विरोध कर देते हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के लिए 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट है। मंत्री ने कहा कि यदि हमने 2047 तक 100 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है तो पूरा करने में परमाणु क्षेत्र महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा कि आज की दुनिया में अलग-थलग रहने का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि उन्हीं सुरक्षा उपायों को जारी रखा गया है जो प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के समय अमल में आए थे। सिंह ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी होगी, लेकिन सुरक्षा का पूरा प्रबंध किया गया है। नुकसान की स्थिति में संचालक को भरपाई करनी होगी तथा परमाणु उत्तरदायित्व कोष होगा। उन्होंने कहा कि अब भारत अनुसरण नहीं करता है, बल्कि लोग भारत का अनुसरण करते हैं। सिंह ने कहा कि वह परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में नेहरू जी के योगदान को स्वीकार करते हैं। इससे पहले, सिंह ने विधेयक को सदन में चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही इस तरह के बड़े फैसले ले सकते हैं।

राज्य मंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक विधेयक है। संसद के इतिहास में वर्षों बाद कोई ऐसा क्षण आता है जब सदस्यों को ऐसा मौका मिलता है कि वे राष्ट्र की यात्रा को एक नयी दिशा दे सकें।'' उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस विधेयक को मील के पत्थर के रूप में उल्लेखित किया जाएगा। सिंह ने कहा, ''भारत की भौगोलिक स्तर पर भूमिका बढ़ रही है और ऐसे में हमें वैश्विक मानकों के अनुरूप होना होगा...दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की तरफ बढ़ गयी है...बढ़ती ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह महत्वपूर्ण है।

विपक्ष ने की विधेयक को प्रवर समिति में भेजने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने परमाणु ऊर्जा विधेयक का विरोध करते हुए इसे व्यापक विचार-विमर्श के लिए प्रवर या स्थायी समिति में भेजने की मांग की। उच्च सदन में विपक्ष ने विरोध करते हुए इसे मानवता के खिलाफ बताया। बीआरएस सदस्य केआर सुरेश रेड्डी ने विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए प्रवर समिति में भेजने की मांग की और कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां औद्योगिकीकरण बढ़ा है इसलिए बिजली की मांग में तेजी भी आएगी। माकपा सदस्य एए रहीम ने इसे मानवता के खिलाफ बताया। सपा के रामगोपाल यादव ने आपूर्तिकर्ताओं की जवाबदेही तय करने की मांग की और कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी भविष्य में कुछ निजी कंपनियों का एकाधिकार हो जाएगा। बसपा के रामजी ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की। भाजपा के जग्गेश ने विधेयक को भविष्य के लिए अहम बताया। शिवसेना (उबाठा) सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी, राकांपा (एसपी) सदस्य फौजिया खान ने भी विधेयक का विरोध किया। भाजपा के परमार सालमसिंह ने विधेयक को दूर-दृष्टि वाला बताया। मनोनीत हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि देश को 15 साल से इस विधेयक की प्रतीक्षा थी।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयकों संबंधी समिति का कार्यकाल बढ़ा

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयकों पर विचार करने वाली संसदीय समिति को रिपोर्ट देने के लिए आगामी बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक का समय दिया गया है। समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के संबंध में यह प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूर कर लिया। गत 12 नवंबर को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया था तथा भाजपा सांसद सारंगी को समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया। लोकसभा सचिवालय के अनुसार इस समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र के आखिर में विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में सभी विधेयकों को पेश किया था।

हम वीडियो दिखाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है : न्यायालय

आवारा कुत्तों का मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता द्वारा आवारा कुत्तों के साथ अमानवीय बर्ताव किए जाने की टिप्पणी पर गुरुवार को उससे कहा कि अगली सुनवाई पर एक वीडियो दिखाया जाएगा और आपसे पूछा जाएगा कि मानवता क्या होती है। आवारा कुत्तों के मामले में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि मामले की सुनवाई के लिए गुरुवार को बैठने वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ को रद्द कर दिया गया है।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि मामले पर अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी। सिब्बल ने कहा कि समस्या यह है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने इस बीच कुछ नियम बनाए हैं जो पूरी तरह विपरीत हैं। उन्होंने पीठ से मामले की सुनवाई शुक्रवार को करने का आग्रह करते हुए कहा कि अधिकारियों के पास कुत्तों के आश्रय स्थल भी नहीं हैं। जो किया जा रहा है वह बहुत अमानवीय है। न्यायमूर्ति मेहता ने आवारा कुत्तों की समस्या का संदर्भ देते हुए कहा कि अगली तारीख पर हम आपकी सुविधा के लिए वीडियो चलाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है। सिब्बल ने कहा कि वह भी यह दिखाने के लिए वीडियो चलाएंगे कि क्या हो रहा है। पीठ ने कहा कि वह इस पर 7 जनवरी को विचार करेगी।

भूमि अधिग्रहण की याचिका रद्द

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को उज्जैन में महाकाल लोक परिसर के पार्किंग क्षेत्र की जगह बढ़ाने के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 11 जनवरी के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

शराब घोटाला : सुनवाई जनवरी तक स्थगित

उच्चतम न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे की कथित शराब घोटाले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई गुरुवार को जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी और कहा कि मामले को टुकड़ों में नहीं सुना जा सकता। ईडी द्वारा 18 जुलाई को गिरफ्तार किए गए चैतन्य बघेल ने धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों को भी चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस पर सुनवाई की।

स्कूली-उच्च शिक्षा संस्थानों में समन्वय की पहल

वीआईटी का मंथन 2025

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विद्यालय-विश्वविद्यालय के अंतर को पाटने के लिए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने शनिवार 13 दिसंबर को मंथन 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हजरतगंज के महात्मा गांधी मार्ग स्थित क्लार्क्स अवध में हुआ। इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग बनाना था।

मंथन 2025 में 70 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। स्कूली शिक्षा में उनके योगदान के लिए वीआईटी ने प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वीआईटी भोपाल विवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। प्रसिद्ध लेखक, प्रेरक वक्ता, सामाजिक उद्यमी तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सह-संस्थापक एवं सीईओ सृजन पाल सिंह ने मंथन 2025- उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी यात्रा को प्रज्वलित करें विषय पर संबोधन दिया। इस दौरान शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और तकनीक से जोड़ने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने को तकनीकी, गैर-तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यालयी पाठ्यक्रम को विवि की अपेक्षाओं के अनुसार बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम ने विद्यालय प्रमुखों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को एक-दूसरे से विचार साझा करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से वीआईटी विवि ने शिक्षा में नवाचार, अकादमिक सहयोग और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

दिल्ली में नो पीयूसी, नो फ्यूल नियम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में बिगड़ते वायु प्रदूषण से निपटने को प्राधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत गुरुवार से दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर बीएस-6 निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया और साथ ही उन वाहनों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा, जिनके पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं हैं। पेट्रोल पंप वैध पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को ईंधन नहीं दे रहे हैं और इसे स्वचालित नंबर प्लेट रीडर कैमरे, पंपों पर वॉयस अलर्ट और पुलिस की मदद से लागू किया जा रहा है।

जिन वाहनों के पास पीयूसी नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल नहीं मिलेगा यानी नो पीयूसी, नो फ्यूल। दिल्ली की सीमाओं सहित 126 जांच चौकियों पर 580 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग की कई प्रवर्तन टीम को पेट्रोल पंपों और सीमा चौकियों पर तैनात किया गया है।

कड़े उपायों के बावजूद वायु गुणवत्ता बिगड़ी

दिल्ली में गुरुवार को धुंध की चादर छा गई, जिससे पूरे शहर में दृश्यता कम हो गई और वायु प्रदूषण की स्थिति और खराब हो गई। 24 घंटे का औसत एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में रहा और इसका स्तर एक दिन पहले के 334 से बढ़कर 373 हो गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार शहर में स्थित 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों में से 15 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता गंभीर रही। आनंद विहार में सबसे अधिक 441 एक्यूआई दर्ज किया गया जो गंभीर-प्लस श्रेणी में आता है जबकि 24 केंद्रों पर वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब दर्ज की गई।

कोहरे से दिल्ली हवाई अड्डे पर 27 उड़ानें रद्द

मुंबई। घने कोहरे और दृश्यता कम होने से गुरुवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर विभिन्न एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गईं और कई अन्य के परिचालन में देरी हुई। दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं।

कोमा में पड़े व्यक्ति के अभिभावकों से मिलेंगे न्यायाधीश

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय उस व्यक्ति के अभिभावकों से मिलने की गुरुवार को इच्छा जताई, जो 12 वर्षों से कोमा में है। शीर्ष अदालत व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर विचार कर रही थी जिसमें उन्होंने कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटाकर पुत्र को निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु का अनुरोध किया है। 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के बाद व्यक्ति के सिर में चोट लगी थी। तब से वह कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली पर है। निष्क्रिय इच्छा-मृत्यु वह प्रक्रिया हैं, जिसमें मरीज का जीवन बचाने के लिए जीवन रक्षक उपकरण हटाकर वह स्थिति पैदा की जाती है, जिससे उसके प्राण निकल सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल : जेन जी प्रदर्शन की जांच के लिए एक महीने का मांगा विस्तार

काठमांडू। नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने सरकार से अपना कार्यकाल एक माह बढ़ाने का अनुरोध किया है। आयोग ने कहा है कि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है। आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने बताया कि बुधवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ हुई बैठक के दौरान आयोग के अधिकारियों ने समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। सुशीला कार्की सरकार ने 21 सितंबर को इस आयोग का गठन कर तीन महीने की समय सीमा तय की थी, जो अगले सप्ताह समाप्त होने वाली है। हालांकि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया अभी भी जारी है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री जिया की सेहत अब भी गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय अध्यक्ष जिया कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिया के निजी डॉक्टर एवं बीएनपी की नीति निर्धारण संबंधी स्थायी समिति के सदस्य जाहिद हुसैन ने पत्रकारों को बताया कि 11 दिसंबर को उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए जिया को ऐच्छिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया ।

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा एक्यूआई

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और एक्यूआई बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो बेहद अस्वास्थ्यकारी स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है।

भारत ने ढाका में फिर शुरू किया वीजा केंद्र, दो अन्य केंद्र बंद किए

ढाका, एजेंसी

- भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों की धमकी के मद्देनजर उठाया कदम

भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र का संचालन फिर शुरू कर दिया। सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, यही कारण बताते हुए अब बांग्लादेश के खुलना और राजशाही में स्थित इसी तरह के दो अन्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है।

दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश में पांच आईवीएसी केंद्र हैं। ढाका, खुलना और राजशाही के अलावा, अन्य दो केंद्र पूर्वोत्तर बंदरगाह शहर चटोग्राम और सिलहट में स्थित हैं। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एकीकृत केंद्र है।

भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह के भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ने के बाद तनाव बढ़ने के मद्देनजर, आईवीएसी के ढाका केंद्र को बुधवार को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई थी। ढाका केंद्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आईवीएसी ने बृहस्पतिवार को खुलना और राजशाही में स्थित अपने दोनों केंद्र बंद कर दिए हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत का बड़ा कदम

भारत सरकार की ओर से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी और विदेशी भागीदारी की अनुमति देने के लिए लाए गए शांति विधेयक के जरिए स्वतंत्रता के बाद पहली बार निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण, स्वामित्व और संचालन की अनुमति दी जाएगी। निजी कंपनियां परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में 49% तक की हिस्सेदारी रख पाएंगी। नया कानून परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट 2010 की जगह लेगा। विपक्ष की ओर से इस विधेयक को लेकर कई आशंकाएं जताने के साथ संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉर्पोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने का आरोप लगाया गया है, हालांकि दुनिया के कई देशों में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति है। यह अलग बात है कि इन देशों में नियामकीय व्यवस्था बेहद कठोर है।

परमाणु ऊर्जा विधेयक

क्या हैं विशेषताएं

- विधेयक का उद्देश्य भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 8 गीगावाट से बढ़ाकर 2047 तक 100 गीगावाट करना है।
- विदेशी निवेश आकर्षित करने को बड़े रिएक्टरों के लिए ऑपरेटर का दायित्व बढ़ाकर सप्लायर्स पर बोझ कम किया है।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड को वैधानिक दर्जा दिया जाएगा, एक समर्पित परमाणु विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना होगी।
- यूरेनियम खनन, परमाणु ईंधन संवर्धन और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहेंगे।
- स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है, बजट 2025-26 में 20,000 करोड़ का प्रावधान।

पुराने कानून के प्रावधान

- मूल अधिनियम के तहत परमाणु ऊर्जा का उत्पादन और संचालन केवल केंद्र सरकार या उसकी सरकारी कंपनियों तक सीमित था।
- संशोधन ने एनपीसीआईएल को अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की अनुमति दी, पर निजी क्षेत्र को दूर रखा।
- सीएलएनडी एक्ट 2010 परमाणु घटना की स्थिति में ऑपरेटर (सरकारी कंपनी) पर 1500 करोड़ तक का 'नो-फॉल्ट' दायित्व डालता है।
- दुर्घटना की स्थिति में विदेशी या निजी आपूर्तिकर्ताओं से क्षतिपूर्ति मांगने का प्रावधान जो विदेशी निवेश के रास्ते में बड़ी बाधा रहा है।

विदेशी निवेश पर आशंका

- आलोचकों का कहना है कि विदेशी नियंत्रण से स्वदेशी परमाणु कार्यक्रम, रणनीतिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।
- विदेशी और निजी भागीदारी से संवेदनशील तकनीक और परमाणु सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जटिलता बढ़ सकती है।
- विदेशी कंपनियां स्थानीय हालात से अनभिज्ञ हो सकती हैं, एनपीसीआईएल जैसी पुरानी कंपनियों जैसा अनुभव उनके पास नहीं होगा।
- दुर्घटना होने पर विदेशी कंपनियां जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती हैं तो पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में पेच फंस सकते हैं।

निजी कॉरपोरेट समूह

- नए बदलावों के तहत अब निजी कंपनियां परमाणु संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व और संचालन कर सकेंगी।
- कंपनियां छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी आधुनिक तकनीकों में निवेश कर ऊर्जा पोर्टफोलियो बढ़ा सकेंगी।
- निजी ऑपरेटरों की देयता सीमित होगी, बड़े वित्तीय जोखिम सरकार या अंतरराष्ट्रीय फंडों पर साझा होंगे।
- भारतीय निजी समूह अब विदेशी तकनीक दिग्गजों के साथ सीधे रणनीतिक-तकनीकी सहयोग कर पाएंगे।

दूसरे देश

- अमेरिका में परमाणु संयंत्रों का स्वामित्व और संचालन निजी कंपनियों पर, हालांकि सख्त नियामक नियंत्रण।
- कनाडा-ब्रिटेन में भी निजी ऑपरेटरों को परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति दी गई है, फ्रांस में भी ऐसा कानून।

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा, भड़का चीन

कहा- सफल नहीं होगी स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद की यह कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए चीन ने आक्रोश जताया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद करने की अमेरिका की यह कोशिश सफल नहीं होगी बल्कि उसे उल्टी पड़ेगी।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार बिक्री प्राप्तकर्ता देश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के निरंतर प्रयासों का समर्थन और अमेरिका के राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन-अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, 'ताइवान स्वतंत्रता' की ताकतें बल के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना और पुनःएकीकरण का विरोध करना चाहती हैं। वे ताइवान को बारूद के ढेर में बदलने की कीमत पर जनता की मेहनत की कमाई को हथियार खरीदने में बर्बाद कर रहे हैं।

ताइवान का इस्तेमाल कर हमें रोक नहीं पाएंगे: चीन

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, हथियारों के जरिए ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन करना अंततः अमेरिका के लिए ही उल्टा साबित होगा। ताइवान का इस्तेमाल कर चीन को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि इससे ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमताएं बनाए रखने में मदद मिलेगी और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता हासिल होगी। बयान में कहा गया कि ताइवान का अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने की बुनियाद है।

यूक्रेन को भी यही हथियार दिए थे अमेरिका ने

आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

बेहाल दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में भीषण वायु प्रदूषण के बीच गुरुवार शाम धुंध की चादर छा जाने से सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। इस बीच गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया है जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर में प्रवर्तन को तेज कर दिया है।

सीमा संघर्ष में अब तक 18 कंबोडियाई नागरिकों की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर जारी झड़पों के बीच कंबोडिया के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखक ने गुरुवार सुबह बताया कि बुधवार शाम 6 बजे तक संघर्ष में मारे गए कंबोडियाई नागरिकों की संख्या 18 तक पहुंच गई है और घायलों की संख्या 78 हो गई है।

सोखक ने कहा कि विस्थापितों की संख्या बढ़कर 1,44,066 परिवारों तक पहुंच गई है, जिसमें 4,76,179 व्यक्ति शामिल हैं। इनमें 2,40,000 से अधिक महिलाएं और लगभग 1,30,000 बच्चे हैं। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि बुधवार आधी रात से गुरुवार सुबह तक, थाई सैन्य बलों ने कंबोडियाई क्षेत्र में कई ठिकानों पर हमले किए। कंबोडिया-थाईलैंड सीमा विवाद सात दिसंबर से फिर से भड़क गया है।

राष्ट्र के नाम संदेश में ट्रंप ने किया अपना गुणगान

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अपनी आर्थिक और आव्रजन संबंधी उपलब्धियों की तारीफ की, महंगाई का दोष बाइडन पर मढ़ा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। उन्होंने आर्थिक और आव्रजन संबंधी अपने कई निर्णयों का उपलब्धियों के तौर पर उल्लेख किया और देश में कीमतें बढ़ने और अवैध आव्रजन का दोष अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन पर मढ़ दिया।

ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन में कहा, 11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं। ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, विपरीत प्रवासन, महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने कहा, मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की।

भारत-नीदरलैंड रक्षा व उद्योग के क्षेत्र में बढ़ाएंगे साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दोनों देशों के बीच आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया गया

भारत और नीदरलैंड ने रक्षा क्षेत्र में साझेदारी और रक्षा प्रौद्योगिकी तथा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए गुरुवार को यहां आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील मौजूद थे।

सिंह ने यहां वैन के साथ वार्ता की और दोनों देशों के बीच मजबूत तथा बढ़ती रक्षा साझेदारी की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैन्य-से-सैन्य सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बातचीत के दौरान दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मंत्रियों ने घनिष्ठ रक्षा साझेदारी और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को खासकर विशिष्ट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में रक्षा सचिव राजेश सिंह और भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेराड्‌र्स ने रक्षा सहयोग पर आशय पत्र का आदान-प्रदान किया । दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी सहयोग, प्लेटफॉर्म और उपकरणों के सह-उत्पादन तथा सह-विकास के लिए रक्षा औद्योगिक रोडमैप विकसित करके पहचाने गए क्षेत्रों में रक्षा सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का इरादा जताया।

एपस्टीन विवाद से सुर्खियों में आए बोंगिनो देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे, जिससे उनका छोटा लेकिन उथलपुथल भरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय विभाग के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एफबीआई नेतृत्व को निदेशक काश पटेल द्वारा सरकारी विमान का निजी इस्तेमाल करने और सक्रिय जांच के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एफबीआई में दूसरे महत्वपूर्ण पद के लिए बोंगिनो का चयन हमेशा से ही अपरंपरागत रहा है।

छत्तीसगढ़ में बीएसएफ के जवान ने गोली मारकर की आत्महत्या

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में बीएसएफ के एक जवान ने होरादी कैंप में आत्महत्या कर ली। मृतक जवान की पहचान कांस्टेबल सचिन कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सिंगोली गांव के निवासी थे।

जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना होरादी कैंप परिसर में घटित हुई। गोली चलने की आवाज सुनते ही अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां सचिन कुमार को गंभीर अवस्था में पाया गया। अधिकारियों को सूचना दी गई लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना से पूरे कैंप में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

एआई सबसे बड़ा खतरा दफ्तर की नौकरियों के लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- फिक्की के एआई इंडिया सम्मेलन में बोले सूचना प्रौद्योगिकी सचिव

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से कार्योलयों में काम करने वालों की नौकरियों को सबसे अधिक खतरा है। उद्योग मंडल फिक्की के 'एआई इंडिया' सम्मेलन में कृष्णन ने कहा कि चूंकि एआई अब सीधे तौर पर सोच-विचार कर किए जाने वाले और विश्लेषण से जुड़े कार्यों को चुनौती दे रहा है, इसलिए कार्योलयों में काम करने वाली कर्मचारियों की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी सचिव ने कहा, पिछली औद्योगिक क्रांतियों को देखें तो उनमें अधिकतर बदलाव शारीरिक और लोगों द्वारा किए जाने वाले काम को स्वचालित करने के थे। पहली बार एआई सोचसमझकर किए जाने वाले काम की जगह ले रहा है। इसलिए जो लोग सोच-विचार से जुड़े या विश्लेषण से जुड़े काम करते हैं उन्हीं की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा है।

उन्होंने तर्क दिया कि कौशल विकास के माध्यम से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता, वर्तमान में नौकरियों को हो रहे नुकसान कहीं अधिक है। सचिव ने कहा, कई कंपनियों के लिए तात्कालिक प्रलोभन यह हो सकता है कि वे शुरुआती सफलताओं पर ध्यान दें और भविष्य में आने वाली दीर्घकालिक समस्याओं को भूल जाएं लेकिन सरकार के रूप में हम इस मामले के दोनों पहलुओं को लेकर चिंतित हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

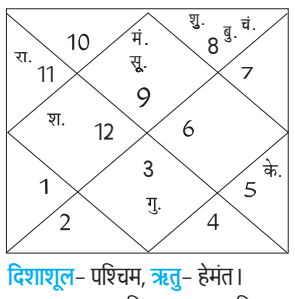

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 22.51 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पाएंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है। अनावश्यक खर्चों को लेकर परेशान हो सकते हैं। अपने आसपास के लोगों से सावधान रहें।

वृष — आज दिन का शुरुआती भाग अत्यंत शुभ रहेगा। बुरी नीयत वाले लोगों से सावधान रहें। विद्युत उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करें। जिस किसी बात से आप प्रसन्न होंगे, उसी बात पर आपको दुखी होना पड़ेगा।

मिथुन — आज दिन अत्यंत शुभ एवं उत्साहवर्धक रहेगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। अपने काम दूसरों पर डालने से बचें। अविवाहितों के विवाह संबंधी बात आगे बढ़ सकती है।

कर्क — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ होगा। लोग आपके विचारों से सहमत होंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियंत्रण पा लेंगे। प्रेमी जन के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। उच्चाधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

सिंह — आज व्यर्थ की बातों पर ज्यादा समय बर्बाद न करें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन कुछ उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। धैर्य और संयम के साथ काम करें। किसी पर भी आवश्यकता से अधिक विश्वास न करें।

कन्या — आज आपकी व्यवहार कुशलता की प्रशंसा होगी। अपने काम का विस्तार करने का विचार बनाएंगे। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को बड़ी व्यापारिक डील मिल सकती है।

तुला — आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लंघन न करें। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। शाम को तनाव से राहत मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है।

वृश्चिक — आज आपको नई जॉब ऑफर हो सकती है। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-मोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। सम्मानित लोगों के बीच आपकी पैठ मजबूत होगी।

धनु — आज अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण कुछ बदलाव को लेकर सोच सकते हैं। विवाहेतर संबंधों से दूर रहें। परिवार व समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी।

मकर — आज धार्मिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार में नए अनुबंध होने की संभावना बन रही है। सभी तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज आय के साधनों में वृद्धि होगी। परिजनों के साथ अपने मन की बातें शेयर करेंगे। बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे। अपनी कार्यशैली से संतुष्ट रहेंगे। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी।

मीन — आज आपके सद्गुणों की लोग प्रशंसा करेंगे। घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ होगा। उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गुरुजनों से चर्चा और विचार-विमर्श करके नया काम शुरू करें।

सुडोकू -6

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3				2	9		
7		8			3			
	1		7		4		5	3
2				6	1		3	
	5						1	
	4		2	8				7
3	2		9		8		6	
			5			2		1
		4	1				8	

सुडोकू - 5 का हल

4	8	5	6	3	9	7	1	2
3	6	9	2	7	1	5	8	4
2	1	7	8	4	5	6	9	3
1	7	3	4	9	6	2	5	8
6	5	8	3	1	2	4	7	9
9	2	4	5	8	7	1	3	6
7	4	2	9	5	8	3	6	1
8	3	1	7	6	4	9	2	5
5	9	6	1	2	3	8	4	7

जसप्रीत बुमराह बेमिसाल मैच विजेता हैं व उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं। उम्मीद है कि वह विश्व कप तक निरंतरता बनाए रखेंगे।

-रॉबिन उथप्पा

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

आईपीएल सत्र के लिए उपलब्ध नहीं होंगे जॉश इंग्लिस

सिडनी। अप्रैल में शादी करने जा रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जॉश इंग्लिस 26 मार्च से 31 मई तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की छोटी नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जॉश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रूपये में खरीदा था। इंग्लिस ने बताया कि वह अप्रैल में शादी करने जा रहे हैं। इंग्लिस ने एबीसी स्पोर्ट से कहा मैंने आईपीएल नीलामी देखी और मेरी बारी देर से आई। मैं इस साल पूरे सीजन उपलब्ध नहीं रह पाऊंगा। मैं अप्रैल की शुरुआत में शादी करने जा रहा हूं। सच कहूं तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे खरीदा जाएगा।

चोटरानी व सूरज की जीत के साथ शुरुआत

मुंबई। शीर्ष वरीय वीर चोटरानी और दूसरे वरीय सूरज चंद ने बृहस्पतिवार को यहां सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। खिताब के प्रबल दावेदार चोटरानी ने अयान खान को 11-1, 11-1, 11-1 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। सूरज ने अजिंक्य पाटिल को 11-4, 11-4, 11-3 से हराया। लड़कों के अंडर-15 वर्ग में दूसरे वरीय यूसुफ पारदीवाला ने अर्जुन पारसरामपुरिया को 11-3, 11-7, 11-7 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

अल्काराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते।

बाडोसा के प्रदर्शन से ईगल्स जीता

बेंगलुरु : सुमित नागल और पाउला बाडोसा के शानदार प्रदर्शन से ईगल्स ने बृहस्पतिवार को यहां काइट्स को हराकर विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। नागल ने बेहद कड़े मुकाबले में दक्षिणेश्वर सुरेश को 40 मिनट में 7-6 से हराकर ईगल्स को विजयी शुरुआत दिलाई। बाडोसा ने महिला एकल के एकतरफा मुकाबले में मार्टा कोस्त्युक को 6-1 से शिकस्त दी। बाडोसा ने इसके बाद गेल मोनफिल्स के साथ मिलकर दक्षिणेश्वर और कोस्त्युक की जोड़ी को 6-3 से हराया।

शृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार पर होगी निगाह

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज शाम 7 बजे से

कप्तान सूर्यकुमार यादव।

अहमदाबाद, एजेंसी

चयन को लेकर उठे सवालों और कुछ कमजोरियों के उजागर होने के बीच भारत शुक्रवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शृंखला का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा।

टेस्ट शृंखला में 0-2 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे शृंखला जीती। अब उसने टी20 शृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है, क्योंकि बुधवार को लखनऊ में खराब मौसम के कारण चौथा मैच रद्द कर दिया गया था।

यह सुनिश्चित है कि भारत अब इस शृंखला को हार नहीं सकता है जो मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए राहत की बात होनी चाहिए क्योंकि टीम के दो प्रमुख खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव तथा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे सूर्यकुमार की फॉर्म भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए।

गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चल पाना भी भारत के लिए अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे जिससे उनका अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। भारतीय टीम किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझेगी क्योंकि उसके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए कभी भी सही विकल्प नहीं थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि मध्यक्रम में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अपने तीनों टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक शीर्ष क्रम पर खेलते हुए बनाए हैं।

अंतिम मैच में गिल की अनुपलब्धता की स्थिति में मौका मिलने पर केरल का यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। इसके अलावा भारतीय टीम संतुलित नजर आती है, क्योंकि दोनों ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे अब तक खेले गए तीनों मैचों में अंतिम एकादश में शामिल रहे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह अपनी लय में आ रहे हैं जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच निजी कारणों से तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जो इस शृंखला में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (छह विकेट) के लिए चुनौती पेश करेगी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम रीजा हेंड्रिक्स की जगह एडेन मार्क्रम को शीर्ष क्रम में वापस लाने पर विचार कर सकती है। रीजा हेंड्रिक्स इस दौरे पर अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को इसके अलावा युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी जो अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। दक्षिण अफ्रीका को मार्को यानसन की आक्रामक पारियों की कमी भी खली है, लेकिन लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पर पहुंचे पर दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (मध्य) व टीम के अन्य सदस्य।

चोटिल शुभमन गिल भी पहुंचे अहमदाबाद

अहमदाबाद : शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच के लिए यहां पहुंच गए हैं हालांकि चौथे मैच से पहले लगी चोट के कारण उनका खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। गिल का नेट्स पर लगी चोट के कारण लखनऊ में चौथे टी20 से बाहर होना तय था लेकिन खराब मौसम के कारण मैच ही रद्द हो गया। यह देखना होगा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे गिल शुक्रवार को चौथे मैच के लिये उपलब्ध होंगे या नहीं या उनकी जगह संजू सैमसन को उतारा जायेगा। गिल इससे पहले गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अधिकांश समय बाहर रहे थे।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

गंभीर कोच नहीं, मैनेजर हैं : कपिल

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में आईसीसी शताब्दी सत्र के दौरान कपिल देव को सम्मानित किया गया।

भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने गौतम गंभीर के काम करने के तरीके को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरुवार को कहा कि आज के समय में मुख्य कोच की भूमिका खिलाड़ियों को असल में कोचिंग देने से अधिक उनका 'प्रबंधन' करने की है। दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार के बाद गंभीर भारत के मुख्य कोच के तौर पर आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं और खिलाड़ियों को लगातार रोटेट करने और कामचलाऊ खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की उनकी रणनीति की आलोचना हुई है। कपिल ने कहा कि समकालीन क्रिकेट में 'कोच' शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है।

कपिल ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स आईसीसी शताब्दी सत्र में कहा आज वह शब्द जिसे कोच कहते हैं... 'कोच' आज बहुत आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं। उन्होंने कहा जब आप कोच कहते हैं तो कोच वह होता है जिससे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं। वे लोग मेरे कोच थे। वे मुझे मैनेज कर सकते हैं। कपिल ने कहा आप कोच कैसे हो सकते हैं। गौतम लेग स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं? उन्होंने कहा मुझे लगता है कि आपको मैनेज करना होगा। यह अधिक महत्वपूर्ण है। एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहन देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आप पर भरोसा करते हैं। कपिल ने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज होते। मुझे क्रिकेट में सब कुछ पसंद है - टी20, टी10, वनडे, सब कुछ। मैं हमेशा एक बात और कहता हूं। मैंने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह टी20 में भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होते। कपिल ने कहा जिन लोगों का डिफेंस मज़बूत होता है उनके लिए हिटिंग करना बहुत आसान होता है। डिफेंस मुश्किल होता है। मैंने हमेशा कहा है कि उस इंसान को याद रखें जिसका डिफेंस शानदार है, वह हमेशा आक्रामक होकर खेल सकता है क्योंकि उसके पास उतना अतिरिक्त समय होता है।

> विश्व कप पर 'इंडिया' लिखा हुआ देखकर एक अजीब सी भावना थी... क्योंकि हर बार जब आप फाइनल खेलने के लिए क्वालीफाई करते हैं तो फोटो शूट होता है, आप ट्रॉफी के बगल में होते हैं और आप सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को देखते हैं। मैं दो बार वहां थी। मुझे वह फोटो शूट करने का मौका मिला और हर बार ऐसा लगता था कि कब हमें वहां 'इंडिया' मिलेगा और आखिरकार हमें मिल गया।
>
> -मिताली राज

हरमनप्रीत भारत की अगुआई करने के लिए सर्वश्रेष्ठ : अंजुम

नई दिल्ली : पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा का मानना है कि व्यस्त अंतर्रष्ट्री य सत्र और आगामी महिला प्री मि यर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पूर्व कप्तानी को लेकर बहस फिर से शुरू होने के बावजूद हरमनप्रीत कौर महिला राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं।

विश्व कप में जीत के बाद भारतीय महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगी और ऐसे में अंजुम का मानना है कि कप्तानी में बदलाव के बारे में अटकलें लगाने की जगह ध्यान इस लय को बरकरार रखने पर होना चाहिए। अंजुम ने कहा पिछले इतने वर्षों से मेरा निजी तौर पर मानना है कि हरमनप्रीत कौर एक मैच विजेता हैं। मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ कहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वह इस भारतीय टीम की कप्तानी करने के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं। अंजुम ने पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी के कप्तान बदलने के हालिया सुझाव को खारिज करते हुए कहा कि ऐसे विचार निजी होते हैं। उन्होंने कहा, हर किसी को अपनी बात कहने का हक है। इसमें कुछ भी सही या गलत नहीं है।

जीत की खुशी

बैंकॉक में साउथईस्ट एशियन गेम्स में गुरुवार को टेनिस के महिला फाइनल में थाईलैंड की एम. सवांगकाव को हराने के बाद जश्न मनातीं फिलीपींस की एला एलेक्जेंड्रा। ● एजेंसी

सात्विक-चिराग दूसरी जीत से ग्रुप में शीर्ष पर

हांगझू, एजेंसी

बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स

पूर्व विश्व नंबर एक सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दिग्गज भारतीय जोड़ी ने यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स 2025 में अपना विजय अभियान जारी रखा और गुरुवार को इंडोनेशियाई टीम को तीन गेमों में हराकर लगातार दूसरी जीत से ग्रुप बी में सर्वोच्च स्थान हासिल कर लिया।

हांगझू ओलम्पिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम के कोर्ट दो पर तीसरी सीड लेकर उतरे सात्विक-चिराग ने एक घंटे तक खिंचे संघर्ष में विश्व नंबर आठ फजर अल्फियान व मुहम्मद शोहीबुल फिकरी को 21-11, 16-21, 21-11 से शिकस्त दी। विश्व नंबर तीन भारतीय टीम ने 24 घंटे पहले ग्रुप के अपने पहले मैच में लियांग वेइ केंग व वैंग चैंग की ओलम्पिक रजत पदक विजेता चीनी जोड़ी को तीन गेमों चले कड़े मुकाबले में हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी।

इंग्लैंड की टीम फिर मुश्किल में 213 रनों पर गंवाए 8 विकेट

एडिलेड, एजेंसी

एडिलेड टेस्ट

- नेथन लियोन ने रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर मैकग्रा को पीछे छोड़ा

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स। एजेंसी

नेथन लियोन के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 213 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए थे।

इंग्लैंड का दारोमदार कप्तान बेन स्टोक्स पर टिका है जो 151 गेंद पर 45 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े जोफ्रा आर्चर ने 30 रन बनाए हैं। इंग्लैंड का स्कोर एक समय आठ विकेट पर 168 रन था और लग रहा था कि उसकी पहली पारी दूसरे दिन ही समाप्त हो जाएगी लेकिन स्टोक्स और आर्चर दिन के अंतिम 14 ओवर में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इन दोनों ने अभी तक नौवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 326 रन से आगे बढ़ाई। आर्चर (53 रन देकर पांच विकेट) ने मिचेल स्टार्क (54 रन) को बोल्ड और लियोन (09) को पगबाधा आउट करके पारी में पांच विकेट पूरे किए। स्कॉट बोलैंड 21 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। लियोन ने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी सूची में मैकग्रा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने अब तक 51 रन देकर दो विकेट लिए हैं। कमिंस ने 54 रन देकर तीन जबकि बोलैंड ने 31 रन देकर दो विकेट लिए हैं।

घोषणा फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने की बढ़ोत्तरी, अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा टूर्नामेंट

विश्व कप विजेता को मिलेगी 5 करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि

मैनचेस्टर, एजेंसी

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने घोषणा की कि 2026 में होने वाले विश्व कप के विजेता को 655 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि में से 50 मिलियन डॉलर (पांच करोड डॉलर) मिलेंगे। अर्जेंटीना को 2022 में चैंपियन बनने पर 42 मिलियन डॉलर और फ्रांस को 2018 में विश्व कप जीतने पर 38 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी जिसमें इस बार बढ़ोतरी तो हुई है, लेकिन यह राशि इस साल अपेक्षाकृत कम चर्चित क्लब विश्व कप जीतने के लिए चेल्सी को मिली पुरस्कार राशि से आधे से भी कम है।

क्लब विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि एक अरब डॉलर थी। चेल्सी को चैंपियन बनने पर 125 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि

मिली थी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप के लिए कुल पुरस्कार राशि कतर में 2022 में आयोजित किए गए टूर्नामेंट के लिए निर्धारित 440 मिलियन डॉलर की तुलना में 48.9 प्रतिशत अधिक है। विश्व कप 2026 की कुल पुरस्कार राशि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में खेले गए महिला विश्व कप की 110 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि से लगभग छह गुना अधिक होगी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अगले विश्व कप में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए समान पुरस्कार राशि का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगला महिला विश्व कप 2027 में ब्राजील में होगा। विश्व कप 2026 में कुल 48 टीम भाग लेंगी। ग्रुप चरण में बाहर होने वाली टीमों को नौ मिलियन डॉलर, अगले दौर में पहुंचने वाली टीमों को 11 मिलियन डॉलर और राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर मिलेंगे।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 19 मिलियन डॉलर, चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 27 मिलियन डॉलर, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर और फाइनल में हारने वाली टीम को 33 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

राज्यसभा में उठा भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार को राज्यसभा में भी उठाया गया तथा कांग्रेस के जोस के मणि ने कुराकाओ जैसे छोटा देश के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का हवाला देते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा। भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अभी तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं। मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फीफा द्वारा निर्धारित मानदंडों पर आधारित है। विश्व कप या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए कदम उठाने सहित किसी विशिष्ट खेल के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ की होती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को देश में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है।